शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 153 | गुवाहाटी | शनिवार, 24 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कामरूप (एम) में विशेष सड़क-सुरक्षा बैठक आयोजित — पेज 3
लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित — पेज 4
चाचा की विश्वसनीयता अभी प्रश्नचिन्ह के घेरे में : केशव प्रसाद मौर्य — पेज 5
ओछे हथकंडे अपनाकर भारत जोड़ो यात्रा को रोकना चाह रही केंद्र सरकार : बजरंग — पेज 8

सड़क हादसे में 16 सैनिकों की गई जान, चार घायल

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

गंगटोक। सिक्किम में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में सेना के 16 जवानों की जान चली गई, जबकि चार जवान घायलव हो गए। उत्तरी सिक्किम के जेमा में यह दुर्घटना तब हुई, जब आर्मी का ट्रक खतरनाक मोड़ पर खड़ी ढलान से नीचे फिसल गया। हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक व्यक्त किया है। भारतीय सेना के मुताबिक, ट्रक तीन वाहनों के काफिले का हिस्सा था, जो सुबह चाटेन से चला था और थंगू की ओर जा रहा था। सेना के अधिकारी ने कहा कि घटना उत्तरी सिक्किम के जेमा में हुई। दुर्घटनाग्रस्त वाहन तीन वाहनों के काफिले का हिस्सा था, जो चटन से सुबह थंगू की ओर बढ़ा था। पीआरओ डिफेंस लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत के मुताबिक, जेमा के रास्ते में वाहन एक तीखे मोड़ पर एक खड़ी ढलान पर फिसल गया। एक बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया और चार घायल सैनिकों को हवाई मार्ग से निकाला जा रहा है। इसमें दुर्भाग्य से तीन जूनियर कमीशंड अधिकारियों और 13 सैनिकों ने दुर्घटना में लगी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। इस दुख की घड़ी में भारतीय सेना शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सिक्किम में सड़क हादसे में घायल चार जवानों को एयरलिफ्ट करके पहले सिलिगुड़ी स्थित बागडोगरा में उतारा गया। इसके बाद यहां बेंगडूबी स्थित सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इन चारों जवानों का इलाज यहां चल रहा है। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि सिक्किम में एक सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के वीर जवानों के जान गंवाने के बारे में जानकर दुख हुआ। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सिक्किम में सड़क दुर्घटना में हमारे वीर जवानों को अपनी जान गंवानी पड़ी, जिससे मैं आहत हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि सिक्किम में हमारे बहादुर सेना के जवानों की -शेष पृष्ठ दो पर

आरएसएस का पहली बार क्रिसमस भोज

नागपुर। संघ परिवार (आरएसएस) अब ईसाई समुदाय को साधने में जुटा हुआ है। ऐसा पहली बार हो रहा है जब अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री जॉन बारला मेघालय हाउस में क्रिसमस भोज की मेजबानी करेंगे। आरएसएस से जुड़े राष्ट्रीय ईसाई मंच के इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर से केरल तक के चर्च प्रमुख भाग लेंगे। आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। इस भोज में राष्ट्रीय ईसाई मंच की ओर से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के चर्च प्रमुखों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर से भी चर्च प्रमुख इसमें भोज में शामिल होंगे। कश्मीर में मुस्लिम बहुल आबादी को देखते हुए आरएसएस का एक बड़ा राजनीतिक दांव भी माना जा रहा है। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर की लगभग 1.25 करोड़ की आबादी में लगभग 36 हजार ईसाई हैं। वहीं केरल की लगभग साढ़े 3 करोड़ की आबादी में -शेष पृष्ठ दो पर

चार हजार करोड़ से अधिक की बैंक ठगी सीबीआई की छापेमारी

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कोलकाता की एक निजी कंपनी के खिलाफ एक बैंक से कथित रूप से चार हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है। सूत्रों के मुताबिक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उसके निदेशकों, प्रमोटरों और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कंपनी के खिलाफ 4037.87 करोड़ की धोखाधड़ी का -शेष पृष्ठ दो पर

प्रभावित देशों से आने वालों की निगेटिव टेस्ट-रिपोर्ट अनिवार्य : मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत कोरोना वायरस से प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए एक कोविड-19 नकारात्मक परीक्षण रिपोर्ट अनिवार्य करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि अगले एक सप्ताह में उन चुनिंदा देशों की पहचान की जाएगी, जहां आज कोरोना वायरस के मामले अधिक हैं। वहां से भारत आने वाले लोगों को अपनी (कोविड-19) आरटी-पीसीआर रिपोर्ट अपलोड करनी होगी और उसके बाद ही आना होगा। मांडविया ने कहा कि यात्रियों को अपनी रिपोर्ट सरकारी वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी और उतरने के बाद थर्मल -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाञ्चल কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शक्तिशाली शत्रु को कमजोर समझकर ही उस पर आक्रमण करें।

\- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय टीकाकरण में नेजल वैक्सीन इनकोवैक

नई दिल्ली (हि.स.)। चीन सहित कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में टीकाकरण को गति देने के लिए भारत बायोटेक की नेजल वैक्सीन इनकोवैक को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल कर लिया गया है। इंट्रानेजल वैक्सीन इनकोवैक (बीबीवी154) को गुरुवार को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने आपातकालीन स्थिति में इस्तेमाल की मंजूरी दे दी थी। इसे 18 वर्ष या उसे अधिक आयु वर्ग के लोगों के लिए बूस्टर खुराक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। वैक्सीन निर्माता कंपनी भारत बायोटेक -शेष पृष्ठ दो पर

पेरिस में फायरिंग, दो की मौत, कई घायल

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई है, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है। इस घटना में कई लोगों की घायल होने की खबर है। पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। फ्रांसीसी टेलीविजन नेटवर्क बीएफएम टीवी के मुताबिक, गोलीबारी में अब तक 2 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। घायल लोगों को अस्पताल में एडमिट -शेष पृष्ठ दो पर

भारत जोड़ो यात्रा रोकना चाहती है सरकार : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को दावा किया कि नरेंद्र मोदी सरकार राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही *भारत जोड़ो यात्रा* से घबरा गई है जिसके चलते वह इसे कोई न कोई बहाना बनाकर रोकना चाहती है। उन्होंने पार्टी के प्रस्तावित *हाथ से हाथ जोड़ो* अभियान की तैयारियों के संदर्भ में बुलाई गई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की बैठक में यह टिप्पणी की। खरगे ने इस बैठक में एक बार फिर से संगठन में ऊपर -शेष पृष्ठ दो पर

टेरर फंडिंग : एनआईए ने कश्मीर के 14 स्थानों पर मारे छापे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों की आतंकवादी गतिविधियों से संबंधित मामले में शुक्रवार को कई जिलों में 14 जगहों पर छापे मारे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि ये छापे जम्मू, कुलगाम (दक्षिण कश्मीर), पुलवामा, अनंतनाग और सोपोर (उत्तर कश्मीर के बारामूला) में मारे गए। एजेंसी ने कहा कि 21 जून को जम्मू में एनआईए पुलिस थाना में स्वत: संज्ञान लेते हुए एक मामला दर्ज किया गया था और उसी के संबंध में ये छापे मारे जा रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि यह मामला अपने पाकिस्तानी कमांडरों/संचालकों के इशारे पर विभिन्न छद्म नामों से काम कर रहे कई प्रतिबंधित संगठनों और उनके सहयोगियों/शाखाओं के काडर और *ओवर ग्राउंड वर्कर्स* द्वारा रची गई आतंकवादी एवं विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की आपराधिक साजिश से संबंधित है। अधिकारी ने कहा कि वे जम्मू-कश्मीर में साइबर-क्षेत्र का इस्तेमाल कर आतंकवादी हमलों को अंजाम देने में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

चीन : एक दिन में 3 करोड़ 70 लाख लोगों के कोरोना संक्रमित होने की आशंका

बीजिंग। चीन में कोरोना वायरस ने कहर बरपा रखा है। चीन में लोग अस्पतालों में बेड के लिए तरस रहे हैं। इसी बीच चीन के शीर्ष स्वास्थ्य प्राधिकरण ने शुक्रवार एक चौंकाने वाली खबर सुनाई है। खबरों के अनुसार सरकार के शीर्ष स्वास्थ्य प्राधिकरण ने जानकारी देते हुए आशंका जताई कि इस हफ्ते एक दिन, करीब 3 करोड़ 70 लाख लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए। एक दिन में आए कोरोना के यह सबसे बड़े आंकड़े साबित हो सकते हैं। बुधवार को चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने एक आंतरिक बैठक की। इस बैठक के बाद जानकारी सामने आई कि दिसंबर महीने के शुरूआती 20 दिनों में चीन की 18 प्रतिशत आबादी यानी 24.8 करोड़ लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। बता दें कि चीन में बेकाबू हो चुके कोरोना वायरस के नए वैरिएंट से जुड़ी सच्चाइयों को अब वहां का प्रशासन भी स्वीकार कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि संक्रमण की जारी लहर का चरम बिंदु इस महीने के अंत तक आ जाएगा। इस समय संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए स्वास्थ्यकर्मी पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। यह स्थिति अगले महीने की शुरुआत तक रह -शेष पृष्ठ दो पर

81.35 करोड़ लोगों को एक साल तक मुफ्त राशन मिलेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को बैठक के बाद कई अहम फैसले किए। इसमें सैन्य बलों के लिए वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) और गरीबों के लिए फ्री राशन शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक बैठक में सैन्य बलों के लिए ओआरओपी में संशोधन कर दिया गया है। इसी के साथ सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत 81.3 करोड़ गरीबों को एक साल तक मुफ्त राशन देने का फैसला किया है। केंद्रीय सूचना एवं -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार : ईंट-भट्टा चिमनी विस्फोट में छह मरे

मोतिहारी (हि.स.)। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के नारिरगिर चौक के समीप ईट भट्टा की चिमनी में शुक्रवार देर शाम ब्लास्ट से अबतक छह लोगों के मौत की पुष्टि रमगढ़वा थाना प्रभारी ने की है। पुलिस के मुताबिक रामगढ़वा थाना क्षेत्र के नरीरगीर के समीप एक ईंट भट्टा फूंकने के दौरान हुए ब्लास्ट में छह की मौत हो गई। वहीं दर्जन भर लोगो घायल हो गए हैं। सभी शव को स्थानीय एसआरपी अस्पताल में रखा गया है, जिसमें चिमनी के मालिक मो. ईरशाद भी शामिल हैं। वहीं एसआरपी अस्पताल में एक अन्य मालिक नूरूल हक के साथ कर्मी अमरेश कुमार, मुकेश राम, आलमगीर, अब्दुल हक, अजय कुमार एवं राकेश कुमार कुमार को आईसीयू में रखा गया है, जिनमें तीन लोगों की हालत बेहद ही गंभीर हैं। इस संबंध में अस्पताल के निदेशक सह मुख्य चिकित्सक डॉ. सुजीत कुमार ने हि.स. से बातचीत में बताया कि सभी मरीजों की हालत काफी गंभीर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस साल का पहला चिमनी फूंक हुआ था, जिसके लिए भोज का आयोजन था, तभी अचानक चिमनी में जोरदार आवाज के साथ ब्लास्ट हो गया और कई लोग नीचे -शेष पृष्ठ दो पर

कोविड, ट्रिपल टी एंड वैक्सीनेशन पर दें ध्यान : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना के बढ़ते हुए केसों को देखते हुए भारत सरकार भी अलर्ट मोड पर आ गई है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कोविड-19 की स्थिति और तैयारियों पर राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मांडविया ने राज्यों को सतर्क रहने और कोविड-19 प्रबंधन के लिए सभी तैयारियां रखने की सलाह दी। साथ -शेष पृष्ठ दो पर

लोस में 97 तो रास में 102 फीसदी कामकाज

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र अपने निर्धारित समय से छह दिन पहले शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में 97 फीसदी और राज्यसभा में 102 फीसदी कामकाज हुआ है। यह लगातार आठवां सत्र है, जिसकी अवधि कम की गई है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च नामक संस्था द्वारा संकलित आंकड़ों से यह जानकारी मिली। शीतकालीन सत्र सात दिसंबर को शुरू हुआ और 29 दिसंबर तक चलना था। हालांकि, सदस्यों ने क्रिसमस और नये साल को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से कार्यवाही पहले ही स्थगित करने का आग्रह किया था। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार 2020 में हुए बजट सत्र से अब तक के सभी संसद सत्र तय समय से पहले समाप्त हो गए। वर्ष 2020 में कोविड-19 के मामले बढ़ने की वजह से बजट और मानसून सत्र की अवधि कम कर दी गयी। बजट सत्र 11 दिन पहले स्थगित कर दिया गया, वहीं मानसून सत्र तय समय से आठ दिन पहले समाप्त हो गया था। उस साल महामारी के कारण शीतकालीन सत्र आयोजित ही नहीं हुआ। पिछले साल बजट सत्र निर्धारित कार्यक्रम से 14 दिन पहले ही स्थगित कर दिया गया। विपक्ष की ओर से चीन के साथ सीमा पर तनाव के मुद्दे पर चर्चा की मांग की जा रही थी। लेकिन शीतकालीन सत्र समाप्त कर दिया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि 17वीं लोकसभा का 10वां सत्र समाप्त हो रहा है, जिसकी शुरुआत 7 दिसंबर को हुई थी। उन्होंने बताया कि इस सत्र के दौरान 13 बैठकें हुईं, जिनमें 68 घंटे 42 मिनट कामकाज हुआ। इस सत्र -शेष पृष्ठ दो पर

आईपीएल नीलामी : सैम करन सबसे महंगे खिलाड़ी

कोच्चि। इंग्लैंड के सैम करन ने शुक्रवार (23 दिसंबर) को आईपीएल नीलामी में सारे रिकॉर्ड को तोड़ दिए। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। दो करोड़ रुपए की बेस प्राइस वाले सैम करन को पंजाब किंग्स ने 18.50 करोड़ रुपए में खरीदा। पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल में डेब्यू करने वाले करन एक बार फिर से अपनी पुरानी टीम में शामिल हो गए हैं। करन 2020 और 2021 में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए भी खेले थे। करन से पहले केएल राहुल (17 करोड़ रुपए) आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी थे। उन्हें लखनऊ सुपरजाएंट्स ने पिछले साल ड्राफ्ट के जरिए अपनी टीम में शामिल किया था। वहीं, नीलामी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के क्रिस मॉरिस (16.25 करोड़ रुपए) सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी थे। सैम करन इससे पहले पंजाब किंग्स की ओर से खेल चुके हैं। वह चेन्नई सुपरकिंग्स के भी सदस्य रहे हैं। सैम करन की बात करें तो वह इंग्लैंड के लिए 35 टी20 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान करन ने 158 -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

कोरोना की वजह से राजकोषीय घाटे पर नहीं था फोकस : सीतारमण

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के दौरान तनाव से भरे वैश्विक अस्थिरता के बावजूद वित्त मंत्रालय अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य 6.4 फीसद को हासिल करने की स्थिति में है। सरकार के इस राजकोषीय प्रबंधन की तारीफ आरबीआई ने भी अपनी एक नई रिपोर्ट में की है, लेकिन अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण राजकोषीय प्रबंधन के नये रोडमैप को अंतिम रूप देने में जुटी हैं, जिसकी घोषणा आगामी बजट में की जाएगी। इसका मुख्य मकसद अगले पांच वर्षों के भीतर राजकोषीय घाटे को क्रमवार तरीके से घटाते हुए 3.5 फीसद पर लाना होगा। देश के उद्योग चैंबर व प्रमुख अर्थविद भी इसकी जरूरत वित्त मंत्री सीतारमण के साथ बजट पूर्व बैठकों में बता चुके हैं। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पानागढ़िया ने दैनिक जागरण को दिए गए एक साक्षात्कार में बताया कि बजट 2023-24 में देश को फिर से राजकोषीय संतुलन के मार्ग पर लाना वित्त मंत्री की एक अहम प्राथमिकता होनी चाहिए। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे देशी व विदेशी निवेशकों को एक बड़ा संदेश जाएगा कि भारत एक बड़ी चुनौती से सफलतापूर्वक पार पाते हुए अब अपने राजकोषीय स्थिति को भी बेहतर बनाने में सक्षम है। चालू वित्त वर्ष के दौरान जिस तरह से सरकार का राजस्व बढ़ा है, उसको देखते हुए भी यह संभव दिखता है। पानागढ़िया ने अपनी तरफ से ऐसा कोई सुझाव नहीं दिया कि कितने वर्ष में सरकार को राजकोषीय घाटे को एक निर्धारित सीमा के अंदर लाने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि उनका कहना है कि इस बारे में अंतिम फैसला वित्त मंत्री व उनकी टीम को ही करनी चाहिए। दूसरी तरफ, सीआईआई ने सरकार को जो बजट पूर्व सुझाव पत्र दिया है, उसमें आग्रह किया है कि मौजूदा वित्त वित्त वर्ष में 6.4 फीसद के राजकोषीय घाटे को वर्ष 2025-26 तक घटा कर 4.5 फीसद पर लाने का रोडमैप लाया जाना चाहिए, जबकि वित्त मंत्री के साथ बजट पूर्व बैठक में कुछ अर्थविदों ने राजकोषीय घाटे को पांच वर्षों के दौरान धीरे धीरे घटाते हुए 3.5 फीसद पर लाने का सुझाव दिया था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में

तौर पर राजकोषीय घाटा 29 फीसद है। पिछले नौ वर्षों में राजकोषीय घाटे को काबू में करने के मामले में यह राज्यों का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। आरबीआई की तरफ से जारी नई रिपोर्ट में केंद्र व राज्य के राजकोषीय घाटे की स्थिति को संतोषजनक बताया गया है। जिस तरह से कोरोना महामारी और यूक्रेन-रूस युद्ध के असर के बावजूद घाटे को बढ़ने नहीं दिया गया है उसकी तारीफ की है। आरबीआई ने कहा है कि केंद्र सरकार को राजकोषीय संतुलन की प्रक्रिया को जारी रखनी चाहिए। भारत सरकार का राजकोषीय घाटा साल के लिए निर्धारित लक्ष्य का 37.3 फीसद रहा है। जबकि राज्यों का संयुक्त

पश्चिम बंगाल में टीचरों की जाएगी नौकरी हाईकोर्ट का ममता सरकार को आदेश

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में भर्ती में अनियमितताओं के लिए 53 प्राथमिक शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया। वे उन 269 लोगों में शामिल हैं जिनकी सेवा अदालत ने पहले के एक आदेश में समाप्त कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि इन 269 व्यक्तियों को उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई का अवसर दिया जाए। इस आदेश के अनुसार, 54 प्राथमिक शिक्षकों ने न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की अदालत का रुख किया और हलफनामा प्रस्तुत किया था। जस्टिस गंगोपाध्याय ने उनकी सेवा समाप्त करने का आदेश दिया था। उनकी दलीलों पर गौर करने के बाद जस्टिस गंगोपाध्याय ने शुक्रवार को इनमें से 53 प्राथमिक शिक्षकों को बर्खास्त करने का आदेश दिया। वर्ष 2014 में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने के

बावजूद नौकरी से वंचित किए जाने का दावा करने वाले उम्मीदवारों की याचिका पर पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शिक्षकों की नियुक्तियों में गंभीर अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का आदेश दिया था। उन्होंने 269 प्राथमिक शिक्षकों की नौकरी समाप्त करने का भी आदेश दिया था जिन्हें टीईटी के परिणामों में अंकों और रैंक में हेरफेर के जरिए नौकरी मिली थी।

40 लाख की अवैध शराब जब्त, चार गिरफ्तार

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला मुख्यालय तेजपुर में भारी मात्रा में अरुणाचल प्रदेश में निर्मित अंग्रेजी शराब को आबकारी विभाग ने जब्त किया है। शराब को ब्लॉक ईंट के बीच में छुपाकर अरुणाचल प्रदेश से मणिपुर भेजा जा रहा था। शोणितपुर आबकारी विभाग की टीम ने शुक्रवार की तड़के छापेमारी कर राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर मिशन चाराली इलाके में अंग्रेजी शराब की अवैध तस्करी कर रहे दोनों ट्रकों को जब्त कर लिया। छापेमारी दल ने लगभग एक हजार कार्टून अंग्रेजी शराब जब्त की और दो ट्रकों (एएस-01डीडी-4152 और एएस-1ईसी-4067) को जब्त करते हुए दो चालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान इम्फाल के असौबा सिंह, गोपाल छेत्री, बसंत सिंह और आनंद सिंह के रूप में हुई है। शोणितपुर आबकारी अधीक्षक बोरिस बरकाकाती ने मीडिया को बताया कि अरुणाचल प्रदेश से मणिपुर में तस्करी के जरिए भेजी जा रही शराब की असम में कीमत 35 से 40 लाख रुपए होगी। आबकारी विभाग ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

लायंस उमंग ने बांटे कंबल

गुवाहाटी। दिसंबर महीने की ठिठुरथी ठंड को देखते हुए आर्थिक रूप से कमजोर परिवार एवं सड़क किनारे अपना जीवन यापन करने वाले लोगों के बीच मानव सेवा का हाथ बढ़ाते हुए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से कंबलो का वितरण किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आयुषी गर्ग सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत पांच अलग-अलग स्थानों पर 1500 से अधिक परिवारों के बीच कंबलो का वितरण किया गया। पहला कार्यक्रम होटल विश्वरत्न के सामने, दूसरा कार्यक्रम नारंगी के रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल, तीसरा चंद्रपुर एमपी स्कूल, चौथा फूल बागान स्थित नाम घर के सामने तथा पांचवा पानीखेती के राजाबाड़ी पिकनिक स्थल के पास क्लब की ओर से कुल 1551 लोगों को कंबल का वितरण किया गया। अलग-अलग स्थानों पर इस कार्य को संपादित करने में संयोजक बिमला कोचर व मेघना नाहटा का सहयोग रहा। इस मौके पर लायंस जिलापाल (द्वितीय) सीमा गोयनका, जॉन चेयरपर्सन रितु बंका, अध्यक्ष सीमा सोनी, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, स्वाति चौधरी, सविता गोयल, परमिंदर कौर के अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में लायंस गौहाटी के सचिव अजय पोद्दार, सुजीत बुखेरिया, ललिता देवी सोनी आदि मौजूद थे। कंबल वितरण कार्य को सफल बनाने में लायंस उमंग की सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

जिरिबाम-इंफाल नई रेल लाइन परियोजना का कार्य निरंतर अग्रसर, 91.78 प्रतिशत प्रगति हासिल

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय रेल कई नई रेल लाइन परियोजनाओं को निष्पादित कर पूर्वोत्तर राज्यों के परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। जिरिबाम-इम्फाल नई रेल लाइन परियोजना पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है, जो पूर्ण होने के प्रगति स्तर पर है। अन्य कनेक्टिविटी परियोजनाओं के अलावा, मणिपुर की राजधानी इम्फाल को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए इस नई रेल लाइन परियोजना के लिए भी काम जोरों पर चल रहा है। जिरिबाम-इम्फाल परियोजना ने पहले ही 91.78त्न की वास्तविक प्रगति हासिल कर ली है। जिरिबाम-इम्फाल रेल परियोजना के निर्माण में कठिन इलाकों में कई सुरंगें एवं पुल शामिल हैं और जो 110 कि.मी. से अधिक दूरी तक फैला है। 52 सुरंगों में से 48 का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। इस परियोजना में कुल 11 प्रमुख पुल होंगे, 7 पुलों की उपसंरचना और 5 पुलों की अधिसंरचना पूरी हो चुकी है। 129 छोटे पुलों में से 110 का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। इस परियोजना में 141 मीटर की ऊंचाई वाले खंभे पर रेलवे पुल भी बनाया जा रहा है, जो दुनिया में सबसे ऊंचा है और यह पूरा होने

वाला है। परियोजना का मार्ग 11 रेलवे स्टेशनों को कवर करेगा, जिनमें से छह पूरे हो चुके हैं। पूरी परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 14,322 करोड़ रुपए है। जिरिबाम से खोंगसांग तक के खंड को पहले ही चालू कर दिया गया है और पूरी परियोजना को दिसंबर, 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। परियोजना पूर्ण होने के बाद, इम्फाल पहुंचने के लिए वर्तमान में सड़क द्वारा 10 घंटे की यात्रा रेलवे द्वारा करीब 2.5 घंटे में पूरी की जायेगी। यह परियोजना मणिपुर के लोगों को बढ़ी हुई कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, क्षेत्र में लघु उद्योगों को विकसित करने और राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगी। यह राज्य द्वारा आवश्यक वस्तुओं को तेजी से प्राप्त करने में भी मदद करेगा और राज्य के स्थानीय उत्पादकों को राज्य के बाहर अपने उत्पादों को तेजी से निर्यात करने में सहयोग करेगा।

पृष्ठ एक का शेष

सड़क हादसे में ...

जान लेने वाले दुखद सड़क हादसे के बारे में जानकर दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों को हर संभव सहायता प्रदान की गई है, वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से उन्हें गहरा दुख है। उन्होंने कहा कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सेना ने कहा कि जिन सैनिकों की जान गई है, उसमें तीन जूनियर कमीशंड अधिकारी भी शामिल थे। चार घायल सैनिकों को हवाई मार्ग से निकाला गया है। वहीं सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने भी गहरा दुख व्यक्त किया। तमांग ने ट्वीट किया कि जेमा में हुई दुर्घटना में हमारे 16 बहादुर जवानों की जान चली गई। दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायल हुए चार जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी जवानों की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने ट्वीट किया कि उत्तरी सिक्किम में हुई सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के 16 बहादुर जवानों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दे। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

आरएसएस का पहली ...

लगभग 18 फीसदी ईसाई वोटर हैं। इस राज्य में भाजपा अपनी पैठ बड़ाने के प्रयास में है। पूर्वोत्तर के मेघालय, नगालैंड और मिजोरम में 70 फीसदी ईसाई आबादी है। इन राज्यों में भाजपा अपने बूते सरकार बनाने के प्रयास में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में पूर्वोत्तर की सभाओं में ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस की प्रस्तावित भारत यात्रा का विशेष तौर पर उल्लेख अपने भाषण में किया था। वहीं ईसाई समुदाय का भी मानना है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दूरी ठीक नहीं है। 2024 में फिर से सत्ता पर काबिज होने के लिए भाजपा ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए पार्टी 2019 में हारी 144 लोकसभा सीटों पर रैलियां करने की योजना बना रही है। इन लोकसभा सीटों में से 40 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 40 बड़ी रैलियां करेंगे। बची हुई सीटों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत बड़े नेता सभाएं करेंगे।

चार हजार करोड़ ...

आरोप लगाया गया है। इसी मामले में सीबीआई शुक्रवार को देशभर में 16 जगहों पर छापेमारी की है। इसमें मुंबई, नागपुर, कोलकाता, रांची, दुर्गापुर, विशाखापत्तनम और गाजियाबाद में तलाशी अभियान चलाए जाने की सूचना है। आरोप है कि 2009 से 2013 के बीच संबंधित कंपनी ने फर्जी प्रोजेक्ट की जानकारी देकर बैंक से भारी कर्ज लिया। पैसा विभिन्न फर्जी कंपनियों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया है। छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं।

प्रभावित देशों से आने ...

स्क्रीनिंग से गुजरना होगा। बता दें, चीन में कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ रहे हैं। वह पर हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। यही हाल जापान का भी है। वहां भी कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिला है और एक दिन में 2 लाख से ज्यादा केस आए हैं। मंडाविया ने गुरुवार को संसद को बताया कि भारत, जिसने दुनिया में अब तक दूसरे सबसे अधिक पुष्टि किए गए कोविड मामलों की रिपोर्ट की है, अपने हवाई अड्डों पर पहुंचने वाले 2 फीसदी अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों का परीक्षण शुरू करेगा। इस हफ्ते की शुरुआत में, चीन और दुनिया के अन्य हिस्सों में कोविड-19 मामलों में वृद्धि का हवाला देते हुए भारत सरकार ने भारतीय राज्यों को वायरस के किसी भी नए संस्करण की तलाश करने के लिए कहा और लोगों से भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनने का आग्रह किया।

टेरर फंडिंग : एनआईए...

थे। वे अल्पसंख्यकों, सुरक्षाकर्मियों को निशाना बना रहे हैं और जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिक वैमनस्व फैला रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि कई छापों के दौरान छापे वाली जगहों से डिजिटल उपकरण, सिम कार्ड और डिजिटल स्टोरेज उपकरण आदि आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई हैं। एनआईए ने कहा कि मामले में आगे जांच जारी है।

चीन : एक दिन में 3...

सकती है। लेकिन कोविड से लोगों के मरने की बात चीन अभी भी स्वीकार नहीं कर रहा है। सरकार का दावा है कि शुक्रवार को भी कोविड से किसी की मौत नहीं हुई है। चीन में जीरो कोविड नीति में ढील दिए जाने के बाद कोरोना संक्रमितों की संख्या एकदम से बढ़ी है। इसके कारण ज्यादातर बाजार बंद हैं जबकि कारखानों में काम बंद है या फिर उनमें उत्पादन कम हो गया है, अन्य आर्थिक गतिविधियां भी थमी हुई हैं। वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था के बाधित होने की आशंका पैदा हो गई है। इससे चीन में मंदी का खतरा पैदा हो गया है। बीते 50 साल में उसकी विकास दर सबसे कम रहने के संकेत हैं। विशेषज्ञों की आशंका के अनुरूप कोरोना संक्रमण की लहरें अगर अप्रैल तक जारी रहीं तो वैश्विक मंदी का खतरा पैदा हो जाएगा। क्योंकि दुनिया की खपत का बहुत सारा सामान चीन बनाता है। चीन में संक्रामक रोगों के राष्ट्रीय केंद्र के निदेशक झांग वेनहोंग ने शंघाई शहर के डेजी अस्पताल के आकलन के अनुसार संक्रमण का चरम इस महीने के अंत तक पहुंचने के आसार जताए हैं। कहा है कि जनवरी 2023 के प्रारंभ के साथ ही चीन में कोविड पीड़ितों की संख्या कम होने लगेगी। इसके बाद फिर दूसरी लहर आएगी जिसका असर करीब दो महीने रहेगा। उन्होंने बताया कि शंघाई के अस्पतालों के दौरे में उन्होंने पाया कि भर्ती मरीजों में गंभीर स्थिति वाले कम हैं। जबकि ब्रिटेन की स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली संस्था एयरफिनिटी ने कहा है कि चीन में इस समय प्रतिदिन दस लाख से ज्यादा संक्रमित मिल रहे हैं और रोज मरने वालों की संख्या पांच हजार से ज्यादा है।

81.35 करोड़ लोगों ...

प्रसारण मंत्री ने बताया कि 1.7.2014 के बाद हुए सेवानिवृत्त हुए सुरक्षा कर्मियों को मिलाकर ओआरओपी के लाभार्थियों की संख्या 25,13,002 पर पहुंच गई है। 1.4.2014 से पहले यह संख्या 20,60,220 थी। इससे सरकार पर अतिरिक्त भार 8,450 करोड़ रुपए का पड़ेगा। जिन रक्षा कार्मिकों ने 1.7.2014 के बाद अपनी इच्छा से सेवानिवृत्त लिया है उन्हें यह लाभ नहीं मिलेगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 81.3 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज का वितरण एक साल तक करने का फैसला किया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत गरीबों को मुफ्त राशन देने पर करीब दो लाख करोड़ रुपए की लागत आएगी, इसका बोझ केंद्र सरकार उठाएगी। केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री गोयल ने बताया कि सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट के तहत चावल तीन रुपए प्रति किलो, गेंहू दो रुपए प्रति किलो और मोटा अनाज एक रुपए प्रति किलो की दर से देती है। सरकार ने फैसला लिया है कि दिसंबर 2023 तक यह पूरी तरह से मुफ्त में मिलेगा। इससे 81.35 करोड़ लोगों को फायदा होगा। वन रैंक-वन पेंशन (ओआरएपी) का सामान्य अर्थ सशस्त्र बलों के कर्मियों को समान रैंक और समान अवधि की सेवा के लिए समान पेंशन का भुगतान है। इसमें सेवानिवृत्ति की तिथि का कोई मतलब नहीं होता। इसका मतलब यह है कि अगर किसी अधिकारी ने 1985 से 2000 तक 15 साल तक सशस्त्र बलों में सेवा दी और एक अन्य 1995 से 2010 तक सेवा में रहे, तो दोनों अधिकारयों को समान ही पेंशन मिलेगी।

बिहार : ईंट भट्ठा चिमनी...

दब गए। जिसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। एक घायल व्यक्ति ने बताया कि अचानक हुए धमाका से माहौल गमगीन हो गया, वहां 50-60 लोग काम कर रहे थे। फिल्हाल पुलिस की टीम घटनास्थल पर कैंप किए हुए है और घायलों को निकालने में जुटी हुई है। नरीरगिर में हुए चिमनी में ब्लास्ट से स्थानीय लोगों में काफी दहशत हो गया है। घटना के समय 50-60 लोगों के होने की बात बताई जा रही है। घटना इतना बड़ा है कि चिमनी का पूरा ऊपरी हिस्सा धवस्त हो चुका है। मृतकों की स्थिति ऐसी है, जिन्हें पहचानना मुश्किल हो गया है। एक शव चिमनी के मालिक मो. ईरशाद का है, जबकि उनका एक पार्टनर बुरी तरह घायल है। घायलों का भी स्थिति बद से बदतर है, जिनकी स्थिति काफी चिंताजनक है। रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। घटना स्थल की ओर डीएम रवाना हो चुके है। घटना स्थल पर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में रेस्क्यू कार्य जारी हैं। चिमनी में लगी आग को बुझाने के लिए दमकल से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसमें एक और मजदूर का शव निकाला गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार भठ्ठा में आग लगाने के लिए स्थानीय लोगों को भी आमंत्रित किया गया था। साथ ही भठ्ठे पर कार्य करने वाले लोग भी मौके पर उपस्थित थे। अभी मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। रेस्क्यूका कार्य देर रात तक चलने की संभावना है।

कोविड, ट्रिपल टी...

ही कहा कि कोरोना को हराने के लिए केंद्र और राज्यों को सहयोगात्मक भावना से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सभी राज्य निगरानी प्रणाली मजबूत करें। कोविड के टेस्ट तेजी से करें और अस्पताल के बुनियादी ढांचे की तैयारी सुनिश्चित करें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने विशेष रूप से त्योहारों के आगामी सीजन को देखते हुए कोविड-19 के नए और उभरते रूप के खिलाफ तैयार और सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि कोविड अभी समाप्त नहीं हुआ है। इसे देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को पूरी तरह से तैयार रहने और निगरानी को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने लोगों से कोविड उपयुक्त व्यवहार का अनुपालन करने और कोविड के टीके लगवाने का अनुरोध किया। चीन में कोविड संक्रमणों के व्यापक उछाल के पीछे ओमिक्रॉन वेरिएंट का एक नया और अत्यधिक संक्रमणीय रुप बीएफ.7 पाया गया है। कोविड-19 की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ऐहतियाती उपाय करने को कहा है।

लोस में 97 तो ...

की कार्य उत्पादकता 97 फीसदी रही। उन्होंने बताया कि सत्र के नव निर्वाचित सदस्य के रूप में समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव ने शपथ ली। वहीं, राज्यसभा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि इस दौरान 63 घंटे, 20 मिनट का कामकाज निर्धारित था, जबकि 64 घंटे 50 मिनट अर्थात करीब 102 फीसदी कामकाज हुआ। धनखड़ ने सत्र के दौरान बतौर सभापति पहली बार सदन की कार्यवाही का संचालन किया। अपने पहले संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय न्यायिक जवाबदेही आयोग संबंधी अधिनियम (एनजेएसी) और कानून बनाने में संसद की संप्रभुता को लेकर टिप्पणी की थी। इससे पहले गुरुवार को धनखड़ ने राज्यसभा में यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के एक बयान को लेकर वक्तव्य दिया था। जिसका नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस सदस्य प्रमोद तिवारी ने शुक्रवार को विरोध करते हुए उसे सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग की। हालांकि, सभापति धनखड़ ने कहा कि उनका वक्तव्य आसन की निष्पक्षता से जुड़ा था। इस शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में 2022-23 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों को भी मंजूरी दी गई। सत्र के दौरान वन्य जीव (संरक्षण) संशोधन विधेयक, उर्जा संरक्षण (संशोधन विधेयक), नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय माध्यस्थम (संशोधन) विधेयक, समुद्री जलदस्युता रोधी विधेयक व विभिन्न राज्यों की कुछ जातियों को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल करने के लिए विधेयकों को पारित किया गया।

आईपीएल नीलामी : सैम ...

रन बनाए हैं। उनका औसत 12.15 और स्ट्राइक रेट 130.58 रहा है। स्टोक्स ने 41 विकेट अपने नाम किए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे। इसके अलावा वह फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी बने थे। आईपीएल में सैम करन 32 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 22.47 की औसत से 337 रन बनाए हैं। करन का औसत 22.47 और स्ट्राइक रेट 149.78 रहा है। वह गेंदबाजी में भी कमाल दिखा चुके हैं। करन ने आईपीएल में 32 विकेट लिए हैं। 11 रन पर चार विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

राष्ट्रीय टीकाकरण ...

के मुताबिक इनोवैक दुनिया की पहला इंट्रानेजल वैक्सीन है, जिसे प्राइमरी सीरीज और हेटेरोलॉगस बूस्टर दोनों तरह की मंजूरी मिली है। भारत बायोटेक ने वैक्सीन इनकोवैक को वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर बनाया है। यह सबसे पहले प्राइवेट अस्पतालों में उपलब्ध होगा। इसे सूई की जगह नाक से ड्रॉपर से दिया जाएगा यानि सुई की चुभन से डरने की जरूरत नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि इसे आज से यानि शुक्रवार से कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। जिन लोगों ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन ली है वे इसे एहतिहाती (बूस्टर) डोज के रूप में ले सकेंगे। शुक्रवार से यह कोविन एप पर भी आ जाएगा।

पेरिस में फायरिंग...

करवा दिया गया है, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। इस मामले में एक बंदूकधारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना के एक चश्मदीद शख्स ने बताया कि सात या आठ गोलियां चलाई गईं, जिससे सड़क पर तबाही मच गई थी और लोग इधर-उधर भागने लगे और अफरा तफरी मच गई थी। पुलिस को अभी यह नही पता चल पाया है कि उसने गोली क्यों चलाई है, लिहाजा पुलिस ने अपनी पूछताछ से लेकर जांच तेज कर दी है। हमलावर अकेला था या उसके साथ कोई और भी था, फिलहाल इस बात की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है।

भारत जोड़ो यात्रा ...

से लेकर नीचे तक जवाबदेही सुनिश्चित करने की बात दोहराई और यह भी कहा कि नियुक्तियों में नेताओं के प्रदर्शन को पैमाना माना जाना चाहिए और यह देखना चाहिए कि इससे पार्टी को फायदा होता हो। उन्होंने *भारत जोड़ो* यात्रा का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि राहुल जी इतिहास रचने जा रहे हैं। कल भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली पहुंचेगी। जनता से इस यात्रा को अपार समर्थन मिल रहा है। इस कारण मोदी सरकार बुरी तरह घबराने लगी है और किसी बहाने से वह यात्रा में रुकावट पैदा करना चाहती है। खरगे ने नेताओं से कहा कि राहुल जी की इस मेहनत ने लोगों में जागरुकता पैदा की है। हमें उसे अगले मुकाम पर ले कर जाना है। हमें जनता से संवाद जारी रखना है। उन्हें निरन्तर अपने साथ जोड़े रखना है। हाथ से जोड़ो हाथ अभियान उसी का हिस्सा है। कांग्रेस ने फैसला किया है कि आगामी 26 जनवरी से देश भर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत ब्लॉक, पंचायत और बूथ के स्तर पर लोगों से संपर्क साधा जाएगा। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गत चार दिसंबर को पार्टी की संचालन समिति की बैठक में बताया था कि दो महीने तक चलने वाले हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में राहुल गांधी का पत्र भी लोगों को सौंपा जाएगा, जिसमें भारत जोड़ो यात्रा का संदेश होगा तथा उसके साथ नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ आरोप पत्र भी संलग्न होगा। उन्होंने कहा था कि पार्टी की ओर से महिला मार्च भी निकाला जाएगा, जिसकी अगुवाई प्रियंका गांधी वाद्रा करेंगी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

मद्य न विषय समान है, मुनि मन छोभत ज्ञान।
गति पामर जिव कौन है, मायावश अज्ञान॥ 21॥

शब्दार्थ : (मद्य) नशीली वस्तु (छोभत) चंचल, दु:ख (पामर) अधम, नीच।

भाष्य : इंद्रियों के विषय नशे के समान है, जिसके द्वारा आत्मा अपने ज्ञान को भूल जाती है, इसी कारण स्थिर बुद्धि वाले मुनिजनों का भी ज्ञान चंचल हो जाता है और वे विषय-वेग से दु:खी हो जाते हैं। अज्ञान के कारण माया विषय के वशीभूत हो कर यह जीव नीच गति को प्राप्त हो जाता है। अत:, आवागमन दु:ख को प्राप्त होने वाला जीव हैं।

जहा भोग तह पतन है, जहँ विराग उत्थान।
धीर विवेक विचार से, भय अधीन गुरु ज्ञान॥ 22॥

शब्दार्थ : (भोग) इंद्रिय-सुख (पतन) गिरना (विराग) वैराग्य, विषयों से अनिच्छा (उत्थान) उन्नति (धीर) मेधावी, सन्त (विवेक) सद्ज्ञान।

भाष्य : जहां इंद्रिय-सुखों की प्राप्ति की इच्छा है और विषयों का उपभोग है, वहां पतन और जहां पर विषयों से वैराग्य है वहां जीवन का उत्थान है इसलिए मेधावी संत विवेकयुक्त सद्गुरु-शरणागत हो कर अध्यात्म ज्ञान को प्राप्त करते हैं।

कामरूप (एम) में विशेष सड़क-सुरक्षा बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा द्वारा सभी क्षेत्रों के लोगों से आगामी वर्ष 31 दिसंबर और नए साल को बिना सड़क दुर्घटना के मनाने की अपील के मद्देनजर शुक्रवार को कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त पल्लब गोपाल झा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य-सचिव हेमंत देउरी भराली, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ध्रुबज्योति हजारिका, पुलिस उपायुक्त (यातायात) हिरण्य बर्मन, सहायक परिवहन आयुक्त और अतिरिक्त उपायुक्त, कामरूप (मेट्रो) जिला परिवहन अधिकारी गौतम दास, परिवहन अधिकारी (प्रमोटर) हिमांशु कुमार दास, परिवहन अधिकारी (प्रमोटर) हिमांशु कुमार दास, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रमोटर) उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में सहायक परिवहन आयुक्त गौतम दास ने जिला में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा द्वारा सभी क्षेत्रों के लोगों से आगामी नए साल को पूरी तरह से दुर्घटना मुक्त तरीके से मनाने के आह्वान को लागू करने के लिए अपना ईमानदार और जिम्मेदार समर्थन दें। उपायुक्त पल्लब गोपाल झा ने बताया कि अब से हर पार्टी को पिकनिक मनाने के बाद पिकनिक स्पॉट की सफाई करना अनिवार्य होगा। अप्रवासी पक्षियों के आवास वाले दीपर बील जैसे अन्य जंगली जानवरों के निवास स्थान के पास पिकनिक पर जोर से संगीत नहीं बजा सकते हैं। विशिष्ट कार्यक्रमों और दिशा-निर्देशों का पालन करके ही पिकनिक का आनंद लिया जा सकता है। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहन चालकों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। दूसरी ओर, सिटी बस में ई-टिकट प्रणाली शुरू करने के बाद, इस बार उपायुक्त ने सिटी बस स्टेशनों को निर्दिष्ट करने पर ध्यान केंद्रित किया है। उपायुक्त ने क्षेत्राधिकारियों को बोंदा, वशिष्ठ, अजारा आदि महत्वपूर्ण स्थानों पर बसों की पार्किंग की जगह को सरल बनाने के लिए कदम उठाने के भी निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ध्रुबज्योति हजारिका ने जिला परिवहन विभाग, पुलिस और आबकारी विभाग को शराब पीकर वाहन चलाने वालों और यातायात से संबंधित अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान तेज करने का निर्देश दिया। पुलिस उपायुक्त (यातायात) हिरण्य बर्मन ने संबंधित अधिकारियों से जिला में दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान करने और उन स्थानों में कमजोरियों को दूर करने और अधिक एहतियाती उपाय करने का आह्वान किया।

दो महिला समेत सात अपहर्ता गिरफ्तार

बिश्वनाथ (हि.स.)। बिश्वनाथ जिला के गहपुर पुलिस ने सात अपहर्ताओं के दल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गत 18 दिसंबर को गहपुर के मिलन नगर से रात के समय मंजू बसुमतारी नामक एक महिला का 7 सदस्यीय अपराधियों के दल ने अपहरण कर एक बोलेरो वाहन और बाइक से फरार हो गये। इस संबंध में दर्ज करायी की प्राथमिकी के आधार पर गोहपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने इस अपहरण कांड में शामिल दो महिलाओं सहित सात सदस्यीय गिरोह के सदस्यों को उदालगुड़ी से बीती रात गिरफ्तार कर लिया। अपहर्ताओं की पहचान अपहृत महिला मंजू की बड़ी बेटी का प्रेमी रोहित बसुमतारी, जिंगसा बसुमतारी, बिमल वारी, जेम्स बसुमतारी, सरसांगगा बसुमतारी, प्रकाश नार्जारी, दो महिलाओं में रोरिप वारी और जोनाली बसुमतारी के रूप में की गई है। फिलहाल पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। इनमें से रोहित बासुमतारी अभी भी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

तेजपुर वायु सेना परिसर के तीन किमी के दायरे में ड्रोन उड़ाने पर रोक

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा शुक्रवार को जारी एक आदेश के अनुसार तेजपुर स्थित हवाई अड्डा के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और शोणितपुर जिला पुलिस अधीक्षक से प्राप्त एक रिपोर्ट के आधार पर तेजपुर वायु सेना हवाई अड्डा और ड्रोन नियम, 2021 की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेजपुर वायु सेना हवाई अड्डा की परिधि से 3 किमी के दायरे के भीतर के क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। यदि इस क्षेत्र में कोई भी ड्रोन बिना अनुमति के उड़ता हुआ पाया जाता है, तो ड्रोन को गृह मंत्रालय और ड्रोन नियम, भारत सरकार, 2021 के अनुसार नष्ट या जब्त कर लिया जाएगा। वायु सेना स्टेशन की परिधि से लगभग 3 किमी के दायरे के क्षेत्र को नो ड्रोन जोन घोषित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक लागू रहेगा। वहीं अन्य एक आदेश के अनुसार शोणितपुर जिला के चारीदुआर राजस्व चक्र अंतर्गत नामेरी संरक्षित वन एवं बालीपाड़ा संरक्षित वन के आस-पास के क्षेत्रों में वनभोज करने वालों के द्वारा शराब का सेवन एवं प्लास्टिक का उपयोग कर उसके कचरे को क्षेत्र में फेंके जाने से जैव-प्राकृतिक पर्यावरण के साथ-साथ प्राकृतिक जल निकायों के नष्ट होने के मद्देनजर धारा 144 जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है, जो अगले आदेश तक लागू रहेगा। आदेश के अनुसार वनभोज इलाके या नदी घाटों के किनारे तेज आवाज में लाउडस्पीकर एवं डीजे बजाने, मशीनों का प्रयोग, नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री तथा सेवन, आसपास के क्षेत्र में कचरा फेंकने, खुले क्षेत्र में शौच करने और मद्यपान कर गाड़ी चलाने पर कठोर तरीके से रोक लगाई गई है।

ब्राउन शुगर समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी की क्राइम ब्रांच पुलिस टीम और पलटन बजार पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर ब्राउन शुगर समेत एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात चलाए गए अभियान के दौरान ब्राउन शुगर समेत कमरुज्जमान (54) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित बिहार के कटिहार जिला का रहने वाला है। आरोपित के पास से 96 प्लास्टिक के छोटे-छोटे प्लास्टिक के कंटेनर में भरकर रखे गए ब्राउन सूगर, नगद दस हजार रुपए और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। आरोपित की गिरफ्तारी के बाद उसके घर में चलाए गए अभियान के दौरान उसके घर से नगद 14500 रुपए जब्त किए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ चलाया जाएगा अभियान, टास्क फोर्स का गठन

रंगिया (निसं)। कामरूप जिला प्रशासन ने आगामी नववर्ष और त्योहारी सीजन के दौरान नशे में धुत चालकों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहले से ही सक्रिय कदम उठाए हैं। इसलिए ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए आज से टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जिले के प्रत्येक राजस्व सर्कल अधिकारी के नेतृत्व में टास्क फोर्स में जिला परिवहन विभाग के एमवीआई, संबंधित पुलिस स्टेशनों के प्रभारी अधिकारी और आबकारी विभाग के अधिकारी शामिल हैं। बताया गया है कि ये बल जिला के विभिन्न स्थानों में ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाएंगे। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जिले में वनभोजन स्थली की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा कई उपाय भी किए गए हैं। तदनुसार, बनभोज स्थली के संबंधित सर्कल अधिकारी, स्थानीय बनभोज स्थली की प्रबंधन समितियां, ग्राम प्रधान, ग्राम रक्षक वाहिनी, स्थानीय पुलिस स्टेशनों के पुलिस अधिकारी मिलकर शराब पीकर बनभोज के वाहन को चलाने से रोकने के लिए उचित कदम उठाएंगे। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जिला मे चांदडूबी, उकियाम और हाहिम सहित जिले में लगभग 15 पर्यटन स्थलों की पहचान की गई है। इन बनभोज स्थली में ऐसे ड्राइवरों को रोकने के लिए टास्क फोर्स उचित उपाय करेगी। साथ ही तेज गति व अव्यवस्थित तरीके से वाहन चलाने, बिना हेलमेट पहने दुपहिया वाहन चलाने व पिछली सीट पर सवार लोगों इत्यादि की दिशा में भी उचित कार्रवाई की जाएगी।

पुल की रेलिंग से टकराई कार, क्षतिग्रस्त

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के कोलियाभोमरा पुल पर तेज रफ्तार कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने का मामला शुक्रवार की सुबह सामने आया है। पुलिस ने बताया कि कोलियाभोमोरा के नए पुल पर तेज रफ्तार हुंडई वरना कार (एएस-12टी-9567) अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से जा टकराई। कार में डॉक्टर अल्बर्ट बरजाई नामक व्यक्ति और उनका परिवार था। कार में सवार सभी लोगों घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना के समय कार में सवार सभी लोग तेजपुर से दुलियाजान की ओर आ रहे थे। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि घने कोहरे की वजह से यह हादसा हुआ होगा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

तीन दिवसीय वि टी-10 टूर्नामेंट का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। विप्र युवा असम एवं फ्रेंड्स ऑफ प्रात: खबर के तत्वावधान में आज से तीन दिवसीय वि टी-10 टूर्नामेंट का आगाज हुआ। आज पहले दिन लताशील खेल मैदान का नजारा दर्शकों की खचाखच भीड़ देखते ही बन रही थी। टूर्नामेंट का शुभारंभ विप्र युवा असम के अध्यक्ष सीए अशोक शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गुवाहाटी मेयर मृगेन शरणीया उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक सीए अनूप शर्मा ने शरणीया को फु गामोछा से सम्मानित किया और भगवान परशुराम की तस्वीर भेंट की। साथ ही उद्घाटन समारोह में गुवाहाटी के पार्षद प्रमोद स्वामी, पूर्व पार्षद राजकुमार तिवाड़ी, वरिष्ठ पत्रकार चंद्र प्रकाश शर्मा, जेसीआई कामरूप ईलाइट के अध्यक्ष विजित प्रकाश, समाजसेवी आलोक संथोलिया एवं मारवाड़ी युवा मंच के अमित जैन को भी फु गामोछा से सम्मानित किया गया। आज के टूर्नामेंट में सर्वप्रथम विप्र लायंस और चाय पीयो लीजेंड्स के बीच हुआ, जिसमें विप्र लायंस ने 42 रनों से जीत हासिल की। वहीं पराशर वॉरियर्स बनाम काके दे शेर के बीच हुए एकतरफा मैच में काके दे शेर ने 7 विकटों से जीत हासिल की। दूसरी तरफ ग्लोबल ग्लेडिएटर्स बनाम एमबी वॉरियर्स के बीच हुए मैच में ग्लोबल ग्लेडिएटर्स ने अपनी शानदार पारी खेलते हुए 42 रनों से जीत हासिल की। आज का अंतिम मैच विप्र लायंस बनाम पराशर वॉरियर्स के बीच मैच खेला गया, जिसमें विप्र लायंस ने छह रनों से जीत हासिल की। मालूम हो कि आज होने वाला अंतिम मैच रोशनी कम होने के चलते टाल दिया गया, जो कल खेला जाएगा। इसी क ी में कल के मैच क्रमश: इस प्रकार हैं-एमबी वॉरियर्स बनाम काके दे शेर, पराशर वॉरियर्स बनाम ग्लोबल ग्लेडिएटर्स, विप्र लायंस बनाम एमबी वॉरियर्स, पराशर वॉरियर्स बनाम चाय पीयो लीजेंड्स एवं ग्लोबल ग्लेडिएटर्स बनाम काके दे शेर के बीच होंगे। गौरतलब हो कि आज के सभी मैचों में क्रिक हीरोज एप के मुताबिक बल्बेबाजी में सर्वप्रथम हृदय अग्रवाल ने अपनी जगह बना ही हैं, जबकि गेंदबाजी में सर्वप्रथम राहुल वैद्य, फील्डिंग में भी पहला स्थान हृदय अग्रवाल ने हासिल किया। इसी के साथ आजकल के टूर्नामेंट में मोस्ट वैल्यूवल प्लेयर का खिताब भी हृदय अग्रवाल ने 15.07 के साथ हासिल किया। दूसरी तरफ प्वाइंट्स टेबल में काके दे शेर ने 9.324 के साथ सर्वप्रथम टीमों के बीच अपनी जगह बना ली। वहीं दर्शक दीर्घा व खिलाड़ियों को उत्साहित करने वाले कमेंटेटर ने खेल मैदान के माहौल की समां बांधकर रखते हुए मैच के बीच-बीच में दर्शकों को हंसाने का भी काम बखूबी निभाया। विप्र युवा असम एवं फ्रेंड्स ऑफ प्रात: खबर के इस विशाल टूर्नामेंट की चर्चा गुवाहाटी ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वोत्तर की बाजारों में भी है। इसी के साथ विप्र युवा असम एवं फ्रेंड्स ऑफ प्रात: खबर द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में फ्रेंड्स ऑफ प्रात: खबर के अध्यक्ष नारायण खाखोलिया एवं टूर्नामेंट संयोजक शुभम अग्रवाल ने सभी समाज बंधुओं से टूर्नामेंट के अगले दोनों दिनों के मैचों में भी शामिल होकर इसे सफल बनने का आह्वान किया है।

जंगली हाथी के झुंड से ग्रामीण परेशान

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिला के नुमलीगढ़ इलाके में पिछले कई दिनों से जंगली हाथियों द्वारा जमकर उपद्रव मचाया जाने की वजह से गांव वाले और किसान काफी परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को बताया कि शाम ढलते ही भोजन की तलाश में जंगली हाथियों का झुंड रिहायशी इलाके में घुस आता है। आज सुबह सुमनी गिदीबस्ती इलाके में जंगली हाथी का एक झुंड प्रवेश कर जमकर उपद्रव मचाया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से जंगली हाथियों का झुंड गांव में प्रवेश कर जमकर उपद्रव मचाते आ रहा है। इसकी जानकारी वन विभाग को दिए जाने के बावजूद वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिसकी वजह से आए दिन जंगली हाथी गांव में घुस आते हैं। स्थानीय लोग और किसानों ने जंगली हाथी के झुंड को जल्द से जल्द जंगल की ओर खदेड़ जाने की वन विभाग से गुहार लगाई है।

नगांव : सुशासन सप्ताह पर कार्यशाला आयोजित

नगांव (निसं)। भारत सरकार की ओर से 19 से 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह-प्रशासन ग्राम कुंजी और विषय पर कार्यशाला आज नगांव जिला उपायुक्त सभागार में आयोजित की गई है। कार्यशाला में जिला प्रशासन के अतिरिक्त आयुक्त, मुख्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शमसेर सिंह ने अपने संबोधन में मुख्य अधिकारियों से आग्रह किया कि वे मानव सेवा की भावना से सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर अधिक ध्यान दें। कार्यशाला में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूप कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा शुरु किए गए सुशासन सप्ताह के उद्देश्य के बारे में विस्तृत रुप से प्रकाश डाला। कार्यशाला में स्वास्थ्य के संयुक्त निदेशक डॉ. अरुण कुमार ने भाग लिया, जिन्होंने प्रतिभागियों को असम में पहली बार ऑनलाइन आवास लाइसेंस जारी करने के लिए नागांव नगर निगम द्वारा किए गए उपायों के बारे में जानकारी दी। जिला कृषि पदाधिकारी ने जिले की सफलता में कृषि विभाग के योगदान के बारे में भी किसानों को जानकारी दी।

कोकराझाड़ में रिवाल्वर मिलने से मची सनसनी

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला शहर के एचएस और एमई स्कूल के खेल मैदान और फ्लाइ ओवर ब्रिज के समीप स्थित सार्वजनिक शौचालय के पास रखी लकड़ी के ढेर से बीती देर रात को एक रिवाल्वर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ज्ञात हो कि कोकराझाड़ उप पुलिस अधीक्षक नबोनिता शर्मा के साथ पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंचकर रिवाल्वर को बरामद कर कोकराझाड़ थाने में ले गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया है कि इस मामले में पुलिस ने एक प्रथमिकता दर्ज कर मामले की जांच शुरू किया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि रिवाल्वर किसकी है और यहां कैसे पहुंची। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष कोकराझाड़ शहर के एचएस और एमई स्कूल के खेल मैदान में कोकराझाड़ जिला प्रशासन द्वारा सरकारी तौर पर हर्षोल्लासपूर्वक गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। ऐसे में खेल मैदान की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

राभा जातीय संगठनों के द्विवार्षिक अधिवेशन का लाई-खुटा स्थापित

रंगिया (निसं)। कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने शुक्रवार को कामरूप जिला राभा छात्र संस्था के पंद्रहवें कामरूप जिला राभा महिला परिषद के ग्यारहवें और कामरूप जिला छठी अनुसूची दावा समिति के 5वें द्विवार्षिक अधिवेशन के साथ बोको क्षेत्रीय राभा छात्र संस्था, बोको आंचलिक राभा महिला परिषद और बोको छठी अनुसूची दावा समिति के आगामी 3, 4 और 5 फरवरी में तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आयोजित होने वाले अधिवेशन का आज लाई खुटा स्थापित किया। इस उपलक्ष्य में उपस्थित उपायुक्त कीर्ति जल्ली का राभा समुदाय द्वारा परंपराओं और कला और शिल्प के प्रदर्शन के साथ भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. गणेश्वर सहरिया, महासचिव अंकुर काकोती, कोषाध्यक्ष भवेन दास, कामरूप जिला राभा छात्र संस्था के अध्यक्ष अजीत राभा, सचिव नमल राभा, राभा हसोंग स्वायत्त परिषद के कार्यकारी सदस्य आदित्य राभा, सोनाराम राभा, साधारण सदस्य अर्जुन छेत्री सहित बहुत से विशिष्ट व्यक्ति, विभिन्न उप-समिति के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य-सदस्यायाओ के अलावा राभा जातीय संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके बाद जिला उपायुक्त ने बोको में गारो बहुल असम-मेघालय सीमा पर गोहालकोना हाई स्कूल में एक विशेष प्री-क्रिसमस समारोह में भाग लिया। स्कूल में जिला उपायुक्त का गारो परंपरा के साथ स्वागत किया गया। स्कूल के विद्यार्थियों ने उपायुक्त के समक्ष गारो कला एवं शिल्प का प्रदर्शन किया इसके पश्चात उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने स्कूल के शिक्षकों और छात्रों के साथ एक अंतरंग कार्यक्रम में भी भाग लिया तथा छात्र-छात्राओं के साथ वार्तालाप किया। उपायुक्त ने प्री-क्रिसमस के अवसर पर विद्यार्थियों के बीच चॉकलेट बांटी। इस कार्यक्रम में बोको रेवेन्यू सर्किल के चक्राधिकारी दिवस बरदलै, बोको शिक्षा खण्ड अधिकारी जुगल दास, राभा हसॉन्ग स्वायत्त परिषद के पूर्व कार्यकारी सदस्य जॉनसन जे सांगमा और स्कूल के शिक्षकों के साथ-साथ गोहालकोना क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इसके बाद जिला उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बनगांव बाल विकास परियोजना के अंतर्गत आंगनबाडी केंद्र क्रमांक 67 का निरीक्षण कर केंद्र के कार्यों का जायजा लिया। दूसरी ओर जिला उपायुक्त ने आज बोको के गामेरिमुढा में स्थानीय कटहल के किसानों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं, उत्पादन और निर्यात क्षमता पर चर्चा की बैठक में बोको राजस्व चक्राधिकारी, महकमा कृषि अधिकारी ने भाग लिया।

आग में नौ दुकानें जलकर राख

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला के तेजपुर फायर ब्रिगेड और पुलिस ने एक बाजार को जलने से बचा लिया। मिशन चाराली बाजार में बीती मध्य रात को लगी भयावह आग में कपड़े, जुता-सैंडल, प्लास्टिक का सामान, स्टेशनरी की दुकानें, आलू-प्याज की दुकानें, गोदाम समेत नौ दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं, लेकिन फायर ब्रिगेड और पुलिस की मदद से पचास से अधिक दुकानों को जलने से बचा लिया गया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि बीती मध्य रात्रि को करीब 11 बजे के आसपास लगी आग में छोटे व्यापारियों को अनुमानत: 50 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। संदेह जताया गया है कि प्लास्टिक के सामानों की दुकान में बिजली के शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में छोटे व्यवसायों को भारी नुकसान हुआ है। हालांकि, अग्निशमन की तत्परता से सैकड़ों अन्य परिवार नुकसान से बच गए। लगभग घंटे भर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, सुबह तक आग से धुंआ उठते देखा गया।

ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के कोलियाबोर के निजरी गांव में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात सिलघाट गुवाहाटी पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से निजरी गांव निवासी 21 वर्षीय युवक बाबुल कर्मकार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची मिशा पुलिस और रेलवे पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित हो गई। सत्रहवीं लोक सभा का दसवां सत्र 7 दिसम्बर को आरंभ हुआ था। सत्र के दौरान, 9 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए तथा कुल मिलाकर 7 विधेयक पारित हुए। लोकसभा अध्यक्ष ने आज कार्यवाही की शुरूआत के दौरान सत्र-ावसान की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस सत्र के दौरान, कुल 13 बैठकें हुईं, जो 68 घंटे 42 मिनट तक चलीं। सभा के चालू सत्र की कार्य उत्पादकता 97 प्रतिशत रही। वर्तमान सत्र के दौरान, 9 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए तथा कुल मिलाकर 7 विधेयक पारित हुए। इस सत्र में महत्वपूर्ण वित्तीय और विधायी कार्यों का निपटान किया गया। पारित किए गए कुछ महत्वपूर्ण विधेयक हैंः संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2022; संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (तीसरा संशोधन) विधेयक, 2022; संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (चौथा संशोधन) विधेयक, 2022; संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक, 2022; और समुद्री जलदस्युता रोधी विधेयक, 2022। वर्ष 2022-23 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों-पहले बैच और वर्ष 2019-2020 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों पर चर्चा 10 घंटे और 53 मिनट तक चली।

सत्र के दौरान दिनांक 20 तथा 21 दिसंबर को सदन द्वारा देश में मादक द्रव्यों के बढ़ते उपयोग की समस्या के महत्वपूर्ण विषय पर नियम 193 के अंतर्गत अल्पकालिक चर्चा हुई। इस चर्चा में सदन के 51 माननीय सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा गृह मंत्री के उत्तर के साथ सम्पन्न हुई। सभा में लोक महत्व के 374 मामले उठाए गए। सदस्यों ने नियम 377 के अधीन 298 मामले सदन के समक्ष उठाए। लोक सभा की स्थायी समितियों के 36 प्रतिवेदन सभा में प्रस्तुत किए गए। सत्र के दौरान 56 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिये गये। मंत्रियों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर कुल 43 वक्तव्य दिए गए, जिनमें संसदीय कार्य मंत्री द्वारा सरकारी कार्य से संबंधित 2 वक्तव्य शामिल हैं। सत्र के दौरान, विभिन्न मंत्रियों द्वारा 1811 पत्रों को सभा पटल पर रखा गया। सभा में भारत में खेलों के संवर्धन की आवश्यकता जिस पर 9वें सत्र में चर्चा आंशिक रूप से हो पाई थी, पर आगे अल्पकालिक चर्चा हुई और मंत्री जी के उत्तर के साथ सम्पन्न हुई।

केदारनाथ धाम की सुरक्षा में आईटीबीपी के 30 जवान तैनात

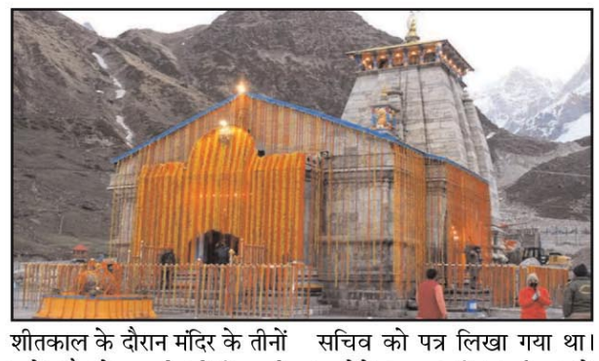

गुप्तकाशी (उत्तराखंड), (हि.स.)। केदारनाथ धाम की सुरक्षा में आईटीबीपी के 30 जवानों को तैनात किया गया है। यह जवान आगामी 30 अप्रैल तक केदारनाथ धाम में मौजूद रहेंगे। बद्री केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजयेन्द्र अजय ने यह जानकारी दी। गुप्तकाशी के पुलिस उपाधीक्षक विमल रावत ने धाम में आईटीबीपी के 30 जवानों की तैनाती की पुष्टि की है। अजयेन्द्र अजय ने बताया कि इस साल रिकार्ड 16 लाख तीर्थ यात्रियों ने बाबा के दर्शन किए हैं। गर्भ गृह को स्वर्ण मंडित किया गया है। इसलिए कपाट बंद होने से पहले उत्तराखंड के मुख्य सचिव को धाम की सुरक्षा के लिए पत्र लिखकर आईटीबीपी के जवानों को तैनात करने की मांग की गई थी। 30 जवान पूरे शीतकाल के दौरान मंदिर के तीनों द्वारों और केदारपुरी की निगरानी करेंगे। आईटीबीपी जवानों के साथ पुलिस के 20 जवान भी धाम में तैनात हैं। बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि इस वर्ष केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह को स्वर्ण मंडित कराया गया है। सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए कपाट बंद होने से पूर्व प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखा गया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बद्रीनाथ व केदारनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य चल रहे हैं और वहां पर भारी संख्या में मजदूर रह रहे हैं। ऐसे में लगातार आवाजाही होने से आईटीबीपी के जवानों को तैनात किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक रावत के मुताबिक केदारनाथ स्थित हेलीपैड 24 घंटे एक्टिव मोड में रहेगा।

आज दिल्ली पहुंचेगी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा लेकर निकले राहुल गांधी शनिवार को दिल्ली पहुंचेंगे। यह यात्रा दिल्ली में लाल किले तक जाएगी लेकिन बदरपुर से लाल किले तक का कौन सा रूट राहुल गांधी को उपलब्ध होगा, यह अभी तक तय नहीं हुआ है। दिल्ली पुलिस के मध्य जोन यातायात पुलिस उपायुक्त का कहना है कि उन्हें अभी तक एडवाइजरी और यात्रा का समय नहीं मिला है। एडवाइजरी को यात्रा का समय उपलब्ध होने के बाद ही वह मध्य जोन में यात्रा रूट पर यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती के संबंध में जानकारी साझा कर पाएंगे। वहीं कांग्रेस नेता कैप्टन खविंद्र सिंह ने बताया कि, गुरुवार रात भी कांग्रेस नेता और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के बीच बैठक कर यात्रा रूट को लेकर सहमति बनाने का प्रयास किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के पास से यात्रा निकालने को लेकर दिल्ली पुलिस की आपत्ति है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के आसपास पूरे वर्ष धारा 144 लागू रहती है। ऐसे में वह अपने यात्रा रूट में बदलाव के लिए तैयार हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे देश में चलती आ रही इस यात्रा को अनुमति न दिए जाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। हम लालकिले तक अपनी यात्रा को लेकर जरूर जाएंगे। वहीं कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के लिए जो रूट दिया गया है, उसमें यात्रा बदरपुर बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करेगी। इसके बाद सरिता विहार, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी आश्रम, निजामुद्दीन की दरगाह होते हुए इंडिया गेट हेक्सागॉन तक जाएगी, जिसके बाद तिलक ब्रिज, दिल्ली गेट होते हुए लाल किले पर जाकर यात्रा समाप्त होगी। इस रूट पर दिल्ली के प्रमुख मथुरा मार्ग और इंडिया गेट हेक्सागॉन पर मध्य दिल्ली से दक्षिणी दिल्ली को जोड़ने के मार्ग शामिल हैं।

भलस्वा डेयरी इलाके में मासूम के साथ दुष्कर्म, नाराज लोगों ने जाम लगाया

अजय कुमार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के भलस्वा इलाके में चार वर्षीय बच्ची को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में नई जानकारी सामने आई है। पता चला है कि मामले में पुलिस द्वारा करीब 24 घंटे बीत जाने के बाद भी कार्रवाई ना होने से नाराज परिजनों ने शुक्रवार को मेन रोड पर यातायात अवरुद्ध करते हुए हंगामा किया। इस मामले में महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने पुलिस को नोटिस जारी किया है। हालांकि यातायात अवरुद्ध कर रहे लोगों पर भलस्वा डेयरी थाना पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए यातायात बहाल करा दिया। क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मामले की छानबीन में पुलिस जुटी हुई है। इस दौरान बच्ची को अगवा करने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही दोषी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। उल्लेखनीय है कि भलस्वा डेयरी इलाके से 4 साल की बच्ची को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है।अपहरणकर्ता बच्ची को उसके घर के बाहर से ही अगवा कर के ले गए और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। बच्ची भलस्वा झील के पास गंभीर हालत में मिली, जहां से उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने बच्ची की गंभीर स्थिति देखते हुए उसे बाबा भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल रेफर कर दिया है।

सिख विरोधी दंगाः पुल बंगश इलाके में तीन सिखों के मारे जाने के मामले में सुनवाई टली

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पुल बंगश इलाके में 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान तीन सिखों के मारे जाने के मामले में सुनवाई टाल दी है। मामले की अगली सुनवाई 2 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने राऊज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि वह मामले में पहले हुई जांच को और पुख्ता कर रही है। साथ ही विदेश में रह रहे कुछ गवाहों से पूछताछ करने में समय लग रहा है। इसको देखते हुए और समय दिया जाए। कोर्ट ने इस मामले में आरोपित कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ जांच कर पूरक चार्जशीट दाखिल करने के लिए सीबीआई को और समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 2 मार्च, 2023 को करने का आदेश दिया। दरअसल, 1984 के दंगे में पुल बंगश इलाके में तीन सिखों की हत्या हो गई थी। जगदीश टाइटलर पर आरोप है कि वह उस भीड़ का नेतृत्व कर रहे थे। अभिषेक वर्मा ने जगदीश टाइटलर पर आरोप लगाया था कि टाइटलर ने केस से जुड़े अहम गवाहों को प्रभावित किया।

केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले कुछ यात्रियों का 24 दिसंबर से रैंडम कोरोना वायरस परीक्षण किया जाएगा। कई देशों में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय को इस संबंध में पत्र लिखा है। एक आधिकारिक पत्र में कहा गया प्रत्येक उड़ान में कुल यात्रियों के दो प्रतिशत तक को आगमन के बाद हवाई अड्डे पर रैंडम परीक्षण से गुजरना होगा। प्रत्येक उड़ान में ऐसे यात्रियों का चयन संबंधित एयरलाइंस द्वारा किया जाएगा। दरअसल चीन और कुछ अन्य देशों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में अचानक वृद्धि के मद्देनजर देश में कोविड की स्थिति की समीक्षा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में हाल ही में बैठक हुई थी। इसके बाद सूत्रों ने बताया था कि दुनिया के कुछ हिस्सों में मामलों में हाल में हुई वृद्धि के कारण चीन और अन्य देशों से आने वाले यात्रियों के लिए हवाई अड्डों पर यात्रियों की रैंडम जांच की जाएगी। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्रालय यात्रा से 72 घंटे पहले की गई आरटी-पीसीआर जांच के विवरण या चीन और अन्य देशों से आने वाले यात्रियों के लिए पूर्ण टीकाकरण प्रमाण की जानकारी देने संबंधी एयर सुविधा फॉर्म को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है। कुछ सप्ताह तक स्थिति पर नजर रखने के बाद इस पर फैसला लिया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर रिहा होने वाले 50 से अधिक कैदियों में सिद्धू का नाम भी शामिल

- 26 जनवरी को हो सकती है रिहाई

जालंधर (ईएमएस)। रोड रेज मामले में जेल गए कांग्रेसी नेता नवजोत सिद्धू को गणतंत्र दिवस के अवसर पर रिहा किया जा सकता है। राज्य के जेल विभाग द्वारा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर रिहा किए जाने वाले 50 से अधिक कैदियों में सिद्धू का नाम भी शामिल है। जेल विभाग ने समय से पहले छोड़े जाने वाले कैदियों की सूची समीक्षा के लिए विभाग की प्रमुख सचिव अवनीत कौर को भेजी है जहां से इसे मुख्यमंत्री और फिर राज्य के राज्यपाल के पास अंतिम अनुमति के लिए भेजा जाना है। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारत सरकार की नीति के अनुसार ही सिद्धू का नाम गणतंत्र दिवस पर रिहा किए जाने वाले कैदियों की प्रस्तावित सूची में डाला गया है और जेल विभाग द्वारा सिद्धू के अच्छे आचरण की रिपोर्ट भी दी गई है। जेल विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि नवजोत सिंह सिद्धू केंद्र सरकार की आजादी के महोत्सव वाली विशेष गाइडलाइंस के मुताबिक आते हैं। बताया गया कि सिद्धू का मामला विशेष रूप से नहीं लिया गया बल्कि केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के मुताबिक बनी सूची में 50 से अधिक नाम हैं जिसमें नवजोत सिद्धू भी आते हैं। सिद्धू मई से जेल में हैं और क्लर्क का कार्य कर रहे हैं और उन्होंने कोई छुट्टी भी नहीं ली और जेल में उनका आचरण अच्छा रहा है। सिद्धू के मुख्यमंत्री भगवंत मान से भी रिश्ते अच्छे रहे हैं।

डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस को जारी किया नोटिस

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के भलस्वा डेयरी थाना इलाके में बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर इंक्वायरी की पूरी डिटेल देने के आदेश दिए। डीसीडब्ल्यू ने मामले में अब तक हुई कार्रवाई से उन्हें अवगत कराने को भी कहा है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने संबंधित डीसीपी को नोटिस जारी करते हुए मामले में एफआईआर की कॉपी भी देने के साथ, आरोपित की तुरंत गिरफ्तारी करने का भी निर्देश दिया है। डीसीडब्ल्यू ने अपने भेजे नोटिस में कहा है, ज्ञात हुआ है कि भलस्वा डेयरी क्षेत्र में पांच साल की बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया, जिसके बाद उसे पार्क के पास छोड़ दिया गया। बच्ची का अपहरण 21 तारीख को तब किया गया, जब वह अपने घर के बाहर खेल रही थी। बच्ची अस्पताल में भर्ती है और उसके प्राइवेट पार्ट का ऑपरेशन भी किया गया है। यह एक बेहद गंभीर घटना है और इसपर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं दूसरी तरफ पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज हाथ लगी है, जिसमें एक शख्स बच्ची को गोद में उठाकर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी हुई है। मामले में पुलिस अधिकारियों ने यह दावा है किया है आरोपित को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके अलावा, यह भी खबर है मामले में 24 घंटे तक कोई गिरफ्तारी न होने बच्ची के परिजनों ने आउटर रिंग रोड जाम कर अपना रोष प्रकट किया। इससे आवागमन कई घंटे तक बाधित रहा।

'आप' ने दिल्ली के मेयर पद के लिए शैली ओबराय और डिप्टी मेयर के लिए आले मोहम्मद के नाम की घोषणा की

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। जनवरी 2023 में दिल्ली को अपना मेयर मिल जाएगा। इसे लेकर शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में घंटे भर तक मीटिंग चली। उसके बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने मेयर चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के लिए कुल 6 नामों पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से मेयर पद के लिए शैली ओबराय, डिप्टी मेयर के लिए आले मोहम्मद के नाम पर स्वीकृति बनी है। उन्होंने बताया की यह मेयर पद तीन महीने के लिए रहेगा। गौर करने वाली बात यह है कि आम आदमी पार्टी कूड़े के मुद्दे पर एमसीडी का चुनाव लड़ी और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। आप ने सबसे ज्यादा 134 सीटें हासिल कीं। भाजपा 104 सीटें ही जीत सकी। हालांकि इसके बाद मेयर किस पार्टी का होगा, इसे लेकर आप और भाजपा में जंग चल रही थी। एमसीडी में बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी आम आदमी पार्टी में शुक्रवार को मेयर पद और डिप्टी मेयर पद पर उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सभी अटकलों को पूर्ण विराम लगा दिया है। पंकज गुप्ता ने बताया कि चार नाम स्टैंडिंग कमेटी के लिए चुने गए हैं। इनके नाम आमिल मलिक (वार्ड नंबर 246), रविन्द्र कौर, (वार्ड नंबर 100), मोहिनी जिनवाल (वार्ड नंबर 218) और सारिका चौधरी (वार्ड नंबर 142) हैं।

राजस्थान में एक बार फिर बिजली संकट, गांव से लेकर शहर तक कटौती का रोस्टर तय

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान में शुक्रवार से एक से तीन घंटे तक बिजली की कटौती शुरू हो गई। इसकी जद में गांव से लेकर शहरी इलाके व औद्योगिक क्षेत्र तक आ गए हैं। बिजली संकट से संभागीय मुख्यालयों को फिलहाल दूर रखा गया है। यानी जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर और भरतपुर शहर में बिजली की कटौती नहीं होगी। ऊर्जा विकास निगम की तरफ से मांग का आकलन होने के बावजूद मैनेजमेंट ठीक से नहीं किया गया, इसका नतीजा बिजली व्यवस्था में विफलता और प्रदेश में बिजली संकट से जूझ रहे प्रदेशवासियों की परेशानी के रूप में सामने आया है। मौजूदा समय में प्रदेश में विद्युत उत्पादन निगम की चार यूनिट्स ठप पड़ी हैं, लेकिन जिम्मेदार अफसरों की जवाबदेही अब तक तय नहीं की जा सकी है। बिजली कटौती के तहत शहरों और गांवों में सुबह, जबकि औद्योगिक इलाकों में शाम को कटौती करने की बात कही गई है, वहीं, औद्योगिक क्षेत्रों में 125 केवीए से ज्यादा लोड वाले उद्योग शामिल हैं। जिन्हें 3 घंटे तक निर्धारित क्षमता से 50 फीसदी कम लोड पर इकाई संचालित करनी होगी। पॉवर मैनेजमेंट फेल होने के बाद ऊर्जा विकास निगम ने कटौती का शिड्यूल जारी किया था। निगम की ओर से कहा गया है कि रबी के सीजन में खेती की वजह से मांग में अचानक वृद्धि हो गई है। इस कारण नए सिरे से शिड्यूल जारी किए गए। बताया गया है कि पांच हजार से अधिक आबादी वाले गांव में सुबह 6:30 से 7:30 तक बजे और सभी औद्योगिक इकाइयों वाले क्षेत्र, जहां 125 केवीए से ज्यादा लोड है, वहां शाम को 5 बजे से 8 बजे तक कटौती होगी। मैनेजमेंट की चूक की वजह से बिजली कटौती के बाद प्रदेश में लगभग 14 हजार 184 बड़ी औद्योगिक इकाइयों पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा, जिनमें सीमेंट, टेक्सटाइल और अन्य बड़े उद्योग शामिल है। जाहिर है कि जयपुर डिस्कॉम के तहत करीब 5 हजार 423 औद्योगिक इकाइयों को इसका नुकसान भुगतना पड़ेगा।

वहीं, जोधपुर डिस्कॉम में 3 हजार 169 और अजमेर डिस्कॉम 5 हजार 593 औद्योगिक इकाइयां इस कटौती के दायरे में आएगी। प्रदेश में ऊर्जा विकास निगम की जिम्मेदारी है कि वह बिजली की डिमांड का आकलन करने के बाद इसकी उपलब्धता को सुनिश्चित करें, लेकिन मौजूदा वक्त में आकलन करने के बाद भी बिजली की उपलब्धता में निगम फेल रहा है। विद्युत उत्पादन निगम से करीब 5000 मेगावाट बिजली मिलने का आकलन किया गया था, लेकिन औसतन 4440 मेगावाट बिजली ही मिल रही है। इस बीच चार यूनिट बंद होने के बाद ये आकलन सुनिश्चित नहीं किया जा सका। दूसरी कंपनियों के साथ अनुबंध से 6000 मेगावाट बिजली मिलनी थी, लेकिन इसमें भी लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। इधर, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रक्रिया के तहत उत्तर प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियों से 15 मेगावाट तक बिजली ली जा रही है, जो मौजूदा मांग के हिसाब से काफी नहीं है। साथ ही सोलर पावर प्लांट से भी उम्मीद के मुताबिक बिजली नहीं मिल पा रही है। राज्य में विद्युत उत्पादन निगम की 7580 मेगावाट की 23 यूनिट है, जिनमें से चार यूनिट से गुरुवार शाम तक बिजली का उत्पादन बंद रहा। सूरतगढ़ पावर प्लांट की 250-250 मेगावॉट यूनिट की दो इकाइयां और 660 मेगावाट की एक यूनिट बंद है तो कोटा थर्मल पावर प्लांट की 195 मेगावाट की यूनिट भी रखरखाव के कारण फिलहाल बंद पड़ी है।

चाचा की विश्वसनीयता अभी प्रश्नचिन्ह के घेरे में : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज, (हि.स.)। अपने दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज आए हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मीडिया के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि चाचा शिवपाल सिंह यादव की विश्वसनीयता अभी प्रश्नचिन्ह के घेरे में है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रदेश सरकार के निर्देश पर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर नीदरलैंड से लौटे प्रथम प्रयाग आगमन पर शुक्रवार को सर्किट हाउस में कहा कि डॉ रामगोपाल यादव के मशविरा उपरांत भी अखिलेश यादव उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की गलती नहीं करेंगे। अगर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाते हैं तो अच्छा, अन्यथा चुनाव में लाभ लेने की दृष्टि से चुनावी चाचा ही बने रहेंगे। उन्होंने कोरोना की तैयारी की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सभी विभागों को गाइडलाइन जारी करते हुए दिशा निर्देश दे दिया गया है और माघ मेला साधारण मेला नहीं अनुष्ठान एवं तप का मेला है। माघ मेला आयोजित करने के लिए प्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। उन्होंने कोरोना से सतर्क रहने के लिए कहा घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई वैक्सीन की प्रशंसा करते हुए वैज्ञानिकों को भी बधाई भी दी। उन्होंने पठान फिल्म के बारे में कहा कि कोई भी फिल्म जो किसी की धार्मिक भावना को आहत करेगी उस पर गम्भीर विचार किया जाएगा। केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व मंत्री विक्रमाजीत मौर्य के गांव पहुंचकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि वह एक जुझारू नेता थे। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित थे। उन्होंने उनको उनको कर्म योद्धा बताया। इसके पूर्व भाजपा कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान एमएलसी विधायक लक्ष्मण आचार्य, एमएलसी निर्मला पासवान, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, उपाध्यक्ष अवधेश गुप्ता, महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, डॉ विभव नाथ भारती, अश्वनी दुबे, मीडिया प्रभारी पार्षद पवन श्रीवास्तव, शशि वार्ष्णेय, संदीप चौहान, दिलीप श्रीवास्तव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्रिसमस की तैयारियां अन्तिम दौर में, शनिवार आधी रात से शुरू हो जाएगा पर्व

—प्रभु के आगमन के समय मध्य रात्रि को पूजा-विधि (मिस्सा बलिदान) सम्पन्न होगी
—स्कूलों में छोटे—छोटे बच्चे सेंटा क्लॉज बनकर काफी खुश दिखे

वाराणसी, (हि.स.)। धर्म नगरी काशी में क्रिसमस के जश्न की तैयारियों में मसीही परिवार जुट गये है। घरों के साथ चर्चों और गिरजाघरों में भी प्रभु यीशु के स्वागत के लिए तैयारियां अन्तिम दौर है। गिरजाघरों को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है। छावनी क्षेत्र स्थित सेंट मैरिज चर्च परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जा रहा है। प्रभु यीशु के बाल स्वरूप के लिए रथ भी तैयार हो चुका है। महापर्व की खुशियां अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भी दिख रहे है। छोटे—छोटे बच्चे सेंटा क्लॉज बनकर काफी खुश दिखे। इन निजी स्कूलों में क्रिसमस पर छात्र विविध आयोजन में उत्साह से भागीदारी कर रहे है। बाजारों में भी पर्व को देखते हुए केक, सेंटा क्लॉज के ड्रेस, सजावटी सामान की दुकाने सजा गई है। महापर्व पर होटल और रेस्टोरेंट में भी खास तैयारियां चल रही है। बाजारों में क्रिसमस को लेकर सबसे ज्यादा केक और पेस्ट्री की मांग है। बताते चले 24 दिसंबर शनिवार की मध्य रात्रि से ही क्रिसमस पर्व शुरू हो जाएगा। प्रभु के आगमन के समय मध्य रात्रि को पूजा-विधि (मिस्सा बलिदान) संपन्न होगी। वाराणसी धर्मप्रांत के बिशप डॉ. यूजीन जोसेफ ने बताया कि इस बार क्रिसमस के मौके पर महागिरजाघर में क्रिसमस की खुशियां बांटने और खीस्त के प्रेम-भाईचारे का संदेश देने के लिए 25 से 27 जनवरी तक मेले का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि मेले में बाइबिल प्रदर्शनी का आयोजन होगा।

सबसे बड़ा पुरस्कार तब होता है जब मेरे लिखे पर मिलती है तारीफ : प्रो. अनीस अशफॉक

-उन्हें यह पुरस्कार उनके उपन्यास ख्वाब सराब मिला है

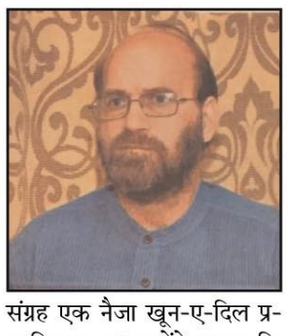

लखनऊ, (हि.स.)। साल-2022 के साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा आज यानि गुरूवार को कर दी गई है। उर्दू भाषा में इस पुरस्कार के लिए अदब के शहर लखनऊ के रहने वाले प्रो.अनीस अशफॉक के नाम की घोषणा की गई है। वह एक प्रसिद्ध लेखक, समालोचक व शायर भी है। उनके नाम के चयन पर खुद प्रो. अशफॉक और उनके चाहने वालों ने खुशी जाहिर की है। उन्हें यह पुरस्कार उनके उपन्यास ख्वाब सराब मिला है। यह उपन्यास साल 2017 में प्रकाशित हुआ था। इससे पहले साल 2014 में उनका उपन्यास दुखियारे आया। 2018 में परीनाज और परिन्दे प्रकाशित हुआ। 2017 में उनकी गजलों का एक संग्रह एक नैजा खून-ए-दिल प्रकाशित हुआ। उन्होंने बताया कि पुरस्कर मिलने पर खुशी तो होती ही है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार तब होता है जब मेरे लिखे पर पढ़ने वालों की तारीफ मिलती है। बातचीत में उन्होंने बताया कि अभी मेरी तीन किताबें छपने को बिल्कुल तैयार है। गालिब के साहित्य पर एक किताब का विमोचन अभी हाल में हुआ है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में बताया कि जब तक उर्दू के पढने -लिखने वाले जिंदा है तब तक उर्दू कायम रहेगी। अभी लोग उर्दू को पढ़ रहे है। उसमें लिखा भी जा रहा है। इसलिए अभी मायूस होने की जरूरत नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि लोग दो कारणों से किसी भाषा को पढते हैं पहला नौकरी लिए और दूसरे अपने शौक से। उर्दू में नौकरी तो कम है लेकिन जिनको अपनी भाषा से प्रेम है वे लोग इसमें लिखेगें और पढ़ेगें भी। प्रो. अनीय अशफॉक मूलतः लखनऊ के ही रहने वाले ही है। यहां पुराने शहर में नक्खास के बंजारी टोला में ही वह रहे है। उनकी पैदाईश भी यहीं की है। इसके अलावा उनकी शुरूआती पढ़ाई जुबिली कॉलेज में की है। उसके उच्च शिक्षा लखनऊ से हासिल की है और बाद में यहीं उनकी नौकरी की और प्रोफेसर भी हो गए।

केजीएमयू के दीक्षान्त समारोह में डा. महविश अहमद को मिले सर्वाधिक 13 गोल्ड मेडल

लखनऊ, (हि.स.)। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) का 18 वाँ दीक्षान्त समारोह शुक्रवार को अटल बिहारी बाजपेई कन्वेंशन सेन्टर में संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की अध्यक्षता में संपन्न दीक्षान्त समारोह में 41 मेधावियों को मेडल प्रदान किये गये। इस वर्ष केजीएमयू के सबसे प्रतिष्ठित चांसलर, हीवेट और यूनीवर्सिटी गोल्ड मेडल एमबीबीएस की छात्रा महविश अहमद को मिला है। महविश अहमद को 13 गोल्ड मेडल, दो बुक प्राइज और दो सिल्वर मेडल प्रदान किये गये हैं। केजीएमयू के गठिया रोग विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के.दास को गोल्ड व सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। इसके अलावा दीक्षांत समारोह में पद्मश्री व बीसी राय अवार्डी डॉ. अनिल कोहली को डीएचसी की उपाधि प्रदान की गयी। इस अवसर पर केजीएमयू के कुलपति ले.बिपिन पुरी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से राज्यपाल को अवगत कराया। दीक्षान्त समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, केजीएमयू के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. एस.एन.शंखवार और डा. संतोष कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सपा विधायक के खिलाफ एक और शिकायत, गुर्गों के सहयोग से टेनरी पर किया कब्जा

कानपुर, (हि.स.)। सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ शिकायतों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। गुरुवार देर रात एक और शिकायत पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड से की गई। जिसमें पीड़ित ने आरोप लगाया है कि वह अपने गुर्गों के साथ मिलकर उनकी टेनरी पर कब्जा कर लिया है। आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए। कमाल टेनिंग इंडस्ट्रीज के स्वामी कमाल अहमद ने लिखित शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि विधायक इरफान सोलंकी और थाना चकेरी क्षेत्र के रहने वाले हिस्ट्रीशीटर अबरार के गिरोह ने पुलिस की मौजूदगी में उनके कारखाने से करोड़ों की मशीनें जबरन उठा ले गए। लेकिन सपा विधायक के प्रभाव की वजह से दस दिन के अन्दर पुलिस ने मामले को रफा-दफा करते हुए फाइनल रिपोर्ट लगा दी। उसने गुहार लगाते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण की पुनः जांच एवं अग्रिम विवेचना होनी चाहिए। जमीनों पर कब्जा करने वाले गिरोह के सरगना अबरार जाजमऊ क्षेत्र में विधायक इरफान सोलंकी की सह पर जमीनों हड़पने का काम करता था। इतना ही नहीं विधायक ने एक अन्य टेनरी मालिक से 50 लाख रुपये का ठेका लेकर उनकी फैक्ट्री में कब्जा कराया है। टेनरी मालिक ने उनके भाई की फैक्ट्री नीलामी में खरीदी थी, जो बाद में चरागाह की जमीन निकली। इसी वजह से उसने नीलामी में खरीदी गई टैनरी की जगह पर कब्जा कर लिया। बाद में टेनरी मालिक ने दोनों टेनरियों की जमीन पर कब्जा कर लिया और वहां की मशीनों को लुटा। दो बीघा जमीन की जगह विधायक की मदद से उनकी पांच बीघा जमीन कब्जा ली गई। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि मामले की दोबारा विवेचना कराई जाएगी। पूरे प्रकरण की जांच एसीपी चकेरी को दी गई है। विधायक इरफान सोलंकी को शुक्रवार को पेशी पर कानपुर लाया जाएगा, ऐसे चर्चा गुरुवार को दिन भर शहर में होती रही। इस बीच सपा ने अधिकृत ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया कि विधायक को महाराजगंज से कहीं दूसरी जेल ले जाने की चर्चा है। इस ट्वीट से विधायक के समर्थकों में कुछ समय के लिए ऊहापोह की स्थिति रही। हालांकि बाद में सामने आया कि पेशी पर कानपुर लाने की चर्चा थी, लेकिन अब वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए पेशी हो सकती है।

सत्र के अंतिम दिन अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे बैजनाथ राम

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को अपनी ही सरकार के खिलाफ विधानसभा मुख्य द्वार पर झामुमो विधायक बैजनाथ राम धरना पर बैठे। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार सिर्फ आश्वासन दे रही है। पिछले तीन वर्षों से लातेहार जिले के बालूमाथ में अस्पताल निर्माण की वह मांग कर रहे हैं। सदन में भी कई बार इस मुद्दे को उठाया गया। मुख्यमंत्री से मिलकर भी इस बात को रखा लेकिन कोई काम नहीं हुआ। बैजनाथ राम ने कहा कि उन्होंने कहा कि अस्पताल का निर्माण नहीं हुआ लेकिन एक करोड़ 25 लाख का घोटाला जरूर हो गया। सदन में भी इस बात को उठाया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। साफ कहा कि सरकार कोई भी हो वह पहले लातेहार के विधायक हैं, उनका पहला दायित्व क्षेत्र की जनता का विकास है और इसके लिए वह लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाते रहेंगे। धरने पर बैठे विधायक बैद्यनाथ राम से मुलाकात करने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पहुंचे। स्वास्थ्य मंत्री बार-बार पत्रकारों के सामने विधायक को आश्वासन देते रहे लेकिन बैद्यनाथ राम ने मंत्री से बातचीत तक नहीं की। बैद्यनाथ राम ने कहा कि मुझे स्वास्थ्य मंत्री की बातों पर भरोसा नहीं है। मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे। उधर, भाजपा विधायकों ने झारखंड सरकार के खिलाफ विधानसभा मुख्य द्वार पर जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। भाजपा विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि रोजगार का झांसा देकर हेमंत सरकार बनी लेकिन तीन वर्षों में झारखंड के युवाओं को रोजगार नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पहले से जिसे रोजगार मिला था उसे भी इस सरकार ने छीनने का काम किया। पोषण सखी का मामला सबके सामने है। इसी तरह से गलत नियोजन नीति बनाकर इस सरकार ने युवाओं को ठगने का काम किया है। भाजपा विधायक नीरा यादव ने कहा कि झारखंड में बहू बेटियां सुरक्षित नहीं है। जब यह मामला उठाया जाता है तो मुख्यमंत्री का बयान आता है कि कहां नहीं होती है ऐसी घटनाएं। मुख्यमंत्री का यह बयान उनकी संवेदनशीलता को दशार्ता है।

जवाहरलाल स्टेडियम के पीछे युवक का शव मिलने से हड़कंप

धनबाद, (हि. स.)। झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र स्थित बीसीसीएल के जेलगोड़ा जवाहरलाल स्टेडियम के पीछे शुक्रवार को एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मृतक की पहचान डिगवाडीह घटवार बस्ती निवासी झुंन्ना यादव के पुत्र संतोष यादव (18) के रूप में हुई है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है। मृत युवक के परिजन ने बताया कि संतोष कल दिन में घर से निकला था। शाम तक घर वापस नहीं आने पर खोजबीन की गई। उसका कही पता नहीं चलने पर इस बाबत जोड़ापोखर थाने में भी सूचना दी गयी थी। घटना के संबंध में जोड़ापोखर थाना के प्रभारी राजदेव सिंह ने बताया कि युवक के लापता होने की शिकायत मिलने के बाद उसके मोबाईल फोन लोकेशन कर ट्रेस कर देर रात जेलगोड़ा स्टेडियम के पीछे खोजबीन शुरू की गई, लेकिन अंधेरा होने की वजह से युवक का कही कुछ पता नही चल सका। इसके बाद पुनः आज सुबह पुलिस द्वारा खोजबीन करने पर उसकी लाश स्टेडियम के पीछे पड़ी मिली। परिजनो ने संतोष की हत्या करने की आशंका जताई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया गया है और मामले की तफ्तीश की जा रही है।

रामकिशोर सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

-दो देशी कट्टा,कारतूस और मोबाइल भी बरामद

मोतिहारी, (हि.स.)। जिले कोटवा थाना क्षेत्र के डुमरा चौक पर गत 17 नवम्बर को हुए हाई स्कूल के कर्मी राम किशोर सिंह हत्या कांड का मुख्य आरोपी रिपू पांडे के साथ उसके एक और साथी को कोटवा पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। रिपू के गिरफ्तारी के बाद डुमरा चौक पर हुए चिकेन और दवा दुकान पर फायरिंग मामले का भी खुलासा हो गया हैं। रिपू के पास से दो देशी कट्टा, दो कारतूस और एक मोबाइल बरामद हुआ हैं। रिपू ने पूछताछ मे कई और मामले का खुलासा किया हैं। सदर डीएसपी अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि 17 नवंबर को डुमरा चौक पर हाईस्कूल के कर्मी रामकिशोर सिंह को बाइक सवार अपराधियों ने घेर कर गोलियों से भून दिया था, जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी, हत्या के बाद मृतक के पत्नी उषा देवी के आवेदन पर रिपु पांडेय समेत पांच अज्ञात अपराधी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसी मामले कोटवा पुलिस ने छापेमारी कर मलाही थाना क्षेत्र के गढ़वा खजुरिया रोड से रिपु पाण्डेय को उसके एक साथी के साथ गिरफ्तार किया गया हैं। पूछताछ में रिपू ने बताया कि उसने ही अंडा दुकान पर फायरिंग किया था। राम किशोर सिंह की गोली मार कर हत्या करने के बाद रिपू खुद एरिया का डॉन साबित करने के लिए यूं ही दवा और चिकेन दुकान पर फायरिंग कर लोगो के बीच दहशत फैलाना चाहता था।

चिराग पासवान ने क्रिकेटर ईशान किशन से मुलाकात कर दी बधाई

पटना, (हि.स.)। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आज सुबह क्रिकेटर ईशान किशन के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। चिराग पासवान ने हाल में हुए एक दिवसीय मैच में ईशान के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी और उन्हें क्रिकेट के क्षेत्र में निरंतर बेहतर करने की शुभकामनाएं दी। इस दौरान ईशान और चिराग ने एक दूसरे का शॉल ओढ़ाकर अभिवादन किया। उल्लेखनीय है कि पटना में रहने वाले ईशान किशन ने 10 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने 210 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी शानदार पारी के बाद अब बीसीसीआई भी उन्हें इस प्रदर्शन का इनाम देने जा रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 120 वीं जन्मदिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

बेतिया, (हि.स.)। राष्ट्रीय किसान दिवस एवं भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी सह भारत सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 120 वी जन्म दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवीयो एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड ,डॉ शाहनवाज अली ,डॉ अमित कुमार लोहिया ,वरिष्ठ अधिवक्ता शंभू शरण शुक्ल, सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुवेर्दी ,पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज ही के दिन 23 दिसंबर 1902 को महान स्वतंत्रता सेनानी सह भारत सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का का जन्म हुआ था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों एवं मूल्यों के अनुरूप देश के विकास एवं किसानों के प्रति उनके मन में बहुत हमदर्दी थी। चौधरी चरण सिंह देश के ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्हें हमेशा सादगी के लिए जाना जाता है। जमीन से उठकर सियासत की बुलंदी तक पहुंचने वाले चौधरी चरण सिंह ने पूरे जीवन भर देश , किसानों, गरीबों और समाज के कमजोर वर्गों की लड़ाई लड़ी। इस अवसर पर वक्ताओं ने एक घटना याद करते हुए कहा कि किसानों की एक शिकायत का निस्तारण करने के लिए चौधरी चरण सिंह मैला कपड़ा पहने हुए किसान की वेशभूषा में इटावा के ऊसराहार थाने में रपट लिखाने के लिए पहुंच गए थे। 1979 में प्रधानमंत्री बनने के बाद चरण चौधरी चरण सिंह ने अगस्त महीने के दौरान शाम के वक्त मैली-कुचैली धोती पहनकर एक बुजुर्ग किसान उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ऊसराहार थाने में अपनी शिकायत लेकर पहुंचा। किसान ने थाने में अपने बैल के चोरी हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराने की कोशिश की। थाने में मौजूद दरोगा रुआबी भरे अंदाज में किसान से उल्टे-सीधे सवाल पूछने लगा। दारोगा ने बिना रिपोर्ट लिखे किसान को उल्टे पांव लौटा दिया। बुजुर्ग किसान के लौटते समय पीछे से एक सिपाही बोला कि थोड़ा खर्चा पानी देने पर रिपोर्ट दर्ज कर ली जाएगी। आखिरकार 35 रुपये की रिश्वत पर रिपोर्ट लिखे जाने की बात तय हुई। बुजुर्ग किसान की ओर से पैसा दिए जाने के बाद रिपोर्ट लिख ली गई। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद थाने के मुंशी ने बुजुर्ग किसान से सवाल पूछा कि वे हस्ताक्षर करेंगे या अंगूठा लगाएंगे। किसान ने हस्ताक्षर करने की बात कही तो मुंशी ने हस्ताक्षर के लिए कागज बढ़ा दिया। बुजुर्ग किसान ने हस्ताक्षर के लिए पेन निकालने के साथ स्याही वाला पैड उठाया तो मुंशी भी हैरान रह गया। बुजुर्ग किसान ने हस्ताक्षर करने के साथ कुर्ते की जेब से मुहर निकालकर थाने के कागज पर ठोक दी। मुहर पर लिखा हुआ था प्रधानमंत्री भारत सरकार। कागज पर प्रधानमंत्री की मुहर देखकर पूरे थाने में हड़कंप मच गया। वह बुजुर्ग किसान और कोई नहीं बल्कि भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह थे। रिश्वत लेने के मामले में बाद में पूरे ऊसराहार थाने को सस्पेंड कर दिया गया था।

बिहार की नीतीश सरकार की उम्मीद के अनुरूप काम कर रही एसवीयू

पटना, (हि.स.)। बिहार की नीतीश सरकार ने भ्रष्टाचार के लिए जीरो टालरेंस की नीति पर काम करते हुए विशेष निगरानी इकाई, निगरानी ब्यूरो और आर्थिक अपराध इकाई को भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की खुली छूट दे रखी है। इन तीनों जांच एजेंसियों में से विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) को बड़े-बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई का जिम्मा दिया गया है। दो साल में एसवीयू ने रिकार्ड कार्रवाई की है। कार्रवाई की जद में एक कुलपति, तीन आईपीएस अधिकारी व एक आईएएस अधिकारी आये हैं। विशेष निगरानी इकाई ने बीते दो वर्ष में 23 केस दर्ज किया है। वर्ष 2022 में 17 कांड दर्ज हुए हैं। इनमें 20 केस तो आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने को लेकर हुई है। इसके अलावा तीन केस भ्रष्ट अधिकारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार होने के संबंध में दर्ज किया गया है। एसवीयू ने ट्रैप के तीनों केस का अनुसंधान पूरा कर चार्जशीट भी दाखिल कर दिया है। वहीं, आय से अधिक संपत्ति के एक केस में भी आरोप पत्र समर्पित किया जा चुका है। साथ ही एक केस का अनुसंधान अंतिम चरण में है। संभावना है कि जनवरी 2023 में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के दूसरे केस में भी चार्जशीट दाखिल हो जाए। विशेष निगरानी इकाई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में जिन वीआईपी लोगों के खिलाफ विशेष निगरानी इकाई ने केस दर्ज कर छापेमारी की उनमें मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद भी शामिल हैं। इसके गया के पूर्व एसएसपी आदित्य कुमार, गया के पूर्व आईजी अमित लोढ़ा के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। पूर्णिया के एसपी रहे दयाशंकर के खिलाफ एसवीयू ने डीए केस दर्ज कर छापेमारी की थी। इसके अलावा गया के पूर्व डीएम अभिषेक सिंह के खिलाफ भी एसवीयू ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत केस दर्ज कर अनुसंधान कर रही है।

संपादकीय

चीन पर जुबानी जंग

चीन के मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष बिल्कुल बंटे हैं। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच मतभेदों की एक लकीर होती है, लेकिन ऐसी जुबानी जंग नहीं होनी चाहिए, जो देश की अखंडता, सेना, सुरक्षा और सीमाओं को ही सवालिया बना दे। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी देश की सेना, सरकार, सुरक्षा, संसद आदि सभी से खफा हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने बयान दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी बाहर से शेर की तरह बर्ताव करते हैं, लेकिन उनका चलना चूहे की तरह है।' ऐसे आपत्तिजनक बयानों का मतलब लोकतंत्र नहीं है। आप देश के प्रधानमंत्री के लिए ऐसी विद्रूप उपमाओं का कब तक प्रयोग करते रहोगे और उससे हासिल क्या होगा? कांग्रेस के ही सांसद मनीष तिवारी ने चीन की सीमा, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सेना की तैनाती को ही गलत करार दिया है। वाह! आश्चर्य है कि

अब सेना की कमान नहीं, कांग्रेस पार्टी, सरहदों पर सैन्य तैनाती का पाठ पढ़ाएगी! राहुल गांधी ने कहा था कि एलएसी पर हमारे सैनिकों को 'पीटा' जा रहा है। सरकार सोई हुई है। चीन युद्ध की तैयारियां कर रहा है। उसने हमारी 2000 वर्ग किलोमीटर ज़मीन पर कब्जा कर लिया है। सरकार किसी भी सवाल का जवाब नहीं देना चाहती। प्रधानमंत्री चीन का नाम लेने से डरते हैं। आखिर कांग्रेस नेता चीन की भाषा बोल कर और सैनिकों को अपमानित कर क्या पा लेना चाहते हैं? कमोबेश राहुल गांधी और मनीष तिवारी सरीखे सांसदों के बयान अनैतिक, गलत ही नहीं हैं, बल्कि देशहित के भी खिलाफ हैं। विदेश मंत्री जयशंकर पर भी टिप्पणी की गई थी कि वह पाकिस्तान पर अपनी सोच और समझ बड़ी करें। विडंबना है कि अब एक औसत सांसद एक पेशेवर राजनयिक, कई देशों में राजदूत रहे और देश के पूर्व विदेश सचिव सरीखी शख्सियत पर ऐसे वाहियात सवाल करेंगे! विदेश मंत्री जयशंकर ने राज्यसभा में, किसी भी सांसद का नाम लिए बिना, तल्ख अंदाज़ में सरकार का पक्ष रखा कि यदि सरकार उदासीन होती, तो एलएसी पर इतनी सेना तैनात करने का आदेश क्यों देती? सेना के 'पिटने' के साफ मायने हैं कि आप प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सेना, सैनिक, उनके परिजनों और अंततः देश का अपमान कर रहे हैं, उन्हें आहत भी कर रहे हैं। बहरहाल इस राजनीतिक पक्ष के अलावा, सेना के विभिन्न पूर्व जनरलों ने ऐसे नेताओं को लानत दी है, जो सेना को गालियां दे रहे हैं। हमारे सैनिक 13-17,000 फुट की ऊंचाई पर, बर्फीले मौसम और माइनस तापमान में भारत की चौकियों और सीमा की रक्षा कर रहे हैं। सेना कुछ मायनों में स्वायत्त है और वह सीमा पर रणनीति हालात के मुताबिक बना सकती है। कोई भी सरकार न तो सेना की उपेक्षा कर सकती है और न ही उसके हाथ बांध सकती है। चीन के साथ हमारे सीमा-विवाद बेहद अस्पष्ट हैं। चीन 'मैकमोहन रेखा' को ही नहीं मानता, लिहाजा विवाद गहराते और उलझते रहे हैं। चीन ऐसी हरकतें बहुत पहले से करता रहा है, क्योंकि यही उसकी फितरत है। जनरलों का साफ कहना है कि संसद में यह चर्चा नहीं की जा सकती कि हमारे लड़ाकू विमान कहां तैनात हैं। सेना की रणनीतिक व्यूह-रचना क्या है? हमारे परमाणु हथियारों की स्थिति क्या है? इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी पूर्वोत्तर में संबोधित करते हुए स्पष्ट किया है कि बॉर्डर पर नए पुल, नई सडक़ों, नई सुरंगों, हवाई पट्टियों आदि का निर्माण डंके की चोट पर किया जा रहा है। जितनी आवश्यकता होगी, हम उतना निर्माण करते रहेंगे। बॉर्डर के इलाके देश की सुरक्षा के गेट-वे हैं।

चीन युद्ध की तैयारियां कर रहा है।उसने हमारी 2000 वर्ग किलोमीटर ज़मीन पर कब्जा कर लिया है।सरकार किसी भी सवाल का जवाब नहीं देना चाहती।प्रधानमंत्री चीन का नाम लेने से डरते हैं। आखिर कांग्रेस नेता चीन की भाषा बोल कर और सैनिकों को अपमानित कर क्या पा लेना चाहते हैं? कमोबेश राहुल गांधी और मनीष तिवारी सरीखे सांसदों के बयान अनैतिक, गलत ही नहीं हैं, बल्कि देशहित के भी खिलाफ हैं।विदेश मंत्री जयशंकर पर भी टिप्पणी की गई थी कि वह पाकिस्तान पर अपनी सोच और समझ बड़ी करें।

कुछ अलग

कितना उचित, कितना अनुचित

कठिन फैसलों की बिसात पर सुक्खू सरकार ने सारा हिमाचल छान मारा है, लेकिन तर्क व गवाहियों की शक्ल में इम्तिहान बाकी है। कमोबेश हर विभाग का कान पकड़ा जा रहा है और पिछली सरकार के अंतिम चरण में घोषणाओं के कारवां ने जितनी धूल उड़ाई थी, उसे छांट कर देखा जा रहा है। यह सत्ता के औचित्य और सरकार के अनुचित कदमों के बीच का अंतर है। यह रेवडियों के मौसम में राज्य के लुटने का खामियाजा भी है। यह खेल सिर्फ भाजपा ने शुरू किया या इसे केवल कांग्रेस ही बंद करेगी, इसे लेकर संदेह है, लेकिन संसाधनविहीन प्रदेश में इन तमाम सियासी इश्तिहारों से खजाना सिसक जरूर रहा है। सुक्खू सरकार ने पिछली सरकार की चुनाव से ठीक पूर्व हुई सियासी बरसात पर रोक लगाई यानी अंतिम चरण के तमाम फैसलों पर विराम लगाने की खबर है। यह परंपरा कहीं तो टूटनी चाहिए, इसलिए सुक्खू सरकार का एक पक्ष सही हो सकता है, यदि चिंताएं खजाने को लेकर ईमानदारी से खुद को निचोड़ रही हैं, वरना सरकारी कामकाज की निरंतरता में राजनीति अपने खेल खेलती रही है। पिछले चुनावों की परिपाटी में 'मिशन रिपीट' की भूख ने कमोबेश हर सरकार के अंतिम चरण को इतना उदार बना दिया कि उचित और अनुचित का भेद ही मिट गया। नए शिक्षण संस्थानों की फेहरिस्त में अब तो विश्वविद्यालय और मेडिकल कालेज भी बंटने लगे हैं। नए कार्यालयों का औचित्य उनकी भूमिका में नगण्य रहा है, लेकिन राजनीति ने अपना दिल खोलने की सजा से हिमाचल के खजाने को अंधा और बहरा बना दिया। ऐसे में सुक्खू सरकार की पड़ताल के औचित्य को कम से कम हिमाचल की आर्थिक स्थिति समझ रही है, लेकिन नीयत को साबित करने की चुनौती है। बिजली बोर्ड के 32 कार्यालय अगर बंद हो रहे हैं, तो इस पड़ताल के तमाम साक्ष्य सामने लाने होंगे ताकि घाटे के उपक्रम हिमाचली भविष्य की सदियां न गंवा दे। पूर्व बागबानी मंत्री के गृह क्षेत्र में खुला डिप्टी डायरेक्टर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हार्टिकल्चर कार्यालय का बंद होना, पिछली सरकार के समीकरणों के उत्पाद को बौना करता है। इतने बड़े व महत्त्वपूर्ण कार्यालय का एक गांव में खुलना अगर सियासी नहीं था, तो इसके बंद होने के तर्क राजनीतिक क्यों माने जाएं। खैर कार्यालयों के खुलने का औचित्य अगर ईमानदार नहीं रहा, तो इनके बंद होने के कारण तो पवित्र बनाने ही पड़ेंगे। अगर यह सरकारी धन से बंटी रेवडियां मानी जाएं, तो कांग्रेस की दस गारंटियों में भरी गई सारी मिठास भी कुछ ऐसी ही तासीर प्रकट करती है। जाती हुई सरकार ने मुफ्त बिजली की ओर जो दिशा चुनी थी, उसका अनुसरण करती हुई कांग्रेस सरकार अगर तीन सौ यूनिट फ्री बिजली बांटती है, तो यह शगुन महंगा ही है। पिछली सरकार ने महिला यात्रियों को एचआरटीसी की बसों में पचास फीसदी छूट दी है, तो क्या इस फैसले को पलट कर निगम के 13 सौ करोड़ के घाटे को घटाना औचित्यपूर्ण नहीं होगा। हमारा मानना है कि आज तक के तमाम फैसलों से प्रदेश के संसाधनों की कई मौकों पर तौहीन हुई है और उन मुहावरों का भी नुकसान उठाना पड़ा जो सरकारों के अंतिम चरण में तख्तियां या विकास के होर्डिंग बांटते रहे।

सुक्खू सरकार ने पिछली सरकार की चुनाव से ठीक पूर्व हुई सियासी बरसात पर रोक लगाई यानी अंतिम चरण के तमाम फैसलों पर विराम लगाने की खबर है।यह परंपरा कहीं तो टूटनी चाहिए, इसलिए सुक्खू सरकार का एक पक्ष सही हो सकता है, यदि चिंताएं खजाने को लेकर ईमानदारी से खुद को निचोड़ रही हैं, वरना सरकारी कामकाज की निरंतरता में राजनीति अपने खेल खेलती रही है।

गुजरात जो चाहे भूकम्प में बर्बाद हो गया परन्तु राष्ट्रवादियों के हाथ में था

राष्ट्रवादी विचारधारा विकास की वाहक है जबकि वामपंथी विचारधारा विनाश की

राकेश सैनराकेश सैन

प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि इससे बारे जो कोई जो भी आंकड़े दे वो सारे सत्य हैं।बर्बादी के 21-22 साल बाद वही गुरजात आज न केवल दोबारा अपने पैरों पर खड़ा हो गया बल्कि देश के विकास का इञ्जन बन रक उरभा है।चमकते-दमकते शरह, नरगों का आभास देते गांव, बहुमञ्जिला इमारतें, लम्बी-चौड़ी सडक़ों पर रसपट दौड़ती महंगे ब्राण्डों वाली गाड़ियां, कुलांचे रभता व्यापार, उद्योगपतियों व व्यापारियों की सबसे पसन्दीदा जगह, विदेशों में गुरजाती व्यवसाइयों का बोलबाला और समृद्धि की रह कसौटी पर खरा उरतने की योग्यता, आज क्या नहीं है गुरजात में? कैसे हुआ ? बंगाल विकसित से बीमारू राज्य बना तो लगभग उतने ही कालखण्ड में गुरजात बर्बादी के बाद विकसित कैसे बना? यही अन्रत है देश की जमीन से जुड़ी राष्ट्रवादी और विदेश से आयातित वामपन्थी विचारधाराओं के बीच।

1965 में सिंगापुर के प्रथम प्रधानमन्त्री ली कुवान यू ने कहा 'मैं सिंगापुर को कलकत्ता बनाना चाहता हूं।' इन्हीं साहब ने 2007 में अपने पुत्र से कहा 'बेटा, थोड़ी लापरवाही हुई तो सिंगापुर को कलकत्ता बनने में देर न लगेगी।' आखिर क्या हुआ 1965 और 2007 के बीच? उत्तर है कि इस दौरान राज्य में वामपन्थियों का शासन था। वामपन्थियों द्वारा सम्भाले गए राज्य बंगाल में क्या नहीं था उनके पास! बन्दरगाह, पास में ही बिहार में खनिज व कोयले के भण्डार, मैदानी क्षेत्रों से जुड़ी हुई रेल सेवा, जलसंसाधनों से भरपूर दामोदर घाटी, बेहतरीन विद्युत संजाल, चाय बागान, सस्ती कुशल श्रम शक्ति इत्यादि..इत्यादि।

कम्युनिस्ट जब शासन से विदा हुए तो पीछे छोड़ गये कंगाल बंगाल, जो 34 साल पहले विकसित राज्य कहा जाता था। दूसरी ओर है गुजरात। 26 जनवरी, 2001 को भूकम्प ने राज्य के बहुत बड़े भाग को लगभग बर्बाद कर दिया, कितनी जन हानि हुई और कितनी धन की, इसका सही-सही आकलन शायद ही आज तक लग पाया हो। इस अपार हानि को देख कर तत्कालीन प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि इससे बारे जो कोई जो भी आंकड़े दे वो सारे सत्य हैं। बर्बादी के 21-22 साल बाद वही गुजरात आज न केवल दोबारा अपने पैरों पर खड़ा हो गया बल्कि देश के विकास का इञ्जन बन कर उभरा है। चमकते-दमकते शहर, नगरों का आभास देते गांव, बहुमञ्जिला इमारतें, लम्बी-चौड़ी सडक़ों पर सरपट दौड़ती महंगे ब्राण्डों वाली गाड़ियां, कुलांचे भरता व्यापार, उद्योगपतियों व व्यापारियों की सबसे पसन्दीदा जगह, विदेशों में गुजराती व्यवसाइयों का बोलबाला और समृद्धि की हर कसौटी पर खरा उतरने की योग्यता, आज क्या नहीं है गुजरात में? कैसे हुआ ? बंगाल विकसित से बीमारू राज्य बना तो लगभग उतने ही कालखण्ड में गुजरात बर्बादी के बाद विकसित कैसे बना? यही अन्तर है देश की जमीन से जुड़ी राष्ट्र वादी और विदेश से आयातित वामपन्थी विचारधाराओं के बीच।

वामपन्थी विचार देश में विनाश की और राष्ट्रवादी विचारधारा

विकास का वाहक बनी। वामपन्थियों ने बंगाल और राष्ट्रवाद की वाहक भाजपा ने गुजरात में एक समान लगातार सात चुनाव जीते हैं तो दोनों विचारधाराओं का तुलनात्मक अध्ययन जरूरी हो जाता है। बात करते हैं वामपन्थ की, अपने 34 वर्ष के कार्यकाल में मार्क्सवादियों का एक ही लक्ष्य था कि हर कीमत पर अपनी पार्टी को सत्ता में रखना। इसके लिए बंगाल में चलता था सिर्फ कम्युनिस्ट डण्डा। हावड़ा स्टेशन पर टैक्सी चलानी है तो, स्कूल मास्टर की नौकरी करनी है तो, सरकारी ठेका लेना है तो, इन सबके लिए सबसे पहले कम्युनिस्ट पार्टी का सदस्य बनें। वेतन वाले दिन पार्टी के खाते में चन्दा जमा करें। पढ़ाई करनी है तो कम्यूनिस्ट छात्र संघ, फैक्ट्री में काम करना है तो कम्युनिस्ट यूनियन की सदस्यता लें। जो कम्युनिस्ट नहीं, उसके लिए बंगाल में कोई जगह नहीं। पार्टी में आओ फिर चाहे खुल कर मनमानी करो। रोज हड़ताल, चक्का जाम, इसको पीटो-उसको तोड़ो, पुलिस को लतिया दो, कोई कुछ नहीं कहेगा। एक पान बीड़ी की दुकान भी कोई लगाता था तो पहुंच जाते थे कॉमरेड रसीदबुक ले कर पर्ची काटने। कामरेडों के सत्ता सम्भालते ही मारवाड़ी उद्योगपतियों को ब्लैकमेल किया जाने लगा, चन्दा दो नहीं तो हड़ताल।

सत्ता बन्दूक की नाल से निकलती है के ध्येय वाक्य में विश्वास रखने वाले वामपन्थियों में दूरदर्शिता की ही कमी न थी कि रही सही कसर उनके हिंसक व्यवहार ने पूरी कर दी। वैसे बंगाल में वामपन्थियों का पदार्पण भी 1953 में हुए तेभागा व 1959 में हुए खाद्य जैसे हिंसक आन्दोलनों से ही हुआ। 1953 में बंगाल सरकार ने ट्राम के किरायों में एक पैसे की वृद्धि कर दी जिसके खिलाफ वामपन्थियों ने हिंसक तेभागा आन्दोल चलाया जिसमें सैंकड़ों लोग मारे गए और करोड़ों की संपति स्वाह हुई। इसी तरह 1959 में जन वितरण प्रणाली को लेकर खाद्य आन्दोलन चला जिसकी परिणति भी मानव व सार्वजनिक संपत्ति की बलि के रूप में हुई। 1967 में बंगाल से नक्सवादी आन्दोलन की शुरूआत हुई जिसकी आंच में आज तक देश के विभिन्न हिस्से झुलस रहे हैं। इसके अतिरिक्त 2006 और 2008 में सिंगूर, नन्दीग्राम, मिदनापुर जैसे कितने नरसंहार हुए, इन 34 सालों में कितनी राजनीतिक हत्याएं, चुनावी हिंसा हुई इसका अंश मात्र भी जिक्र किया जाए तो हिंसा और अत्याचारों का छोटा-मोटे विश्वकोश तैयार हो सकता है। वामपन्थियों द्वारा राज्य में शुरू की गई हिंसा की परम्परा आज भी तृणमूल कांग्रेस निभा रही है जो वामपन्थियों की खूनी राजनीति के प्रतिरोध स्वरूप पैदा हुई। ऐसा नहीं था कि कम्युनिस्ट राज में सिर्फ निजी क्षेत्र ही बर्बाद हो रहा था। नासमझ लोग इसी में खुश थे कि पार्क स्ट्रीट में जो दही का कुल्हड़ 1980 में एक रुपए का था वो वर्ष 2000 में भी इतने का ही मिल रहा है। मगर समझदार लोग समझ चुके थे कि तरक्की रुक चुकी है इस राज्य की। आर्थिक जड़ हो चुका है ये प्रदेश, इसलिए कथित क्रान्ति का मोह छोड़ा और पलायन कर गए।

जब तक वामपन्थियों को कुछ समझ आती तब तक उनके किले की रेत खिसक चुकी थी, टाटा सिंगूर और नन्दीग्राम को टाटा करके गुजरात में अपना प्लाण्ट लगा चुका था। वहीं गुजरात जो चाहे भूकम्प में बर्बाद हो गया परन्तु राष्ट्रवादियों के हाथ में था। वामपन्थियों पर हर चुनावों में बन्दूक की नोक पर सत्ता हथियाने और अलोकतान्त्रिक रूप से सरकारें चलाने के आरोप लगे पर गुजरात में जितने भी चुनाव हुए वह पूरी तरह हिंसामुक्त रहे। वामपन्थियों ने लगातार सात चुनाव जीत कर बंगाल को बर्बाद किया और गुजरात में भाजपा की हुई सातवीं लगातार जीत के बाद गुजरात विकास की नई कथाएं लिखता नजर आ रहा है। देश के वामपन्थियों को भाजपा से कुछ सीखना चाहिए।

क्या नई सरकार खेल विभाग की सुध लेगी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी रकोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत रक सर्वश्रेष्ठ सिद्ध रकता है तो उसके पीछे जहाँ उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश रसकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास रकना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकरत नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाये हैं। उपनिदेशक और कभी कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होरक पहुंच जाते हैं।

पिछली सरकार के पूरे कार्यकाल में सुनते रहे कि सरकार नयी खेल नीति बना कर हिमाचल प्रदेश की खेलों को बहुत ऊंचाई देगी, मगर पांच साल में केवल खेल नीति ही कागजों तक आई। दशकों से हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों से अन्याय हो रहा है। कहा गया कि प्रशिक्षक कैडर के भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार कर लिया है मगर अभी तक जूनियर प्रशिक्षक का स्केल और काम जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी का लिया जा रहा है। इस विषय पर इस कालम के माध्यम से बार बार सरकार को चेताया कि राज्य में प्रशिक्षकों का स्तर ऊंचा किये बिना खेलों में उत्कृष्टता हासिल नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी करोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करता है तो उसके पीछे जहाँ उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाये हैं। उपनिदेशक और कभी कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है। आजकल हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के पास कोई भी उपनिदेशक नहीं है। वरिष्ठ जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी को उपनिदेशक के पद पर बिठा कर काम चलाया जा रहा है। नियमित जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी भी केवल चार ही जिलों में थे। अभी कुछ नियुक्तियां हुई हैं। राज्य के शेष जिलों में कामचलाऊ अधिकारी बिठा रखे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्दी ही उपनिदेशक के पद पर नियमित पदोन्नति की जाए तथा जिलों में भी नियमित अधिकारी हों। इस समय जो प्रशिक्षक जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी के पद पर तदर्थ कार्य कर रहे हैं उन्हें एकमुश्त नियमों में छूट देकर नियमित अधिकारी बना दिया जाए। इस विषय पर पहले भी इस कालम के माध्यम से लिखा जा चुका है मगर लगता है कि सरकार के लिए युवा शक्ति व खेल प्राथमिकता पर नहीं हैं। विभाग में नाम मात्र के प्रशिक्षक हैं। अधिकतर खेलों में तो एक भी प्रशिक्षक पूरे जिले के लिए उपलब्ध नहीं है। विभाग में जो प्रशिक्षक नियुक्त हैं उन्हें कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर नियुक्ति मिली है। उसके बाद वे सेवानिवृत्ति तक भी प्रशिक्षक नहीं बन पाये हैं। विभाग में नियुक्त प्रशिक्षकों को जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए केवल 25 प्रतिशत ही कोटा है। 50 प्रतिशत युवा संयोजक व 25 प्रतिशत पद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं। प्रशिक्षक बनने की योग्यता बहुत कठिन है। स्नातक डिग्री के साथ जो प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हो या तीन बार वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हुआ हो या शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में खेला हो, उसके बाद राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान में प्रवेश परीक्षा पास कर एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण व शिक्षण के बाद प्रशिक्षक बनता है। सेवा नियमों में एक समय एमपीएड के साथ कंडेंस कोर्स जो छह माह का होता था, उसे पास किया हुआ प्रशिक्षक के पद के लिए योग्य था, मगर अब ऐसा कोई नियम नहीं है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश में नियुक्त कनिष्ठ प्रशिक्षकों को पांच साल के बाद प्रशिक्षक के पद पर पदोन्नत कर 50 प्रतिशत कोटा जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए दिया जाए, क्योंकि प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है। अगर हर खेल में जिला स्तर पर पांच प्रशिक्षक भी हों तो प्रशिक्षकों की संख्या सौ से भी अधिक जा सकती है। इसके मुकाबले बारह जिलों में बारह ही युवा संयोजक नियुक्त हैं। इस तरह देखा जाए तो यह प्रशिक्षकों के साथ बहुत अन्याय है। प्रदेश में विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तो बन कर तैयार हैं मगर उनका न तो सही रखरखाव है और न ही उन पर उस स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम हो रहा है। सरकार को चाहिए कि वहां पर उन खेलों में उच्च प्रदर्शन करवाने वाली खेल अकादमियां स्थापित की जाएं। हिमाचल प्रदेश में युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के दो खेल छात्रावास बिलासपुर व ऊना में कुछ चुनिंदा खेलों के लिए कामचलाऊ प्रशिक्षण प्रंबध तो है, मगर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों की कमी व प्रबंधन में अव्यवस्था साफ देखी जा सकती है। उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षक बहुत कम हैं क्योंकि विभाग में प्रशिक्षकों की अनदेखी जिसमें बहुत कम ग्रेड पे व दशकों से कनिष्ठ पद पद पर कार्यरत रहने के कारण राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षित प्रशिक्षक खेल विभाग में प्रशिक्षक बनने से अधिक शिक्षा विभाग में प्राध्यापक या डीपीई बनने को अधिमान देते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए प्रशिक्षकों व खिलाडियों के लिए एक अच्छी प्रबंधन टीम की अहम भूमिका है। सही प्रबंधन मिले, इसके लिए नियमित जिला खेल अधिकारियों, उपनिदेशकों, प्रशिक्षकों, अन्य अधिकारियों की नियुक्ति बेहद जरूरी है। खिलाड़ी को तैयार करने में प्रशिक्षक की भूमिका जब बेहद जरूरी है तो फिर हम उसे सामाजिक व आर्थिक रूप से निश्चिंत कर शारीरिक व मानसिक पूरी तरह अपने प्रशिक्षण पर केन्द्रित क्यों नहीं होने देते। इसलिए राज्य के युवा सेवाएं एवं खेल विभाग में प्रशिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए इनके भर्ती व पदोन्नति नियमों में संख्या अनुपात में संशोधन करना बहुत जरूरी है। अब नई बनी सरकार को चाहिए कि प्रशिक्षक कैडर को जल्दी न्याय दे।

देश दुनीया से

बिलावल की बदजुबानी

बिलावल भुट्टो जरदारी पाकिस्तान के विदेश मंत्री हैं। वह एक सियासी विरासत का चेहरा भी हैं। उनकी माता बेनज़ीर भुट्टो पाकिस्तान की दो बार प्रधानमंत्री चुनी गईं। उनके पिता आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति बने। उनके नाना ज़ुल्फिकार अली भुट्टो उस दौर में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे, जब भारत के साथ युद्ध हुआ और पाकिस्तान के 93,000 से ज्यादा फौजियों को हमारी सेना के सामने आत्म-समर्पण करना पड़ा। बिलावल को अतीत की ऐसी घटनाओं से 'मिर्ची' लगती है, लेकिन यह तो ज़िंदा इतिहास है। बिलावल किन सियासी हालात और समीकरणों के तहत विदेश मंत्री बनाए गए, उससे हमारा कोई सरोकार नहीं, लेकिन ऐसे ओहदेदार से न्यूनतम अपेक्षा रहती है कि उसे कूटनीति, विदेश नीति और राजनयिक धर्म का 'ककहरा' जरूर आता हो। बिलावल को युवा, अनुभवहीन और प्रशिक्षु मानकर छोड़ा नहीं जा सकता। उन्हें कमोबेश इतनी तमीज तो सीखनी या सिखाई जानी चाहिए थी कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सरीखे वैश्विक मंच पर कैसी भाषा और जुबान बोलनी चाहिए। कमोबेश किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री के प्रति बदजुबानी, बदतमीजी का व्यवहार तो कतई अस्वीकार्य है, लेकिन बिलावल किसी खास तरह के सियासी अहंकार के शिकार हैं, लिहाजा भारत जैसे विराट, लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री मोदी को उन्होंने 'बूचर' (कसाई) करार दे दिया-'बूचर ऑफ गुजरात।' यह भी कहा कि बूचर आज भी ज़िंदा है और भारत का प्रधानमंत्री है। मोदी आरएसएस के प्रधानमंत्री हैं और आरएसएस हिटलर से प्रेरित है। प्रधानमंत्री बनने से पहले अमरीका ने मोदी पर पाबंदी लगा रखी थी। हमारे प्रधानमंत्री के प्रति ऐसे शाब्दिक अपमान की बेहद तल्ख़ और उग्र प्रतिक्रिया हुई। देश भर में बिलावल के पुतले फूंके गए। पाक दुतावास के बाहर गुस्सैल प्रदर्शन किए गए। बिलावल से माफी मांगने के आग्रह भी किए गए, लेकिन बिलावल अब भी अपने अहंकार के खोल में छिपे हैं। विपक्षी कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों ने भी बयान दिए कि भारत के प्रधानमंत्री का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल बिलावल आतंकवाद पर चर्चा और हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर की टिप्पणियों से इतना तिडक़ गए कि पलट कर प्रधानमंत्री मोदी को ही 'बूचर' करार दे दिया। जयशंकर के इस कथन में क्या गलत था कि पाकिस्तान ने 'सांप' (आतंकी) पाल रखे हैं। इस आशय की टिप्पणी तो कुछ साल पहले अमरीका की विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी की थी कि वे सांप पाकिस्तान को ही डस सकते हैं। आतंकवाद पर पाकिस्तान का यथार्थ दुनिया भर में कौन नहीं जानता! हमारे विदेश मंत्री ने 26/11 मुंबई और संसद भवन पर पाकपरस्त आतंकी हमलों का जिक्र किया था। साथ में यह भी साफ किया था कि आतंकवाद के खात्मे तक भारत चैन से नहीं बैठेगा। लादेन जैसे आतंकियों को पनाह देने का संदर्भ आया, तो बिलावल बिलबिला उठे और 'बूचर ऑफ गुजरात' की बात कह दी। दरअसल संदर्भ 2002 के गोधरा दंगों का था, जिनके मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी के लिए बेहद अपमानजनक शब्दावली का इस्तेमाल किया गया। 2002 में मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन दंगों पर विभिन्न जांच, न्यायिक आयोगों से लेकर सर्वोच्च अदालत तक सभी ने मोदी को 'दोषमुक्त' पाया है और उन्हें तमाम आरोपों से बरी भी किया है। बिलावल को प्रधानमंत्री मोदी में 'कसाई' या 'जल्लाद' कहां से दिख पड़ा, इसका खुलासा तो वह ही करेंगे, लेकिन एक बार फिर यह धारणा स्थापित, सत्यापित हुई है कि पाकिस्तान की हवाओं, सांसों और धडक़नों में भारत के प्रति नफरत का भाव ही मौजूद है। हालांकि पाकिस्तान के अवाम ने अपने ही विदेश मंत्री की जुबान और भाषा की निंदा, भत्र्सना की है, लेकिन हुकूमत में से किसी की भी कोई गौरतलब टिप्पणी नहीं आई है। भारत सरकार ने फिलहाल किसी कड़ी कार्रवाई के संकेत नहीं दिए हैं। अलबत्ता बिलावल के शब्दों को निंदनीय जरूर करार दिया है।

बिलावल को अतीत की ऐसी घटनाओं से 'मिर्ची' लगती है, लेकिन यह तो ज़िंदा इतिहास है। बिलावल किन सियासी हालात और समीकरणों के तहत विदेश मंत्री बनाए गए, उससे हमारा कोई सरोकार नहीं, लेकिन ऐसे ओहदेदार से न्यूनतम अपेक्षा रहती है कि उसे कूटनीति, विदेश नीति और राजनयिक धर्म का 'ककहरा' जरूर आता हो। बिलावल को युवा, अनुभवहीन और प्रशिक्षु मानकर छोड़ा नहीं जा सकता। उन्हें कमोबेश इतनी तमीज तो सीखनी या सिखाई जानी चाहिए थी कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सरीखे वैश्विक मंच पर कैसी भाषा और जुबान बोलनी चाहिए।

नागरिक बोध

सरपंचपति खत्म कर रहे महिलाओं की राजनीति

भारत में, लोकसभा में महिलाओं का अनुपात 2009 में 10.6% से बढ़कर 2014 में 11.4% और 2019 में 14.4% हो गया है। यह देश के इतिहास में संसद में महिलाओं की सबसे अधिक संख्या है। हालांकि, लगातार वृद्धि दिखाने के बावजूद, महिलाओं का अनुपात अभी भी प्रभावित नहीं कर रहा है और बहुत कम बना हुआ है। अंतर-संसदीय संघ की महिला संसदीय प्रतिनिधित्व की वैश्विक रैंकिंग के अनुसार, भारत 2020 में 143वें स्थान पर है, जो पाकिस्तान (106), बांग्लादेश (98), और नेपाल (43) जैसे एशियाई समकक्षों से पीछे है। महिला सशक्तिकरण के लिये शासन द्वारा नौकरियो से लगातार जनता के मध्यम सेचुने जाने वाले जनप्रतिनिधियों केपदों में महिला आरक्षण की व्यवस्था की गई है। 73 वे संवैधानिक संशोधन के माध्यम से, पंचायतों में एक तिहाई सीटें महिलाओ के लिये आरक्षित की गई थी। कई राज्यों ने आरक्षित सीटों की मात्रा पचास प्रतिशत तक बढ़ा दी। इसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और जमीनी स्तर पर राजनीतिक प्रक्रिया और निर्णय लेने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। हालांकि महिलाओ की खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति और प्रचलित पितृसत्तात्मक स्थापना के कारण, पंचायत स्तर पर महिलाओ को नेतृत्व का पूरा लाभ नही मिल पाया। राजनीतिक शक्ति और निर्णय लेले का काम निर्वाचित महिला प्रतिनिधियो के पतियों द्वारा किया जाता है और इस घटना को सरपंच पति के रूप में जाना जाता है। सरपंच पति बैठकों में जाते है और महिला सरपंच को घूंघट में कैद करके रखा जाता है। जब तक घूंघट रहेगा तब तक महिलाये आगे नही बढ सकती। ऐसे कई मामले सामने आये है जिनमें बताया गया है कि सरपंच पति ग्राम पंचायत के सारे कामकाज में दखल देते है साथ ही उन पर अभद्रता के आरोप भी लगाये गए है।कानून ने महिलाओं को अधिकार दिये है। जब कानून महिलाओ को अधिकार देता है तो उन्हें राजनीतिक नेतृत्व का अवसर भी मिलना चाहिये। उन्हें सामाजिक, आर्थिक कार्यो के साथ-साथ राजनीतिक कार्यों में भी आगे बढना चाहिये। पंचायतो में सीटों का आरक्षण महिलाओ के सशक्तिकरण के लिये क्रान्तिकारी कदम था। कम प्रतिनिधित्व का कारण पितृसत्ता आज भी एक कारण है, महिलाओं के पास हालांकि शक्ति है लेकिन वे इसका अनुभव नहीं करती हैं क्योंकि निर्णय पुरुष भागीदारों या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा प्रभावित होते हैं। सरपंचपति के निर्माण के रूप में यह पंचायती में बहुत अधिक दृष्टिगोचर होता है। राजनीतिक शिक्षा का अभाव महिलाओं की सामाजिक गतिशीलता को प्रभावित करती है। शैक्षिक संस्थानों में प्रदान की जाने वाली औपचारिक शिक्षा नेतृत्व के अवसर पैदा करती है और नेतृत्व के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करती है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका से और दूर हुई राहत, जनवरी में भी आईएमएफ से कर्ज मिलने की उम्मीद नहीं

कोलंबो। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मंजूर कर्ज की रकम संभवतया जनवरी में भी श्रीलंका को नहीं मिल पाएगी। ऐसे संकेतों से यहां मायूसी और बढ़ी है। आईएमएफ ने श्रीलंका के लिए 2.9 बिलियन डॉलर का कर्ज मंजूर किया है। लेकिन इसके साथ उसने जो शर्तें लगाई हैं, श्रीलंका अभी उन्हें पूरा नहीं कर पाया है। इसलिए कर्ज मिलने में लगातार देर हो रही है। श्रीलंका के वित्त राज्यमंत्री शेहान सेमासिंघे ने कहा है कि कर्जदाता देशों के साथ डेट रिस्ट्रक्चरिंग (कर्ज चुकाने की समयसीमा में बदलाव) को लेकर चल रही बातचीत में देर हो रही है। उन्होंने इन वार्ताओं को जटिल बताया और कहा कि इसमें देर के कारण आईएमएफ का कर्ज संभवतया जनवरी तक नहीं मिल पाएगा। इसके पहले श्रीलंका सरकार के अधिकारियों ने उम्मीद जताई थी कि चालू वर्ष के अंत तक आईएमएफ से कर्ज मिल जाएगा। बाद में उन्होंने जनवरी में इसके मिलने की संभावना जताई थी। लेकिन अब साफ संकेत हैं कि अगले महीने भी ये उम्मीद पूरी नहीं होगी। जबकि श्रीलंका की क्रेडिट रेटिंग में सुधार के लिए आईएमएफ का कर्ज मिलना बेहद जरूरी है। समझा जाता है कि आईएमएफ का ऋण मिलने के बाद श्रीलंका के लिए अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार से अतिरिक्त कर्ज लेने का रास्ता साफ जाएगा। सेमासिंघे ने कहा- 'हम इस बात की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि आईएमएफ का कर्ज अगले साल की पहली तिमाही में हमें मिल जाए। ऋण पाने के लिए सरकार को जो कदम उठाने थे, उन्हें वो पहले ही उठा चुकी है।

अमेरिका में बर्फबारी और बढ़ती ठंड के चलते 2 हजार उड़ानें कैंसिल

वाशिंगटन। अमेरिका में मौसम संबंधी परेशानियों के कारण क्रिसमस से पहले तीन हजार उड़ानें रद्द कर दी गई या फिर देरी से चल रही है। बताया जा रहा है कि अमेरिका में बाहर जाने वाली और घरेलू कुल 1445 उड़ानों को रद्द किया गया है। इसके अलावा 1631 उड़ानों में विलंब हुआ है।

शिकागो में उड़ानों में सबसे अधिक बदलाव हुआ हैं। शिकागो ओ'हारे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को करीब 460 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और 90 से अधिक उड़ानें स्थगित करना पड़ा। शिकागो मिडवे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 200 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। अमेरिका की राष्ट्रीय मौसम सेवा ने अगले कुछ दिनों के लिए अमेरिका के अधिकतर क्षेत्र के लिए चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि शक्तिशाली शीतकालीन तूफान मध्य और पूर्वी अमेरिका में व्यापक विघटनकारी और प्रभावी हो सकता है। बयान में कहा गया है कि देश के पूर्वी हिस्से में शुक्रवार तक रिकॉर्ड तोड़ ठंड और जानलेवा हवाएं चलेंगी। ओरेगॉन और वाशिंगटन प्रांतों के कुछ इलाकों में भारी बारिश के आसार है। मौसम सेवा ने वाशिंगटन से फ्लोरिडा तक 30 से अधिक राज्यों में ठंडी हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

रूस के राष्ट्रपति बोले- यूक्रेन से युद्ध खत्म करना हमारा लक्ष्य

मास्को। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के अमेरिका दौरे के बीच युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बयान आया है। उन्होंने कहा कि रूस अब युक्रेन में युद्ध को खत्म करना चाहता है, लेकिन इसके लिए कूटनीतिक समाधान करना होगा। पुतिन ने कहा कि हमारा लक्ष्य इस संघर्ष को समाप्त करना है। हम इसके लिए प्रयास कर रहे हैं और प्रयास करना जारी रखेंगे। इसलिए हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि यह सब समाप्त हो जाए और जितनी जल्दी हो, उतना अच्छा है। हालांकि पुतिन की टिप्पणियों पर युक्रेन और उसके सहयोगियों ने संदेह व्यक्त किया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि युक्रेन में संघर्ष के शीघ्र अंत के लिए अनिवार्य रूप से एक कूटनीतिक समाधान शामिल होगा। वहीं, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि पुतिन ने संकेत दिया है कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं। 24 फरवरी को युक्रेन पर रूस के आक्रमण के साथ शुरू हुए युद्ध का अंत अभी नहीं लग रहा है। किर्बी ने एक ऑनलाइन ब्रीफिंग के दौरान संवाददाताओं से कहा, जो कुछ भी वह (पुतिन) जमीन पर और हवा में कर रहे हैं, वह एक ऐसे व्यक्ति की छवि बनाता है जो युक्रेन लोगों पर हिंसा जारी रखना चाहता है और युद्ध आगे बढ़ना चाहता है। अमेरिकी दौरे पर युक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वे रूस से युद्ध खत्म करने के लिए कोई समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने रूसी हमले से मुकाबला करने के लिए अमेरिकी समर्थन पर अदा करते हुए कहा, हम झुकने वाले नहीं हैं। जेलेंस्की ने अमेरिकी संसद में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बैठक में उन्होंने 10 बिंदुओं वाले शांति सूत्र का प्रस्ताव रखा है, जो भविष्य में साझा सुरक्षा गारंटी देगा। इससे कुछ समय पहले अमेरिका ने युक्रेन को 1.85 अरब डॉलर की सैन्य सहायता देने की घोषणा की। अमेरिकी संसद में जेलेंस्की ने कहा, वह इस यात्रा पर पहले आना चाहते थे लेकिन इस वक्त उनकी यात्रा बताती है कि अमेरिकी मदद से अब हालात काबू में हैं।

देउबा की राह में अड़चन बने उनकी पार्टी के ही नेता, आगे राह आसान नहीं

काठमांडो। नेपाली कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल का फिर से नेता चुन लिए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की आगे की राह आसान नहीं है। ऐसा संकेत उनकी पार्टी के अंदर चल रही गतिविधियों से मिला है। देउबा ने बुधवार को संसदीय दल के नेता पद के चुनाव में पार्टी के महासचिव गगन थापा को हराया था। अब खबर है कि देउबा और नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शेखर कोइराला ने पार्टी के देउबा गुट के खिलाफ मोर्चाबंदी कर ली है।

थापा ने एलान कर दिया है कि वे अगली सरकार में शामिल नहीं होंगे, चाहे उसका नेतृत्व देउबा करें या फिर सत्ताधारी गठबंधन में शामिल किसी दूसरी पार्टी का नेता। उन्होंने कहा- 'मैं पीढ़ी परिवर्तन के पक्ष में हूं।' उनका इशारा 76 वर्षीय देउबा की उम्र की तरफ था। थापा 46 साल के हैं। पार्टी के एक अन्य महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने भी एलान कर दिया है कि वे अगली सरकार में मंत्री नहीं बनेंगे। नेता पद के

चुनाव में शर्मा ने थापा को अपना सक्रिय समर्थन दिया था।

शेखर कोइराला ने पिछले साल देउबा के खिलाफ नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा था। तब वे हार गए थे। तब से उन्होंने अपना ध्यान पार्टी संगठन पर केंद्रित कर रखा है। उनके निजी सचिव दिनेश चंद्र थपालिया ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'कोइराला की सरकार में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे अपना ज्यादा समय पार्टी को देना चाहते है। अगर अगली सरकार में सम्मानजनक मंत्रालय दिए गए, तो वे इनके लिए अन्य नेताओं के नाम प्रस्तावित करेंगे।'

कोइराला, थापा और शर्मा तीनों नेपाली कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में हैं। विश्लेषकों के मुताबिक उनका सरकार से बाहर रहने का फैसला साफ तौर पर देउबा पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। तीनों नेताओं की समझ है कि सरकार से बाहर रहते हुए वे यह काम बेहतर ढंग से कर पाएंगे। राजनीतिक पर्यवेक्षकों में आम राय है कि तीनों नेताओं के इस रुख से देउबा की राह मुश्किल हो जाएगी।

राजनीतिक विश्लेषक अनिरुद्ध गौतम ने कहा- 'हालांकि संसदीय दल के चुनाव में देउबा ने थापा को भारी बहुमत से हराया, लेकिन विरोधी गुट को नजरअंदाज कर पार्टी का नेतृत्व करना देउबा के लिए कठिन होगा।' बुधवार को संसदीय दल का चुनाव हराने के बाद थापा ने देउबा को सीधी चेतावनी दी थी कि वे बिना पार्टी को भरोसे लिए राष्ट्रपति या कोई अन्य पद देने के बारे में दूसरे दलों से कोई वादा ना करें। थापा ने कहा- 'अगर इन पदों के बारे में फैसले बंद कमरों के भीतर किए गए, तो उनका पालन करने के लिए पार्टी बाध्य नहीं होगी।'इस बीच संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद से देउबा नई सरकार बनाने की गतिविधियों में जुटे हुए हैं। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने 25 दिसंबर तक सरकार बनाने के लिए अपना दावा पेश करने की समयसीमा सभी दलों को दी है। विश्लेषकों के मुताबिक नेपाली कांग्रेस में उभरे विरोध का असर देउबा के रसूख पर पड़ सकता है। इससे साथी दलों के बीच उनकी सौदेबाजी की क्षमता घट सकती है।

दुनिया में कोरोना का खतरा, श्मशानों में 20 दिन वेटिंग

चीन में हालात बिगड़े, पढ़ाई के वक्त भी बच्चों को चढ़ाई जा रही ड्रिप

बीजिंग। चीन में कोरोना से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि कोरोना का पीक इसी हफ्ते आएगा। लंदन की ग्लोबल हेल्थ इंटेलिजेंस कंपनी एयरफिनिटी ने कहा कि चीन में रोजाना 10 लाख केस आ रहे हैं और 5 हजार मौतें हो रही हैं। हालांकि, सरकारी आंकड़ों में सिर्फ चार हजार केस ही बताए गए। चीन और चाइना कम्युनिस्ट पार्टी पर नजर रखने वाली वाली ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जेनिफर जेंग ने कुछ वीडियो पोस्ट किए हैं। इनमें दिख रहा है कि क्लासेस में पढ़ाई के वक्त भी बच्चों को ड्रिप चढ़ाई जा रही है, क्योंकि उनका संक्रमण खत्म नहीं हुआ है। एक वीडियो में श्मशान में लंबी कतार दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि श्मशानों में अंतिम संस्कार के लिए 20 दिन की वेटिंग है। चीन के अस्पतालों में बेड कम पड़ रहे हैं। सामूहिक अंतिम संस्कार किए जा रहे हैं। इस बीच सरकार ने एक बार फिर बॉर्डर सील करना शुरू कर दिया है। युन्नान प्रांत में म्यांमार से सटे रुइली शहर में सीमा पार करने वालों पर नजर रखने के लिए कैमरे और अलार्म लगा दिए गए हैं। इतना ही नहीं मोशन सेंसर और इलेक्ट्रिफाइड फेंसिंग भी लगाई है। 2021 में भी चीन ने सीमाएं सील कर दी थीं। रूस से सटे शहर हीये में कोविड के जिम्मेदार लोगों की सूचना देने पर 15 लाख का इनाम तक रखा

गया था।

जापानः 8वीं लहर आई, बच्चों की मौतें ज्यादा

चीन के बाद जापान में कोरोना का खतरा बढ़ गया है। जापान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां 8वीं लहर आ चुकी है और ओमिक्रॉन वैरिएंट के कारण बच्चों की मौत हो रही है। 8 महीने में 41 बच्चों की जान जा चुकी है। चीन में बिगड़ते हालात ने जापान की चिंता को बढ़ा दिया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओमिक्रॉन का नया वैरिएंट जानलेवा साबित हो सकता है। ओमिक्रॉन ने अब तक 41 बच्चों की जान ली है। इनमें से 15 बच्चे पहले से बीमार नहीं थे। इन 15 में से 4 बच्चों की उम्र एक साल से कम थी। 2 बच्चों की उम्र एक से 4 साल के बीच थी और 9 बच्चे 5 साल की उम्र से ज्यादा के थे।

यूएसः संक्रमितों का आंकड़ा 10 करोड़ पार

अमेरिका में भी ओमिक्रॉन वैरिएंट लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी की शुरुआत से अब तक अमेरिका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 10 करोड़ पार कर गया है। यहां कोरोना के 70 प्रतिशत मामलों के लिए ओमिक्रॉन के नए सब-वैरिएंट्स को ही अहम वजह माना जा रहा है।

साउथ कोरिया और फ्रांसः 24 घंटे में 1.25 लाख नए केस

आंकड़ों के मुताबिक साउथ कोरिया और फ्रांस में पिछले 24 घंटों में 1 लाख 25 हजार से ज्यादा नए केस मिले हैं। साउथ कोरिया में नए केसों की संख्या 75 हजार 744 और फ्रांस में आंकड़ा 49 हजार 517 है। फ्रांस में 120 और साउथ कोरिया में 62 लोगों की जान गई है।

ब्राजील और जर्मनीः 24 घंटे में 350 से ज्यादा मौतें

ब्राजील में 24 घंटे में 43 हजार 392 केस सामने आए हैं। यहां 165 मौतें हुई हैं। जर्मनी में 41 हजार 431 केस सामने आए। यहां मौतों का आंकड़ा 187 है। दोनों देशों में मौतों की संख्या 352 पर पहुंच गई है। दोनों में निरंतर मरीज बढ़ रहे हैं।

नॉर्थ कोरिया ने जापान के सागर में दागीं मिसाइलें

सिओल। रूस को हथियार पहुंचाने के आरोप लगने के कुछ ही घंटों बाद नॉर्थ कोरिया ने शुक्रवार को जापान के ईस्ट कोस्ट के करीब दो शॉर्ट रेंज की मिसाइलें दागीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नॉर्थ कोरिया का इस साल का 36वां मिसाइल परीक्षण है। साउथ कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने जानकारी देते हुए बताया कि मिसाइलें नॉर्थ कोरिया के सुनान एरिया से सुबह 7 बजकर 32 मिनट पर दागीं गई थी। हालांकि नॉर्थ कोरिया ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

नोर्थ कोरिया पर रूस को हथियार देने का आरोप- माना जा रहा है कि साउथ कोरिया और अमेरिका के सैन्य हवाई अभ्यास के जवाब में ये मिसाइलें दागीं गई है। वहीं मिसाइल दागने के कुछ ही घंटों पहले अमेरिका ने नॉर्थ कोरिया पर आरोप लगाया था कि वो रूस के प्राइवेट मिलिट्री ग्रुप वैगनर को हथियारों का जखीरा सप्लाई कर रहा है। जिसका रूस यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि नॉर्थ कोरिया ने इन आरोपों को खारिज किया। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि अमेरिका अपने फायदे के लिए ये कहानियां बना रहा है।

युद्ध की तैयारी कर रहा नॉर्थ कोरिया – साउथ कोरिया और अमेरिका नॉर्थ कोरिया पर आरोप लगा रहे हैं कि वो ये सभी मिसाइल टेस्ट युद्ध की तैयारियों के लिए कर रहा है। यूएस का कहना है कि कई महीनों से नॉर्थ कोरिया अपना सातवां परमाणू टेस्ट भी करने वाला है।

नॉर्थ कोरिया ने पांच दिन पहले यानी 18 दिसंबर को भी पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइल दागीं थी। साउथ कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने इसकी निंदा करते हुए नॉर्थ कोरिया पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया था। साउथ कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा था कि दोनों मिसाइलों ने करीब 500 किमी की दूरी तय की। यह पूर्वी सागर में गिरीं। वहीं, जापान के उप रक्षा मंत्री ने कहा कि मिसाइलें जापान के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के बाहर गिरी और कोई नुकसान नहीं हुआ।

इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान ने किया तीसरा निकाह

इस्लामाबाद। ब्रिटिश-पाकिस्तानी पत्रकार और इमरान खान की दूसरी पत्नी रेहम खान ने फिर निकाह कर लिया है। ट्विटर पर इसका एलान करते हुए रेहम ने जस्ट मैरिड फोटो पोस्ट की। एक और पोस्ट में उन्होंने लिखा, आखिरकार मुझे ऐसा आदमी मिल गया, जिस पर मैं भरोसा कर सकती हूं। बताया गया है कि उनका निकाह पाकिस्तान के पत्रकार मिर्जा बिलाल से हुआ है। रेहम ने उनके साथ अपनी एक तस्वीर भी ट्वीट की है। गौरतलब है कि यह रेहम खान की तीसरी शादी है। उन्होंने इससे पहले 2014 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान के साथ निकाह किया था। हालांकि, दोनों का एक साल बाद ही तलाक हो गया था।

क्रिसमस ट्री...

शंघाई। चीन के शहर शंघाई में एक शॉपिंग मॉल के बाहर रखा क्रिसमस ट्री।

इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले एक पुलिसकर्मी की मौत, छह घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आत्मघाती विस्फोट हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, आई-10/4 सेक्टर में यह विस्फोट हुआ, जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। वहीं, चार साथी पुलिसकर्मी समेत छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया, यह विस्फोट तब हुआ जब रुटीन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक टैक्सी को रोका गया। टैक्सी जैसे ही उनके पास पहुंची, उसमें विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने बताया, मौके पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है। इस्लामाबाद पुलिस के डीआईजी सोहेल जफर चट्ठा ने जानकारी देते हुए कहा, पुलिस ने सुबह 10 बजकर 15 पर आई-10/4 सेक्टर के पास एक वाहन देखा, जिसमें एक पुरुष व एक महिला सवार थी। संदिग्ध पाए जाने पर पुलिस ने कार को रोक। इसके बाद दोनों कार से बाहर आ गए। हालांकि, कुछ देर बाद बहाने से एक युवक कार के अंदर गया और उसने खुद को उड़ा लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

मुक्त विश्व व्यवस्था के निर्माण में चीन अमेरिका का एकमात्र प्रतिस्पर्धी, ब्लिंकन ने रूस को बताया खतरा

वॉशिंगटन। बीत रहे साल 2022 के अपने अंतिम संवाददता सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने नई व स्वतंत्र विश्व व्यवस्था को लेकर बड़ी बात कही है। ब्लिंकन ने कहा कि रूस मुक्त अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खतरा है। वहीं, विश्व यवस्था को फिर से आकार देने के मामले में चीन अमेरिका का एकमात्र प्रतिस्पर्धी है।

गुरुवार को वाशिंगटन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि रूस-यूक्रेन जंग खत्म करने का एकमात्र तरीका कूटनीति है। ब्लिंकन ने कहा कि रूस स्वतंत्र और खुली अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खतरा करता है जबकि, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना हमारा एकमात्र प्रतिद्वंद्वी है। ब्लिंकन ने कहा कि चीन न केवल नई विश्व व्यवस्था को आकार देने में अमेरिका का प्रतिस्पर्धी है, बल्कि वह आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य व तकनीकी ताकत की दृष्टि से भी यह लक्ष्य पाने में प्रमुख बाधा है।उन्होंने कहा कि अमेरिका ने एशिया के कई देशों के साथ एकजुटता दिखाई है। इनमें से कई देशों चीन की आक्रामकता का सामना कर रहे हैं। चीन भारत-प्रशांत क्षेत्र में भी अपनी ताकत बढ़ा रहा है।

पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि चीन लगभग समूचे विवादित दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है। हालांकि, ताइवान, फिलीपींस, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं। चीन ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप और सैन्य प्रतिष्ठान बना लिए हैं। उसका पूर्वी चीन सागर में जापान के साथ क्षेत्रीय विवाद भी है। दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर खनिज, तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध माना

जाता है। चीन इन सभी पर कब्जा करना चाहता है। यह क्षेत्र विश्व व्यापार की दृष्टि से भी अहम है। ब्लिंकन ने कहा कि जब तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपना रास्ता नहीं बदलते यूक्रेन में न्यायसंगत और टिकाऊ शांति की संभावना कम है। जंग खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका सार्थक कूटनीति है। यूक्रेन को हमारा मजबूत समर्थन जारी रहेगा।

अमेरिका ने तैनात किए युद्धपोत व लड़ाकू विमान, चीन को दी चुनौती

ब्लिंकन ने यह भी कहा कि अमेरिका इस विवादित समुद्री क्षेत्र पर कोई दावा नहीं करता है, लेकिन उसने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में नेविगेशन की स्वतंत्रता और ओवरफ्लाइट गश्त पर जोर देने के लिए अपने युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों को तैनात करके दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते क्षेत्रीय दावों को चुनौती दी है।

ताइवान में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता

ताइवान को लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए उनका देश प्रतिबद्धता है। इसके साथ ही अमेरिका झिंजियांग और तिब्बत में चीन द्वारा मानवाधिकारों के हनन, अभिव्यक्ति की आजादी और हांगकांग में प्रेस पर पाबंदी से चिंतित है। हम इस दिशाा में मिलकर साझा कार्रवाई जारी रखेंगे। चीन ताइवान को अपना स्वशासी द्वीप मानता है और उसे बागी मानते हुए बलपूर्वक उसे फिर से अपने देश से जोड़ना चाहता है।

जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी जोधपुर के हाथ

जोधपुर (हिंस)। देश में इन दिनों चल रहे जी-20 शिखर सम्मेलन के एक सेशन की मेजबानी जोधपुर भी करने वाला है। जी-20 में हिस्सा लेने वाले देश के डेलिगेट्स 2 से 4 फरवरी को जोधपुर में रहेंगे। जोधपुर आए मेहमानों के साथ कैसे पेश आना है और क्या व्यवस्थाएं रहेगी आदि की जानकारी के लिए शुक्रवार को संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें टूरिज्म स्टेक होल्डर के लिए राज्य होटल प्रबंध संस्थान में पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की ओर से सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। पर्यटन मंत्रालय के सहायक निदेशक संदीप शुक्ला ने बताया कि जी 20 की भारत को नवंबर तक अश मिली हुई है। उन्होंने बताया कि पर्यटन मंत्रालय का उद्देश्य है कि जहां-जहां मीटिंग होगी वहां मीटिंग से पहले एक संसेटाइजेशन कार्यक्रम करवाया जाए ताकि स्टेक हॉल्डरर्स को बेसिक जानकारी के साथ उन्हें यह भी निर्देशित किया जाएगा कि स्टेक हॉल्डर्स जब डेलिगेट्स के संपर्क में आए तो अच्छे से अच्छा व्यवहार करें। उन्होंने बताया कि पूरे उत्तर भारत में करीब 50 मीटिंग प्लान है। उन्होंने बताया कि जोधपुर में 2 से 4 फरवरी को मीटिंग है उसकी तैयारियों को लेकर पहले की शुरुआत ट्रेनिंग से हो रही है। इसी कड़ी में पूरे उत्तर भारत में जहां जहां शिखर सम्मेलन होंगे वहां संसेटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य होटल प्रबंध संस्थान, में आयोजित इस ट्रेनिंग में होटल के मैनेजर, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, गाइड, टैक्सी ड्राइवर, टूरिस्ट फेसिलिटेटर आदि लोग शामिल हुए।

ओछे हथकंडे अपनाकर भारत जोड़ो यात्रा को रोकना चाह रही केंद्र सरकार : बजरंग

हिसार (हिंस)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता बजरंग गर्ग ने कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा में जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। लाखों की संख्या में भारी ठंड व औस में भी लोग हरियाणा सहित पूरे देश में जुड़ रहे हैं। इससे साफ सिद्ध होता है कि 2024 में जनता केंद्र व हरियाणा में कांग्रेस की सरकार चाहती है। बजरंग गर्ग ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार यात्रा को रोकने के लिए ओछे हथकंडे अपनाते हुए राहुल गांधी को यात्रा रोकने के लिए सबसे पहले पत्र लिखकर कहती हैं कि कोरोना आ रहा है, आप भारत जोड़ो यात्रा रोकिए। खास बात यह है कि केंद्र सरकार ने

कोरोना के लिए कोई गाइडलाईन ही जारी नहीं की है। केंद्र सरकार पूरे देश में कोरोना के लिए जो भी गाइडलाईन जारी करेगी कांग्रेस पार्टी उसको फॉलो करेगी। चीन, अमेरिका आदि देश में जो कोरोना आने की बात कही जा रही है, अभी तक सरकार उन देशों में आने वाली फ्लाइट पर रोक तक नहीं लगाई है। यहां तक कि देश में सभी एयरपोर्ट, बस अड्डे, रेलवे स्टेशन, स्कूल, कॉलेज, सभी भारी भीड़ वाले बाजार चल रहे हैं। सरकार को द्वेष की भावना से काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस गांव में हरियाणा में यात्रा रुकी है वहां पर सरकार द्वारा बिजली काट देना निंदनीय है।

नौ माह में पंजाब में 30 हजार करोड़ का निवेश : भगवंत मान

अब तक 21, 404 नौजवानों को सरकारी नौकरियां दी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उद्योगों के अनुकूल माहौल और कारोबार को सरल बनाने की नीतियों के तहत पिछले 9 महीनों में राज्य में 30,000 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, जिससे हजारों नौजवानों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित म्युनिसिपल भवन में माक4फैड में नए भर्ती हुए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र देने और नए उत्पादों की शुरुआत करने के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा स्टील, वरबीओ, फ्रूडनबर्ग, स्नाथन टेक्स्टाइल जैसे बड़े औद्योगिक घरानों ने हमारी औद्योगिक नीतियों में विश्वास प्रकट करते हुए निवेश करने के लिए समझौते किए हैं, जिससे हमारे नौजवानों को नौकरियां हासिल होंगी। हाल ही में हैदराबाद में उद्योगपतियों के साथ हुई बैठकों का जिक्र करते हुए भगवंत मान ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग और कृषि से जुड़े वहां के उद्यमियों ने पंजाब में निवेश के लिए रुचि दिखाई है, जिससे राज्य के औद्योगिक क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उद्योगपतियों को राज्य में निवेश करने के लिए भ्रष्टाचारी और जटिल प्रक्रिया का सामना नहीं करना पड़ता, जिस कारण उद्योगपति पंजाब आ रहे हैं। हमने रिश्वतखोरी बंद की, उद्योग के लिए निर्बाध बिजली की आपूर्ति और अनुकूल माहौल दिया, जिस कारण हमारी कोशिशें रंग ला रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग्य नौजवानों को रोजगार देने के वायदे को पूरा करते हुए राज्य सरकार ने 9 महीनों में 21, 404 नौजवानों को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र दिए हैं और अन्य भर्तियां भी की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह सारी भर्ती प्रक्रिया केवल मैरिट के आधार पर की गई हैं।

कोरोना नियम पहले सभी पर लागू हो, फिर हम करेंगे स्वीकार : भूपेंद्र

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा देशभर में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा को जनसमर्थन मिल रहा है, यात्रा में हर वर्ग उत्साह के साथ भाग ले रहा है क्योंकि महंगाई और बेरोजगारी से जनता त्रस्त है, खासकर हरियाणा जो महंगाई व बेरोजगारी में अव्वल है। इस यात्रा से न केवल कांग्रेस बल्कि देश को भी मजबूती मिलेगी। श्री हुड्डा शुक्रवार को भारत जोड़ो यात्रा के तहत फरीदाबाद के गांव धौज में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रूप से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान भी मौजूद थे। श्री हुड्डा ने कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल सारे देश में लागू होने चाहिए, तभी हम भी इन नियमों को स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से यात्रा में लोगों की भीड़ उमड़ी रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि खासकर हरियाणा में भाजपा सरकार की कोई मैनेजमेंट नहीं है और सरकार के कार्य से जनता कतई खुश नहीं है। वहीं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कहा कि निश्चित तौर पर भाजपा सरकार से आम आदमी दुखी है परेशान है, यही कारण है कि यह यात्रा जहां-जहां से गुजर रही है, वहां महिला, पुरुष, बुजुर्ग व बच्चे सडकों पर उतर आते है।

सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनें पंजाब वासी : भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज कहा कि कोविड महामारी की नई लहर के मद्देनजर संभावित खतरे से निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह तैयार है। शुक्रवार को पंजाब सिविल सचिवालय में मुख्यमंत्री ने कोरोना संबंधी तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक के दौरान राज्य सरकार के प्रबंधों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कोविड के फैलाव को रोकने और हरेक व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जोर देते हुए सभी शैक्षिक संस्थाओं, सरकारी और प्राइवेट कार्यालयों और आंतरिक एवं बाहरी जन-एकत्रता, मॉल्ज, सार्वजनिक स्थानों आदि में मास्क पहनने की अपील की। इसी दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के अनुकूल एहतियाती कदमों जैसे सामाजिक दूरी, सार्वजनिक स्थानों पर ना थूकने और अन्य सावधानियों का पूरी तरह से पालन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड की किसी भी तरह की संभावित स्थिति से निपटने के लिए पंजाब सरकार राज्य स्तरीय कोविड कंट्रोल रूम स्थापित करेगी। कोविड टेस्ट कर रहे सभी अस्पतालों, लेबोरेटरियों, कलेक्शन सेंटरों को पंजाब सरकार के कोवा पोर्टल पर कोविड टेस्टों की पॉजिटिव और नेगेटिव रिपोर्टें अपलोड की जाएं और इसके अलावा संबंधित जिला और राज्य स्तर के कोविड-19 सेल को टेस्ट संबंधी मुकम्मल जानकारी मुहैया करवाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक दो करोड़ 10 लाख 80 हजार सैंपल लिए जा चुके हैं और औसतन रोजाना के 2500 आरटी-पीसीआर और आरएटी टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरेक सब-डिवीजनल अस्पताल में यह टेस्ट हरेक शनिवार और रविवार को भी किए जाते

हैं। भगवंत मान ने कहा कि पिछले तीन सप्ताहतों के दौरान कोरोना की पॉजिटिविटी दर 0.02 प्रतिशत रही और पिछले दो महीनों से पॉजिटीविटी दर 0.1 प्रतिशत से भी कम रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था वाले आरक्षित लेवल-2 बिस्तरों की संख्या 790 है और जरूरत पड़ने पर बच्चों के लिए 324 आईसीयू बेड भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर 3518 और लेवल-2 एवं 142 और आईसीयू बेड मुहैया किए जाएंगे। भगवंत मान ने कहा कि जरूरत होने पर 14,701 लेवल-2 और 3,132 लेवल-3 बेड उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भर में 23 लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) स्टोरेज टैंक (एमजीपीएस समेत) लगा दिए गए हैं और 87 प्रेशर स्विंग ऑब्जॉर्पशन प्लांट काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में सर्दी-जुकाम, बीमारी, साँस लेने में दिक्कत और संक्रमण से पीड़ित मरीजों की टेस्टिंग बढ़ाने के लिए अधिकारियों को कहा गया है। भगवंत मान ने अधिकारियों को कोविड पॉजिटिव आने वाले सभी मरीजों की समूची जिनोम सिक्वेंसिंग (कोरोना के विषाणु का जन्म) का पता लगाना भी सुनिश्चित बनाने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने भरतपुर में किया 549.13 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

भरतपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में अहम फैसले ले रही है। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को समर्पित योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं से राज्य के किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही उनका जीवन खुशहाल हुआ है। उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश की आर्थिक नीति में एक अहम कड़ी हैं। इसी को देखते हुए हमारी सरकार द्वारा देश में पहली बार किसानों के लिए अलग से बजट प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री गहलोत शुक्रवार को भरतपुर के एमएसजे कॉलेज ग्राउंड में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरणसिंह की 120वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने भरतपुर क्षेत्र के लगभग 693.91 करोड़ रूपए के विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरणसिंह क्रांतिकारी विचारों के धनी थे। उनका पूरा जीवन संघर्षपूर्ण रहा लेकिन फिर भी चौधरी ने हार नहीं मानी। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी ने आजादी की जंग में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। आजादी के बाद भी वे किसानों तथा गरीबों के अधिकारों के लिए लड़ते रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाराजा सूरजमल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा राज्य सरकार के चार साल पूरे होने पर जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। साथ ही, सूचना एवं जनसम्पर्कविभाग

द्वारा प्रकाशित जिला दर्शन पुस्तिका एवं अन्य प्रचार-प्रसार सामग्री का विमोचन भी किया। विकास प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 22 लाख किसानों के ऋण माफ किए गए हैं। मुख्यमंत्री किसान ऊर्जा मित्र योजना से प्रतिमाह एक हजार रूपए का अनुदान दिया जा रहा है जिससे 8 लाख किसानों का बिजली बिल शून्य हो गया है। गहलोत ने कहा कि किसानों के बिजली कनेक्शन के लंबित मामलों का भी जल्द निस्तारण किया जाएगा। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली दिन में उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को अब नई तकनीक से उन्नत कृषि करने के लिए सभी उपकरणों पर अनुदान दिया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से राजस्थान पूरे देश में अग्रणी राज्य है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन की जेब पर आने वाला भार कम हुआ है। इस योजना के तहत प्रदेशवासियों के लिए 10 लाख तक का इलाज नि:शुल्क कर दिया गया है। लीवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, कोक्लियर इंप्लांट जैसे जटिल उपचारों में 10 लाख की सीमा समाप्त कर दी गई है। आमजन के लिए सभी प्रकार की दवाइयां और महंगी जांचें नि:शुल्क कर दी गई हैं। साथ ही, प्रदेशवासियों को 5 लाख रूपए का दुर्घटना बीमा भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में राज्य निरन्तर प्रगति कर रहा है। महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम में नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। राज्य में 211 महाविद्यालय खोले गए हैं, जिनमें 94 बालिका महाविद्यालय हैं। उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं का नामांकन 500 से अधिक होने पर महाविद्यालय में क्रमोन्नत करने का प्रावधान किया गया है। अनुप्रति कोचिंग योजना में हजारों आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग दी जा रही है। राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के तहत प्रतिवर्ष 200 मेधावी विद्यार्थियों को विदेश में नि:शुल्क पढ़ाई का प्रावधान राज्य सरकार द्वारा किया गया है। गहलोत ने कहा कि अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को अधिकतम राहत देने के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है।

खुद को जनता का सेवक मान काम कर करें नवनियुक्त जनप्रतिनिधि : ओमप्रकाश धनखड़

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के रेवाड़ी, पलवल और भिवानी जिलों में चुने गए भाजपा समर्थित जिला परिषद के चेयरमैन व वाइस चेयरमैनों को बधाई देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि वे अपने जिलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। साथ ही हरियाणा व केंद्र सरकार की योजनाओं का लोगों को लाभ दिलाएं। जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरें। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त जनप्रतिनिधि अपने आपको जनता का सेवक मानकर काम करें क्योंकि भाजपा इसी नीति को लेकर आगे बढ़ रही है। शुक्रवार को पलवल से आरती रावत चेयरमैन, बिरेंद्र बैंसला जिला परिषद के वाइस चेयरमैन चुने गए हैं। भिवानी से अनिता मलिक चेयरपर्सन व सुनीता जांगड़ा वाइस चेयरमैन चुनी गई हैं। रेवाड़ी जिला परिषद से चेयरमैन मनोज यादव, वाइस चेयरमैन पूनम अनिल निर्वाचित हुए हैं। ओमप्रकाश धनखड़ ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियां अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने वाली हैं। इन नीतियों का बिना किसी भेदभाव के सभी पात्र व्यक्तियों को लाभ मिलना चाहिए। किसी भी क्षेत्र की जनता को उसका हक, सुविधाएं दिलाने में जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका होती है। जनता का उन पर विश्वास होता है। जनप्रतिनिधि सरकार और जनता के बीच की कड़ी होते हैं। उन्होंने सभी

चेयरमैन को अपने संदेश में कहा है कि किसी भी सूरत में जनता से दूर ना हों। समय-समय पर जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनें और उनका निराकरण करें। ऐसी सोच और कार्यशैली जनप्रतिनिधियों को राजनीतिक और सामाजिक रूप से मजबूती देगी। सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाने में जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका होती है। अपने पद का सदुपयोग करके हर जनप्रतिनिधि जनता के दुख-तकलीफ में खड़े हों। धनखड़ ने कहा कि जिला परिषद के सदस्य जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दें। ग्रामीण इलाकों में विकास के कार्यों के लिए उनका सहयोग सदैव जनप्रतिनिधियों के साथ रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने तीनों जिलों से चुने जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं एवं सफल कार्यकाल की अग्रिम बधाई दी।

भाजपा का कानून व्यवस्था का मुद्धा बेमानी, देश में अराजकता का माहौल : रावत

सीकर (हिंस)। राजस्थान सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीकर की प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत, विधायक राजेंद्र पारीक, दांतारामगढ विधायक वीरेंद्र सिंह और फतेहपुर विधायक हाकम अली खान समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभा में प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि कोरोना में जब सब लोग डरे हुए थे। उस समय भी पूरे देश में राजस्थान सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र में बेहतरीन काम किया। भीलवाड़ा मॉडल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तारीफ की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरे प्रदेश को परिवार की तरह कमांड किया है। एजुकेशन सेक्टर में इंग्लिश मीडियम स्कूलें खोलें। दसवीं तक की स्कूलों को बाहरवीं तक क्रमोन्नत कर दिया। नई ग्राम पंचायतों का गठन होने से लोगों को अपना काम करवाने के लिए अब दूर नही जाना पड़ता है। सीकर में भी

इन चार सालों में बेहतरीन काम हुआ है। राज्य सरकार की उड़ान योजना की मांग अब दूसरे राज्यों की लड़कियां करने लगी है। सीकर जिले में कुंभाराम लिफ्ट परियोजना के लिए बजट लाने की बात पर प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि राज्य सरकार लिफ्ट परियोजना के बजट के लिए और राजस्थान के 13 जिलों के लिए घोषित जल योजना शुरू करने के लिए लगातार प्रयासरत है। रावत ने कहा कि सीकर में कुंभाराम लिफ्ट परियोजना के बजट के लिए मैंने खुद भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से व्यक्तिगत बात की है।सीकर में सड़कों के निर्माण कार्य में देरी की बात पर रावत ने कहा लापरवाही करने वाले ठेकेदारों को 15 दिन में नोटिस देकर ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि भाजपा राजस्थान में हमेशा कानून व्यवस्था पर बात करती है। लेकिन आज पूरे देश में अराजकता का माहौल है। वहीं कांग्रेस में गुटबाजी को लेकर प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि पार्टी एक बड़ा परिवार है। कई बार सदस्यों के बीच कुछ मतभेद हो जाते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि परिवार बिखर जाता है परिवार हमेशा संगठित रहता है। सभा में फतेहपुर विधायक हाकम अली ने सरकारी अधिकारियों को धरातल पर कामों की मॉनिटरिंग प्रभावी तरीके से करने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि मेरे विधानसभा में कई घोषणाएं ऐसी हैं, जिनका शिलान्यास तो हो चुका है। लेकिन उनका उद्घाटन मैं करूंगा या कोई और पता नहीं। उन्होंने अधिकारियों से संबंधित फर्म को समय में काम पूरा करने के लिए पाबंद करने की बात कही।

दूध की फैक्टरी में रैड करने गई पुलिस के उड़ गए होश

लहरागागा : डीएसपी पुष्पिंदर सिंह के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक दूध फैक्टरी पर छापेमारी की है। इस दौरान वहां से भारी मात्रा में नकली दूध, केमिकल, रिफाइंड, पाउडर और कच्चे माल के साथ 2 लोगों को गिरफ्तार किया। डीएसपी पुष्पिंदर सिंह ने बताया कि सिटी इंचार्ज कश्मीर सिंह पुलिस पार्टी सहित खेल स्टेडियम में मौजूद थे और मुखबिर ने सूचना दी कि राजीव कुमार निवासी लहरागागा जाखल रोड पर राजीव मिल्क के नाम से फैक्टरी चला रहा है जो नकली दूध तैयार करके आगे सप्लाई करता है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर 28 हजार लीटर नकली दूध, 2 वाहन और 8 से 10 क्विंटल नकली दूध कई लोगों को गिरफ्तार किया।

गुरुग्राम में खुले में नमाज पर फिर खड़ा हुआ विवाद

गुरुग्राम (हिंस)। खुले में नमाज को लेकर विवाद एक बार फिर से गहरा गया। नमाज पढ़ रहे लोगों का विरोध करने हिंदु संगठनों के लोग पहुंच गए। विवाद बढ़ता देखकर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। जिस स्थान पर शुक्रवार को नमाज पढ़ी जा रही थी, उस स्थान की अनुमति नहीं है। यहां सेक्टर-69 स्थित सेक्टर-69 में खुले में नमाज पढ़ी जा रही थी। नमाज पढ़ने से रोकने के लिए हिंदू संगठनों के लोग पहुंचे और नमाज बंद कराने के प्रयास किए। इसी तरफ दोनों गुटों में विवाद हो गया। दोनों गुटों के बीच विवाद के देखते हुए पुलिस ने नमाज पढ़े जाने के अनुमति पत्र मांगा। नमाज पढ़ने वाला गुट पत्र नहीं दिखा सका। ऐसे में विवाद और पुलिस की मौजूदगी के चलते स्थल पर नमाज नहीं पढ़ी जा सकी। बताया जा रहा है कि जिले के बाहर के लोग भी इस स्थल पर नमाज पढ़ रहे थे, जिसे लेकर विवाद हुआ था। जिले में 6 जगहों पर ही पढ़ी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम में खुले में नमाज को लेकर अक्सर विवाद खड़ा हो जाता है। पहले ही प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप से इसका हल निकालने के खूब प्रयास हुए हैं। फिर भी खुले में नमाज पर विवाद हो रहे हैं। गुरुग्राम में 30 स्थानों पर नमाज पढ़ने की अनुमति थी। विवादों के बाद यह घटकर 6 स्थान रह गई।

प्रदेश के लोगों से कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया

जम्मू (हिंस)। चीन और अन्य देशों में ताजा कोरोना के मामलों में वृद्धि से उत्पन्न स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, राज्य कार्यकारी सदस्य भाजपा नीतीश महाजन ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के लोगों से नए सब वेरिएंट बीएफ7 के प्रवेश को रोकने के लिए कोविड उचित व्यवहार का पालन करने का आग्रह किया। वैरिएंट ऑमिक्रॉन जिसे कई देशों में बिगड़ती स्थिति के पीछे अपराधी माना जाता है। यहां आयोजित बैठक में नीतीश ने चेतावनी दी कि कई देशों में कोविड-19 महामारी की वापसी के मद्देनजर स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन न करने से अब तक किए गए सभी प्रयास विफल हो सकते हैं और क्षेत्र को उस स्थिति में वापस ला सकते हैं, जिसका यूटी ने भूतकाल में सामना किया था। भाजपा नेता ने कहा कि सरकार को भी एक बार फिर संक्रमण फैलने के खतरे पर विचार करते हुए सतर्करहना चाहिए क्योंकि बीमारी फैलाने वाले नए संस्करण अधिक जहरीले और खतरनाक भी हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से कहा कि कोविड के वापस आने की स्थिति में गंभीर स्थिति से निपटने के लिए संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा को फिर से नया रूप देना चाहिए।

युवा महोत्सव में टीमों ने हरियाणवी गीतों पर जमकर मचाया धमाल

जींद (हिंस)। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे पांचवें अंतर क्षेत्रीय युवा महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को हरियाणवी लोक कलाकार अमित ढुल्ल और सुमित काजला के गानों पर छात्र जमकर थिरके। लोक गायक अमित ढुल द्वारा गाए गए गाने बटेऊ सरकारी, स्कूटर, कच्चा बादाम एवं जींद आला अपने गाने पर शानदार प्रस्तुति दी। पर विद्यार्थियों ने खूब लुत्फ उठाया। लोक गायक सुमित काजला ने भी लफंडर, जप नाम भोले का आदि गानों की प्रस्तुति दे सबका मन मोह लिया। समारोह के दूसरे दिन के मुख्यअतिथि के तौर पर डीएवी कॉलेज करनाल के रिटायर्ड प्रिंसिपल डा. पूरणमल गौड रहे। उन्होंने कहा कि युवाओं को उत्सव मंच अपनी प्रतिभा निखारने के लिए एक स्वर्णिम अवसर के रूप में मिलता है। युवा महोत्सव का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आगे बढने के लिए प्रेरित

करना है और मनोरंजन के साथ आत्म शिक्षण प्रदान करना होता है। सीआरएसयू में शनिवार को रसिया ग्रुप डांस, वन एक्ट प्ले, हरियाणवी हिंदी स्किट, ग्रुपडांस जनरल, वन एक्ट प्ले, ग्रुप सॉग हरियाणवी, मिमिक्री, शास्त्रीय वाद्य यंत्र, लोक वाद्य एकल हरियाणवी, भारतीय ऑर्केस्ट्रा, क्ले मॉडलिंग, कोलाज, कार्टूनिंग, सॉग, संस्कृत संगोष्ठी में घोषणा का आयोजन किया जाएगा।

No.JMJ.24/2019/58

PUBLIC NOTICE

This is for general notice that the undersigned has been directed to conduct Magestrial enguiry regarding the circumstances leading to the fire incident on 21-12-2022 at Marwari Patty, Jorhat vide No. JMJ.24/2019/57 dated:- 22-12-2022.

In this regard any person or groups of person willing to submit their statement/ evidence, verbally /in written before the undersigned may do so as per the time and venue mentioned below.

Sl. No.	Venue	Date and Time
1	Office Chamber of Sri Damodar Barman, ACS, Add. District Magistrate and Enquiry Officer, Jorhat	24-12-2022 11.00 AM

Sd/-
Addl. District Magistrate and Enquiry Officer
Jorhat

-- Janasanyog/D/19133/22

किंग डॉलर की बादशाहत के खिलाफ रणनीति : भारत सहित कुछ बड़े देश और कॉरपोरेट्स डॉलर की जगह लोकल करेंसी में पेमेंट कर रहे

न्यूयॉर्क।

किंग डॉलर की बादशाहत को चुनौती दी जा रही है। दुनिया की कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी करेंसी के इस्तेमाल का विकल्प तलाश रही हैं। रूस, चीन, भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश इनमें शामिल हैं। इसके अलावा बांग्लादेश जैसे कम-से-कम दर्जन भर छोटे एशियाई देश भी डॉलर की जगह स्थानीय करेंसी में आपसी व्यापार का प्रयोग कर रहे हैं।

रूस और चीन पहले ही लोकल करेंसी को दे रहे बढ़ावा - डॉलर की मजबूती को चुनौती देने में कॉरपोरेट्स भी पीछे नहीं हैं। दुनियाभर की कंपनियां लोन का बड़ा हिस्सा स्थानीय करेंसी में चुका रही हैं। रूस और चीन ने पहले से इंटरनेशनल पेमेंट्स के लिए लोकल करेंसी के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहे हैं। ये दोनों देश इसके लिए ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत भी रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए लगा रहा जोर - अब बांग्लादेश, कजाकिस्तान और लाओस भी युआन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए चीन के साथ बातचीत कर रहे हैं। इन सबके बीच भारत ने रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण के बारे में जोर-शोर से बात करना शुरू कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ द्विपक्षीय पेमेंट मेकैनिज्म के साथ इसकी शुरुआत भी कर दी गई है।

अमेरिका ने डॉलर और ग्लोबल पेमेंट सिस्टम हथियार बनाने में की गलती - मिलेनियम वेब एडवाइजर्स के निवेश रणनीतिकार और प्रेसिडेंट जॉन मॉल्डिन ने एक नोट में लिखा- बाइडेन प्रशासन ने अमेरिकी डॉलर और ग्लोबल पेमेंट सिस्टम को हथियार बनाने में गलती की। इससे गैर-अमेरिकी निवेशक और अन्य देश अमेरिका के पारंपरिक सुरक्षित ठिकाने के बाहर अपनी होल्डिंग में विविधता लाने के लिए मजबूर होंगे।

अमेरिका और यूरोप की नीतियों के विरोध का तरीका - असल में अमेरिकी नीतियों की वजह से डॉलर का इस्तेमाल कम करने की रणनीति अपनाई जा रही है। अमेरिका ने यूरोप के साथ मिलकर ग्लोबल फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम स्विफ्ट से रूस को अलग कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

आईबीसी में संशोधन की तैयारी: दिवाला प्रक्रिया के दौरान भी ग्राहकों को मिलेंगे अपार्टमेंट

नई दिल्ली। सरकार रियल एस्टेट सेक्टर में बैंकरप्सी से निपटने के लिए नए नियम-कायदे बना रही है। तैयारी से जुड़े लोगों के अनुसार, इससे उन मकान खरीदारों को फायदा होगा, जिनके डेवलपर दिवालिया हो गए हैं। मौजूदा नियमों में बदलाव के बाद पूरा हो चुके अपार्टमेंट खरीदारों को सौंपने में मदद मिलेगी, भले ही डेवलपर के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया चल रही हो। सरकार ने इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) में संशोधन की तैयारी की है। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद दिवाला प्रक्रिया में चल रहे सभी प्रोजेक्ट का निपटारा एक तरीके से नहीं किया जाएगा। अलग-अलग मामलों का समाधान अलग-अलग तरीकों से निकाला जाएगा। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने सरकार की इस योजना के बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। दरअसल हाल के वर्षों में, खास तौर पर दिल्ली-एनसीआर जैसे देश के कुछ हिस्सों में कई प्रॉपर्टी डेवलपर दिवालिया हो गए और उनके हाउसिंग प्रोजेक्ट अधूरे रह गए हैं। यदि कोई डेवलपर लोन नहीं चुका पाता है और उसके खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू की जाती है तो समाधान निकलने तक उसके सारे प्रोजेक्ट का काम रोक दिया जाता है। इससे वैसे लोगों की पूंजी फंस जाती है, जिन्होंने उसमें घर बुक करा चुके होते हैं। इस साल जून तक देश में कॉरपोरेट इन्सॉल्वेंसी के कुल 1,999 मामले लंबित थे। इनमें से 436 मामले रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े हैं।

वित्त मंत्रालय ने बैंकों से बीमा बेचने के लिए अनैतिक तरीकों से बचने को कहा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों को ग्राहकों को बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए 'अनैतिक व्यवहार' पर रोक लगाने के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया है। लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं कि ग्राहकों को बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए सही जानकारी नहीं दी जाती है। इसके मद्देनजर वित्त मंत्रालय ने यह कदम उठाया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशकों को लिखे पत्र में कहा गया है कि वित्तीय सेवा विभाग को शिकायतें मिली हैं कि बैंक और जीवन बीमा कंपनियों की ओर से बैंक ग्राहकों को पॉलिसी की बिक्री के लिए धोखाधड़ी वाले और अनैतिक तरीके अपनाए जा रहे हैं। ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं, जहां दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में 75 वर्ष से अधिक आयु के ग्राहकों को जीवन बीमा पॉलिसी बेची गई है। आमतौर पर, बैंकों की शाखाएं अपनी अनुषंगी बीमा कंपनियों के उत्पादों का प्रचार-प्रसार करती हैं।

इच्छा के विरुद्ध यात्रियों के टिकट की श्रेणी घटाने पर एयरलाइन को देना होगा मुआवजा, जल्द आएंगे नियम

नई दिल्ली । नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उन यात्रियों को मुआवजा देने के लिए नियम जारी करेगा जिनमें एयरलाइनों की ओर से यात्रियों को जारी किए गए टिकटों को अनैच्छिक रूप डाउनग्रेड कर दिया गया। डीजीसीए ने यह घोषणा हवाई यात्रियों की ओर से शिकायतें मिलने के बाद की है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) नागर विमानन आवश्यकता (सीएआर) में संशोधन करने की प्रक्रिया में है, जो विमान में सवार होने से इनकार, उड़ानों के रद्द होने और उड़ानों में देरी के कारण एयरलाइनों की ओर से यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से संबंधित है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, संशोधन से यात्री, जिसे उसकी बुक की गई श्रेणी के टिकट से अनैच्छिक रूप से डाउनग्रेड किया गया है, उसे एयरलाइन से रिफंड के रूप में करों सहित टिकट का पूरा मूल्य प्राप्त करने की अनुमति मिल जाएगी। साथ ही, एयरलाइनों को अगली उपलब्ध श्रेणी में यात्री को मुफ्त में यात्रा करने की सुविधा देनी होगी। हितधारकों के परामर्श के बाद एयलाइन सोवाओं की नियामक संस्था डीजीसीए की ओर से अंतिम नियम जारी किए जाएंगे।

कोरोना के डर से बाजार में बिकवाली हावी

सेंसेक्स 980 अंक गिरकर 59,845 पर बंद, निफ्टी 320 अंक टूटा; सरकारी बैंकों के शेयर सबसे ज्यादा गिरे

नई दिल्ली।

कमजोर ग्लोबल संकेतों और कोरोना के डर के बीच भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के 5वें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (23 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली। बाजार में लगातार चौथे कारोबारी दिन यह गिरावट आई है। सेंसेक्स 980 अंक टूटकर 59,845 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 320 अंक गिरकर 17,806 के स्तर पर आ गया है। सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

अडाणी पोर्ट्स और अडाणी एंटरप्राइजेज टॉप लूजर

अडाणी पोर्ट्स, अडाणी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, इंडसइंड बैंक समेत निफ्टी के 47 शेयरों में गिरावट रही। वहीं सिर्फ तीन शेयर्स सिप्ला, डिविस लैब और टाइटन में तेजी देखने को मिली।

पीएसयू बैंक सेक्टर में 6.06प्रतिशत की गिरावट

एनएसई के सभी 11 सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली। पीएसयू बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 6.06प्रतिशत की गिरावट रही। इसके बाद मीडिया में 4.99प्रतिशत, मेटल में 4.47प्रतिशत, रियल्टी में 3.45प्रतिशत और ऑटो सेक्टर में 2.54प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक और फार्मा सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली।

19 लाख करोड़ रुपए घटा मार्केट कैप

मार्केट कैप 7 ट्रेडिंग सेशन में 19 लाख करोड़ रुपए घटकर 272.12 लाख करोड़ रुपए पर आ गया गया। 14 दिसंबर को ये 291.25 लाख करोड़ था। अकेले शुक्रवार को, निवेशकों की वेल्थ में 8.43 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है। मार्केट कैप पिछले सत्र में 280.55 करोड़ रुपए था।

कोरोना के खौफ से गिरा बाजार, खरीदारी का मौका

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रिटेल रिसर्च हेड सिद्धार्थ खेमका ने कहा, दुनिया भर में कोविड मामलों में बढ़ोतरी ने निवेशकों को डरा दिया है जिस कारण मार्केट में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। निफ्टी की गैप डाउन ओपनिंग हुई थी और ये 18000 के लेवर से नीचे चला गया। निफ्टी मिडकैप 100 में 4प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 5प्रतिशत की गिरावट आई है।

पीएसयू बैंकों, मेटल, ऑयल एंड गैस और रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई है। बाजार में और कमजोरी आ सकती है। एंटरटेनमेंट, क्यूएसआर, होटल, यात्रा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में गिरावट देखने को मिलेगी, क्योंकि सरकार ने कई एहतियाती उपाय उठाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि, कोई भी गिरावट फंडामेंटली क्वालिटी स्टॉक वाले शेयरों को धीरे-धीरे खरीदने का अच्छा मौका होगा।

गुरुवार को भी गिरावट में बंद हुआ था बाजार

इससे पहले बाजार में गुरुवार यानी 22 दिसंबर को भी गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 241 अंक (0.39प्रतिशत) फिसलकर 60,826 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 71 अंक (0.39प्रतिशत) गिरकर 18,127 के स्तर पर आ गया था।

सीएनजी-पीएनजी की घट सकती हैं कीमतें, प्राकृतिक गैस की कीमतें घटाने के लिए कैबिनेट का प्रस्ताव तैयार

नई दिल्ली।

पीएनजी और सीएनजी की कीमतें सस्ती होने की उम्मीद है।इससे महंगाई से जूझ रहे आम लोगों को राहत मिलेगी और उनका रसोई गैस का खर्च भी कम हो जाएगा। गैस की कीमतों के अलावा खाद और बिजली के दाम भी घटाए जा सकते हैं। इसके लिए किफायती प्राकृतिक गैस पर प्रस्ताव तैयार हो गया है। इसे जल्द ही संबंधित मंत्रालयों को भेजा जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, प्राकृतिक गैस के दाम घटाने के लिए कैबिनेट की ओर से तैयार प्रस्ताव को तीन-चार दिनों में संबंधित मंत्रालयों को भेजा जा सकता है। यह प्रस्ताव किरीट पारिख समिति की रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया है। दरअसल, सरकार ने गैस की सस्ती कीमतें तय करने के लिए किरीट पारिख के नेतृत्व में एक समिति बनाई थी।

समिति ने पिछले महीने ही सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। इसमें गैस की कीमतें 4-6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू (मीट्रिक मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) रखने की सिफारिश की गई है। केंद्र सरकार सीएनजी पर 14 फीसदी उत्पाद शुल्क वसूलती है, जबकि राज्य 24.5 फीसदी वैट लेते हैं।

जीएसटी के दायरे में लाने की सिफारिश

समिति ने रिपोर्ट में सीएनजी को जीएसटी के दायरे में लाने की सिफारिश की है। कहा, हमारा मत है कि इस मसले पर राज्यों के बीच सहमति बनाने की जरूरत है। इसके लिए राज्यों को राजस्व नुकसान के एवज में पांच साल तक मुआवजे का प्रावधान किया जा सकता है।

गैस खरीद नीति में बदलाव, सब्सिडी बिल घटेगा

सरकार ने खाद कंपनियों के लिए गैस खरीद नीति में बदलाव किया है। इसके तहत कंपनियों को स्थानीय हाजिर बाजार के जरिये अपनी मासिक जरूरतों का करीब पांचवां हिस्सा खरीदने की अनुमति मिल गई है। गैस खरीद नीति में बदलाव से सरकार को सब्सिडी बिल घटाने में मदद मिलेगी।

सरकार ने 2015 के गैस खरीद निर्देशों में संशोधन किया है। इसमें खाद संयंत्रों को गैस जरूरतों का 80प्रतिशत दीर्घकालिक अनुबंधों और बाकी तीन महीने के टेंडर के जरिये खरीदना पड़ता था।

इंडिगो की थ्री डे विंटर सेल: 2,023 रुपए में बुक करें डोमेस्टिक फ्लाइट, 4,999 रुपए में इंटरनेशनल

नई दिल्ली।

भारत के बजट कैरियर इंडिगो ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए थ्री डे विंटर सेल की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, सेल 23 दिसंबर से 25 दिसंबर, 2023 के बीच चलेगी। डोमेस्टिक फ्लाइट का किराया 2,023 रुपए और इंटरनेशनल फ्लाइट का फेयर 4,999 रुपए से शुरू होगा। यह सेल 15 जनवरी, 2023 से 14 अप्रैल, 2023 तक की यात्रा पर वैलिड है।

ऑफर के तहत सीमित इन्वेंट्री उपलब्ध

एयरलाइन ने कहा, ऑफर के तहत सीमित इन्वेंट्री उपलब्ध है और इसलिए ग्राहकों को उपलब्धता के अनुसार डिस्काउंट दिया जाएगा। इसके अलावा, यह ऑफर केवल इंडिगो के डोमेस्टिक और इंटरनेशनल नेटवर्क पर विभिन्न सेक्टर में नॉन-स्टॉप उड़ानों पर मान्य है। इसके अलावा, ग्राहक इंडिगो के पार्टनर बैंक से भी कैशबैक का फायदा उठा सकते हैं। एयरलाइन ने कहा कि इस ऑफर को किसी अन्य ऑफर, स्कीम या प्रमोशन के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा, यह ऑफर इंडिगो की ग्रुप बुकिंग पर मान्य नहीं है। यह ऑफर नॉन-ट्रांसफरेबल, नॉन-एक्सचेंजेबल और नॉन-इनकैशेबल है। इंडिगो के ग्लोबल सेल्स हेड विनय मल्होत्रा ने कहा, हम 2023 में एंटर कर रहे हैं। छुट्टियों के इस सीजन में, हम एविएशन सेक्टर में एक मजबूत सुधार का जश्न मना रहे हैं और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों के लिए अपनी विंटर सेल की घोषणा कर रहे हैं। 290 विमानों के अपने बेड़े के साथ एयरलाइन रोजाना 1,600 से ज्यादा उड़ानें संचालित कर रही है और 76 डोमेस्टिक डेस्टिनेशन और 26 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन को जोड़ती है।

फोनपे की फ्लिपकार्ट से अलग होने की प्रक्रिया पूरी, सीईओ बोले- अब अगले चरण की वृद्धि पर जोर

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट और फोनपे ने अलग होने की प्रक्रिया पूरी कर ली है, हालांकि, दोनों कंपनियां अमेरिका की खुदरा कंपनी वॉलमार्ट के तहत काम करना जारी रखेंगी। शुक्रवार को एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। फ्लिपकार्ट समूह ने 2016 में फोनपे का अधिग्रहण किया था। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है, ''इस लेन-देन के तहत वॉलमार्ट की अगुवाई में फ्लिपकार्ट सिंगापुर और फोनपे सिंगापुर के मौजूदा शेयरधारकों ने फोनपे इंडिया में सीधे शेयर खरीदे हैं। इससे फोनपे के पूरी तरह से भारतीय कंपनी बनने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। यह प्रक्रिया इसी साल शुरू की गई थी।'' वॉलमार्ट दोनों कारोबारी समूहों की बहुलांश शेयरधारक बनी रहेगी।

कंपनी ने मस्क के खिलाफ केस खारिज करने के लिए कोर्ट से लगाई गुहार, विकलांगों से भेदभाव का है मामला

नई दिल्ली ।

ट्विटर ने कैलिफोर्निया में एक संघीय न्यायाधीश से गुहार लगाकर उस मामले को खारिज करने को कहा है जिसमें कहा गया है कि सीईओ एलन मस्क की ओर से प्रस्तावित वह कार्रवाई जिसमें कर्मचारियों को काम पर लौटने और लंबे समय तक कार्य करने के लिए कहा गया था, उससे विकलांग श्रमिकों से भेदभाव का मामला बनता है। ट्विटर के वकीलों ने बुधवार देर रात नवंबर महीने के उस मुकदमे को खारिज करने के लिए एक प्रस्ताव दायर किया है, उसमें इस बात का खंडन गया है कि कंपनी की किसी भी कार्रवाई को

विकलांग लोगों पर लक्षित किया गया था या उन पर असंगत प्रभाव पड़ा था। ट्विटर में मस्क की ओर से लागत में कटौती के लिए नवंबर की शुरुआत में लगभग 3,700 कर्मचारियों को निकाल दिया गया। मस्क ने 44 बिलियन डॉलर में कंपनी का अधिग्रहण किया था, वे टेस्ला के सीईओ भी हैं। मस्क के ट्विटर अधिग्रहण के बाद उन अन्य सैकड़ों लोगों ने भी इस्तीफा दे दिया जिन्हें काम के घंटों में सख्ती से नाराजगी थी या पद छोड़ने के लिए कहा गया था। मुकदमे में दावा किया गया है कि मस्क के अल्टीमेटम ने संघीय अमेरिकियों के विकलांग अधिनियम (एडीए) का उल्लंघन किया है, जिसके लिए नियोक्ताओं को विकलांग श्रमिकों को उचित सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता होती है। दोनों वादी इंजीनियरिंग प्रबंधक हैं, जिनका कहना है कि उन्हें पिछले महीने नौकरी से निकाल दिया गया था। उनका दावा है कि विकलांग कई ट्विटर कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था क्योंकि वे कार्यालय में वापस नहीं आ सकते थे और मस्क के मांग मानकों को पूरा नहीं कर सकते थे। कंपनी ने बुधवार की फाइलिंग में कहा कि जिस कर्मचारी को नौकरी से निकाला गया था, उसने रोजगार से संबंधित कानूनी विवादों को निपटाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और अपने दावों को मध्यस्थता में भेजने के लिए कहा।

4 लाख करोड़ तक पहुंचा बाजार

दुनिया की सभी बड़ी ऑटो कंपनियां भारत में खोल रहीं रिसर्च सेंटर

मुंबई।

देश का ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ईआरएंडडी) मार्केट करीब 4 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। ग्लोबल रिसर्च फर्म टैपलो ग्रुप के मुताबिक, 2016 में भारत का ईआरएंडी मार्केट 1.85 लाख करोड़ का था, जो 2021 में 3.4 लाख करोड़ का हो गया। 2022 में इसके 12.67प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 3.9 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है।

असल में दुनिया की करीब हर बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी और ऑटो टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर ने भारत में रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर खोल रखा है। मर्सिडीज बेंज, बॉश, डेमलर, हरमन, फोर्ड मोटर्स, जैसी सैकड़ों कंपनियां इनमें शामिल हैं। इन्होंने हजारों करोड़ का निवेश भारत में आरएंडडी पर किया है, जहां एक लाख से ज्यादा कर्मचारी हैं।

क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस के डायरेक्टर हेमल ठक्कर के मुताबिक, ईवी में हल्की एल्युमिनियम फोर्जिंग की जरूरत होती है। इसके लिए दुनियाभर की कंपनियां भारत का रुख कर रही हैं। ईवी फाइनेंस कंपनी ओटो के सीईओ सुमित छाजेड़ ने बताया कि बीते साल के मुकाबले इस साल भारत में आरएंडडी निवेश 150प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है।

ऑटोनॉमस कार बनाने में जुटे 8.5 लाख भारतीय इंजीनियर - ऑटोनॉमस कार बनाने में 1 करोड़ से ज्यादा सॉफ्टवेयर इंजीनियर लगे हुए हैं। 2030 तक इनकी संख्या 1.4 करोड़ तक पहुंच सकती है। करीब 30 लाख इंजीनियरों में 15-20 लाख भारतीय होंगे। अभी के 1.1 करोड़ में से करीब 8.5 लाख इंजीनियर भारत के हैं। ड्राइवरलेस कारों के 10 करोड़ लाइनों के कोड का करीब 35प्रतिशत हिस्सा भारतीय इंजीनियर तैयार कर रहे हैं। नैसकॉम की इंजीनियरिंग और आरएंडडी काउंसिल प्रमुख कार्तिकेयन नटराजन के मुताबिक, ग्लोबल ऑटो कंपनियों के 50-55 हजार इंजीनियर पहले ही भारत में काम कर रहे हैं। ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स में 25,000 इंजीनियर काम कर रहे हैं। इन कंपनियों के सर्विस प्रोवाइडर्स ने भी 40,000 सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को सिर्फ ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर के लिए हायर किया है। फाडा के प्रेसिडेंट मनीष राज सिंघानिया ने कहा, टॉप एंड-ऑटोमेकर्स भारत का रुख कर रहे हैं। उन्हें मालूम है कि दुनिया के सबसे किफायती टैलेंटेड और सबसे कुशल इंजीनियर यहां मिलेंगे। इसके अलावा कुछ वर्षों से सरकार ने भी आरएंडडी सेक्टर पर ध्यान देना शुरू किया और अनुकूल नीतियां बनाई हैं।

लैंडमार्क कार्स और अबांस होल्डिंग के शेयर बाजार में लिस्ट हुए

नई दिल्ली । लैंडमार्क कार्स और अबांस होल्डिंग के आईपीओ के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग हो गई है। लैंडमार्क कार्स के शेयरों की लिस्टिंग बाजार में सात प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ हुई हे। कंपनी के शेयर बीएसई पर 471.30 रुपये प्रति शेयर जबकि एनएसई पर 471.00 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। इस तरह दोनों कंपनियों के शेयर बीएसई और एनएसई पर क्रमश: 6.86प्रतिशत और 6.92प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए। वहीं दूसरी ओर, अबांस होल्डिंग्स की बाजार में सपाट शुरुआत हुई, इसके शेयर एनएसई पर 270 रुपये और बीएसई पर 273 रुपये प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध हुए। एबंस होल्डिंग्स का इश्यू प्राइस 270 रुपये था।

सलमान करने वाले हैं बड़ा धमाका!

- पुरी जगन्नाध के साथ फिल्म बनाने की कर रहे तैयारी

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान के फैंस के लिए एक बड़ी खबर यह सामने आई है कि उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री के फेमस डायरेक्टर से हाथ मिलाया है। सलमान खान ने साउथ के मशहूर डायरेक्टर पुरी जगन्नाध के साथ करने की इच्छा जताई है क्योंकि उन्हें डायरेक्टर की स्क्रिप्ट पसंद आ गई है। जानकारी के मुताबिक टॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर पुरी जगन्नाध लाइगर की असफलता के बाद सलमान खान के साथ एक फिल्म की योजना बना रहे हैं। तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा है कि निर्देशक ने सलमान खान को एक स्क्रिप्ट सुनाई है। कहा जा रहा है कि अभिनेता फिल्म में काम करने को इच्छुक हैं। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुरी जगन्नाध और सलमान खान के हाथ मिलाने की खबरें तब से आ रही हैं जब से बॉलीवुड स्टार ने महेश बाबू की फिल्म पोकिरी की रीमेक वांटेड में अभिनय किया था। प्रभुदेवा ने वांटेड का निर्देशन किया था जो 2009 की सफल फिल्मों में से एक थी। यानि 13 साल से दोनों के बीच डायरेक्ट न सही लेकिन इनडायरेक्ट कनेक्शन जरूर है। पुरी का कहना है मैं सलमान सर के साथ वांटेड फिल्म की रिलीज के बाद से ही काम करने की योजना बना रहा हूं। मुझे वो बहुत पसंद हैं और मुझे उम्मीद है कि उन्हें डायरेक्ट करने का मौका मुझे एक दिन जरूर मिलेगा। हालांकि पुरी जगन्नाथ द्वारा सलमान के पास एक स्क्रिप्ट लेकर आने के बारे में अटकलों का एक नया दौर शुरू हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि इन दोनों ने मेगास्टार चिरंजीवी की गॉडफादर में काम किया था। फिल्म निमार्ता ने पत्रकार की भूमिका निभाई जबकि सलमान एक विस्तारित कैमियो में दिखाई दिए थे। यदि पुरी और सलमान प्रस्तावित वेंचर के लिए टीम बनाते हैं तो इससे टॉलीवुड निर्देशक को हाल के दिनों में अपने कठिन दौर से उबरने में मदद मिल सकती है। विजय देवरकोंडा अभिनीत उनकी हालिया फिल्म लाइगर असफल साबित हुई है। हिंदी-तेलुगू फिल्म लाइगर कथित तौर पर लगभग 125 करोड़ रुपये के बजट के साथ बनाई गई थी। बता दें कि सलमान इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म टाइगर 3 को लेकर काफी व्यस्त चल रहे हैं। इस फिल्म से सलमान को काफी उम्मीदें हैं। वहीं दूसरी ओर फैंस भी बड़े पर्दे पर एक बार फिर से कैटरीना कैफ और सलमान को साथ देखने का इंतजार कर रहे हैं।

मैं शाहरुख खान का बहुत बड़ा फैन था : विवेक

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर विवेक ओबेराय और रानी मुखर्जी की फिल्म साथिया के 20 साल पूरे होने पर विवेक ने बताया है कि फिल्म साथिया हमेशा उनके दिल के बहुत करीब रही है। यह एक सदाबहार फिल्म है। आज फिल्म रिलीज के इतने समय बाद भी यह फिल्म रिलेवेंट लगती है। इस फिल्म में विवेक ओबेराय एक लवर ब्वॉय आदित्या की भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में विवेक के काम को काफी पसंद किया गया था। डायरेक्टर शाद अली की इस फिल्म से विवेक को एक अलग तरह की पहचान मिली थी।अपनी फिल्म के बीस साल पूरे होने पर विवेक ने बताया जब मेरी मुलाकात डायरेक्टर शाद से हुई तो उन्होंने कहा मैंने इस फिल्म के बारे में सोच लिया है। मुझे लगता है कि इस फिल्म में पहले अभिषेक और प्रीति जिंटा नजर आने वाले थे। इस दौरान मैं भी कंपनी की शूटिंग शुरू कर चुका था लेकिन साथिया की शूटिंग शुरू होने में अभी वक्त था। इसके बाद उन्होंने मुझे इस फिल्म में काम करने के लिए अप्रोच किया। अपनी बात रखते हुए विवेक ने आगे कहा मैं उस वक्त अपनी फिल्म कंपनी की शूटिंग में बहुत बिजी था। जबकि साथिया की शूटिंग दक्षिण मुंबई में शुरू हो चुकी थी। 4 दिनों तक मैं कंपनी की शूटिंग करता रहा और उन 4 रातों में मैंने साथिया के लिए भी शूटिंग की थी। सिर्फ एक शूट से दूसरे शूट पर जाने के बीच का जो समय मुझे मिलता था मैं उसी में ही नींद पूरी करता था। फिर एक डेढ़ घंटे की ड्राइव भी होती थी। उसी समय पे भी आराम मिल जाता था। मेरे लिए वो वक्त काफी मुश्किल रहा था। बता दें कि विवेक ओबेराय की फिल्म साथिया में शाहरुख खान भी नजर आए थे। शाहरुख के बारे में बात करते हुए विवेक बताते हैं मैं शाहरुख खान का बहुत बड़ा फैन था मैं उनसे मिला और मुझे आज भी याद है कि उन्होंने मुझे अपनी वैनिटी वैन में बुलाया था। जब मैं उनके पास उनसे मिलने पहुंचा तो उन्होंने मुझसे बहुत अच्छे से बात की और उस दौरान हमारे बीच काफी बातचीत हुई। मालूम हो कि आज से ठीक 20 साल पहले आज ही के दिन सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया था। फिल्म में कहानी किरदार और स्टारकास्ट सभी को काफी पसंद किया गया था। फिल्म में गाने तो आज भी लोगों की जुबां पर चढ़े हुए हैं। फिल्म की कहानी आदित्य और सुहानी ऐसे कपल के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने माता-पिता से छिपकर शादी कर लेते हैं और बाद में उनके रोमांस में दरारें आने लगती हैं।

अवतार: द वे ऑफ वाटर बनी हुई है चर्चा में

-बॉलीवुड के नंबर 1 एक्टर को दिया था ऑफर

मुंबई (ईएमएस)। बीते 16 दिसंबर को रिलीज होने के साथ ही अवतार: द वे ऑफ वाटर चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के स्टारकास्ट से लेकर फिल्म की मेकिंग के खूब किस्से सुनाए जा रहे हैं। हाल ही में एकेडमी के सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की मेकिंग का बीटीएस वीडियो शेयर किया गया था जो हैरान कर देने वाला है। लेकिन आप ये जानकर भी हैरान रह जाएंगे कि बॉलीवुड एक्टर गोविंदा को जेम्स कैमरून ने अवतार 1 में लीड रोल के लिए ऑफर दिया था। गोविंदा ने ही इस फिल्म को अवतार नाम दिया लेकिन फिल्म में काम करने का ऑफर ठुकरा दिया था। गोविंदा ने बॉलीवुड को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। अगर जेम्स कैमरून की बात मान गए होते तो दुनिया भर में मशहूर फिल्म अवतार का हिस्सा होते। एक्टर ने अवतार फिल्म को लेकर दावा किया था कि उन्हें हॉलीवुड डायरेक्टर जेम्स कैमरून ने ऑफर दिया था। गोविंदा ने बताया था कि उन्होंने अपने करियर में कई फिल्में रिजेक्ट की हैं। गोविंदा ने बताया कि मैंने इन्हें फिल्म का टाइटल सुझाया था और ये फिल्म सुपरहिट हो गई। मैंने कैमरून से कहा था कि फिल्म को बनाने में करीब 7-8 साल लग जाएंगे और वह इससे निराश हो गए। उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं इतने यकीन से कैसे कह सकता हूं कि अवतार जल्दी नहीं बन सकती। मैंने ये कहते हुए रिप्लाई दिया कि मेरे नजरिए से असंभव लग रही है और जैसा मैंने भविष्यवाणी की थी कि फिल्म 7 साल बाद आई और बड़ी सफल फिल्म थी। गोविंदा ने आगे बताया था कि मैंने कैमरून से कहा था कि मेरे बस की नहीं है कि पूरे बॉडी को ब्लू पेंट कर 410 दिन तक रह सकूं। इस तरह से गोविंदा ने जेम्स कैमरून की फिल्में करने से इनकार कर दिया। बता दें कि दुनिया भर से फिल्म अवतार: द वे ऑफ वाटर को बेहद पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म का पहला पार्ट अवतार साल 2009 में रिलीज हुआ था। इस फिल्म की तब भी खूब चर्चा हुई थी।

सांता क्लॉज बन प्रीति जिंटा ने दी लोगों को क्रिसमस की बधाई

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा किया जिसमें प्रीति ने क्रिसमस की तैयारी शुरू कर दी है। प्रीति ने एक क्रिसमस ट्री सजाया और सांता क्लॉज की पोशाक पहनी। कई फैंस ने उनके वीडियो पर फीडबैक देकर क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। क्लिप में एक बड़े क्रिसमस ट्री को घंटियों गेंदों और परियों की रोशनी से सजाया गया था। पेड़ के पास कई गिफ्ट बॉक्स भी रखे हुए थे। प्रीति का पपी भी उनके वीडियो में दिखा। अंत में प्रीति ने सफेद लंबी मूंछों और लाल और हरे रंग की लंबी टोपी पहने सांता के रूप में अपनी झलक दिखाई। उन्होंने अपने पोस्ट के साथ जिंगल बेल रॉक गाने का इस्तेमाल किया।

प्रीति ने लिखा क्रिसमस में हमेशा कुछ खास होता है। साल का अंत क्रिसमस ट्री लगाने का उत्साह और लपेटे हुए उपहारों की जिज्ञासा परिवार का एक साथ आना और बर्फ का इंतजार। यह साल बीत चुका है और नया साल शुरू होने से पहले मैं आप सभी को प्यार प्रकाश और एकजुटता से भरी छुट्टियों की शुभकामनाएं देना चाहती हूं।

2014 में आईपीएल में जब टीम हारी तो कमरे में बंद होकर बच्चों के साथ फूट-फूटकर रोए थे शाहरुख

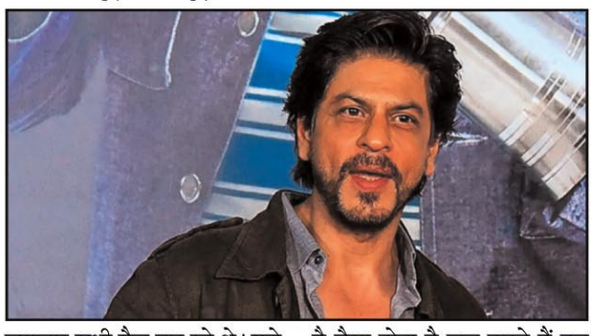

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी फिल्म पठान को लेकर इन दिनों चर्चा में हैं। किंग खान की फिल्म पठान रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है। धार्मिक संगठनों के लोग पठान को बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन हंगामे से बेफिक्र शाहरुख खान पॉजिटिविटी के साथ फिल्म को प्रमोट कर रहे हैं। अब हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान शाहरुख ने अपना दर्द बयां किया उन्होंने अपनी जिंदगी का एक ऐसा किस्सा बताया जिसे सुनकर उनके फैंस भी उदास हो रहे हैं। शाहरुख ने हाल ही में 2014 का एक दर्द भरा किस्सा सुनाया। शाहरुख ने बताया कि आईपीएल मैच के दौरान एक बार वह एक एक होटल के रूम में अपने दोनों बच्चों आर्यन और सुहाना के साथ बंद होकर खूब रोए थे। आखिर इसकी वजह क्या थी? रॉबिन उथप्पा संग बातचीत में शाहरुख खान ने कहा- हमने जब साल 2014 में आईपीएल की शुरूआत की थी तो मैच अबू धाबी में हो रहे थे। हम एक के बाद एक लगातार सभी मैच हार रहे थे। मुझे याद है कि उस समय मैं कमरे में अपने बच्चों के साथ बैठता था और हम सभी खूब रोते थे। हम रोते हुए कहते थे- अरे ये फिर से हार गए बड़ा दुख हो रहा है। शाहरुख खान ने बताया लेकिन जैसे ही क्रिकेट मैच इंडिया शिफ्ट हुए तो हमारी टीम केकेआर ने सभी मैच जीतने शुरू कर दिए और फिर हमने 2014 में आईपीएल की ट्रॉफी भी जीती। शाहरुख खान ने कहा कि कोई दिखाए या नहीं लेकिन जब टीम हारती है तो बहुत दुख होता है। शाहरुख ने कहा- कुछ भी कह लो दुख तो होता है। ज्ञान जितना भी दे लो कि जिंदगी में ऐसा होता है वैसा होता है जब हारते हैं तब अच्छा नहीं लगता। शाहरुख खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो 2023 में वो बड़ा धमाका करने वाले हैं।

शाहरुख की कई फिल्में अगले साल रिलीज होने वाली हैं। सबसे पहले साल की शुरूआत में 25 जनवरी को पठान सिनेमाघरों में उतरेगी। हालांकि फिल्म रिलीज से एक महीने से पहले ही इसपर विवाद छिड़ गया है। बेशर्म रंग गाने में दीपिका का बिकिनी लुक और एक्ट्रेस संग शाहरुख की इंटेंस केमिस्ट्री पर कई लोग आपत्ति जता रहे हैं। अब देखते हैं कि किंग खान की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितनी सफल होती है।

बिग बॉस के 16वें सीजन को मिला एक्सटेंशन

लोकप्रिय नॉन-फिक्शन टेलीविजन रियलिटी शो बिग बॉस में सुपरस्टार सलमान खान ने अपने सुपरस्टारडम को आगे बढ़ाया अब शो की लोकप्रियता और अधिक बढ़ गई है। हालांकि शो के प्रति दर्शकों की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह बॉलीवुड के दंबग खान भी हैं जिन्होंने अपने दम पर ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को शो की तरफ अट्रैक्ट किया। यह वास्तव में सुपरस्टार का क्रेजी फैनबेस ही है कि दर्शक उन्हें शो में देखने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं।जब से सलमान खान ने बिग बॉस में कदम रखा हैं तब से कंटेस्टेंट्स की कहानियां जानने के अलावा दर्शकों को टेलीविजन से चिपके रहने की एक और खास वजह मिल गई है। निस्संदेह शो में उनकी उपस्थिति हर बार एंटरटेनमेंट कोशेंट को और अधिक बढ़ा देती हैं। यह सब सलमान खान के लिए दर्शकों का प्यार ही है कि शो के 16वें सीजन को आगे बढ़ा दिया गया है और इसमें और एपिसोड जोड़े जाएंगे जिसके बाद यह शो 12 फरवरी 2023 तक प्रसारित होंगा। यह इसकी बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों का प्यार दशार्ता है। जो लगातार अपने फेवरेट सुपरस्टार को देखने के लिए उतावले रहते हैं। यह सलमान खान के स्टारडम की पावर है कि प्रशंसक इसे देखते हैं और इस हद तक इसके दीवाने हो गए है कि दर्शकों की खास डिमांस पर शो में कुछ और एपिसोड्स जोड़ दिए गए है।

मोहित रैना अपनी मैरिड लाइफ को लेकर सुर्खियों में

छोटे परदे के एक्टर मोहित रैना इन दिनों अपनी मैरिड लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ समय पूर्व खबरें आई थी कि मोहित रैना और उनकी पत्नी अदिति शर्मा के बीच कुछ भी ठीक नही चल रहा हैं।अब इन सब अफवाहों पर एक्टर मोहित रैना का बयान सामने आया है। हाल ही में मीडिया से बातचीत में मोहित रैना ने पत्नी अदिति संग खराब रिश्ते की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा क्या बकवास है। ये अफवाह निराधार है। मैं हिमाचल प्रदेश में हूं और अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट कर रहा हूं। इतना ही नहीं उन्होंने पहाड़ों की वादियों से अपनी एक खूबसूरत तस्वीर भी शेयर की है। हालांकि इस दौरान एक्टर ने अपनी शादी की फोटोज डिलीट करने की वजह नहीं बताई।बता दें मोहित रैना ने 1 जनवरी 2022 को अदिति शर्मा से शादी रचाई थी और फैंस के साथ अपनी वेडिंग की खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की थी। इन सब खबरों को एक्टर के इंस्टाग्राम अकाउंट से उनकी शादी वाली तस्वीरें डिलीट होने के बाद तूल मिला था।

सीरीज फिजिक्स वालेह का प्रीमियर लॉच

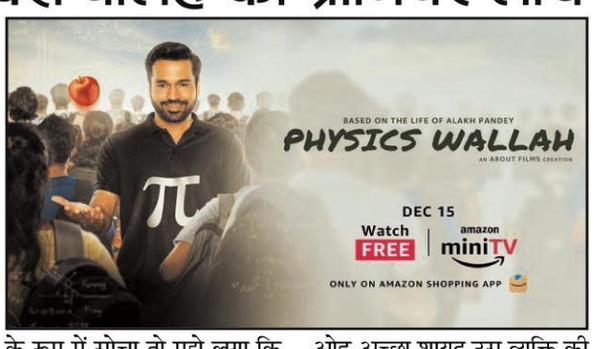

बीते दिनों एक इंस्पिरेशनल सीरीज फिजिक्स वालेह का अमेजॅन मिनी ने प्रीमियर लॉच किया। अलख के बचपन के दिनों से लेकर उनके सपने को साकार करने तक यह सीरीज दर्शकों को उनके अनुभवों सीखों और कार्यों के जीगरुक करेगी। यह सीरीज उस व्यक्ति के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है जिसने एक एडुटेक यूनिकॉर्न बनाया जो एकमात्र फिजिक्स वालेह के अलख पांडेय है। अलख पांडे की रोमांचक भूमिका अभिनेता श्रीधर दुबे ने निभाई है।

हाल ही में अभिनेता ने शो में कास्ट किए जाने की प्रक्रिया के बारे में बात की। श्रीधर दुबे ने कहा ह्लईमानदारी से जब अभिषेक (निर्देशक) ने मुझे मुख्य भूमिका के रूप में सोचा तो मुझे लगा कि यह एक छोटा बजट वाला प्रोजेक्ट होगा और उनके पास बड़े अभिनेताओं के लिए बजट नहीं हो सकता है यही वजह है कि उन्होंने मुझसे संपर्क किया है। जैसे मेरे मन में यह पहला विचार था। फिर जब उन्होंने मुझे बताना शुरू किया कि यह एक बायोपिक है तो दूसरा विचार जो मुझे लगा वह था ओह अच्छा शायद उस व्यक्ति की शक्ल मुझसे मेल खाती हो और तीसरा विचार जो मेरे दिमाग में आया मैं ही क्यों? फिर मैंने सोचा शायद वे नए हैं और यह उनका पहला प्रोजेक्ट हो सकता है और किसी ऐसे व्यक्ति को चाहते हैं जिसके साथ वे आराम से काम कर सकें जो कि उनके बोलने के तरीके से मुझे लगा।

सूडोकु नवताल- 6558

सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6557 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 7622

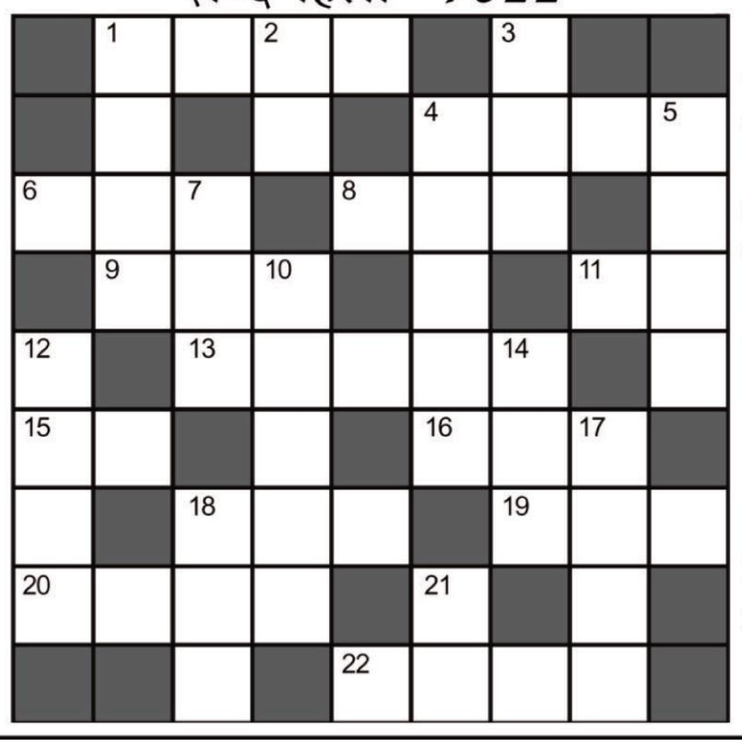

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. .....-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -7621 का हल

र	म	णी	य		ब	र	स	
वा	म		की		ह		म	त
य		अ	न	ब	न			म
त	म	स		री		स	र	स
		बा	ज		पा	रो		
स	ली	ब		मी		व	ज	ह
ली			म	न	ह	र		रा
का	म		न		र		श	र
	द	म	न		म	हा	व	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हुआ एलान, हरमनप्रीत सिंह करेंगे टूर्नामेंट में कप्तानी

नई दिल्ली।

हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान शुक्रवार (23 दिसंबर) को हो गया। 18 सदस्यीय टीम की कप्तानी डिफेंडर हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है। वह मनप्रीत सिंह की जगह टीम की कमान संभालेंगे। हॉकी विश्व कप का आयोजन ओडिशा में 13 जनवरी से होगा। फाइनल मुकाबला 29 जनवरी को खेला जाएगा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर और राउरकेला में मुकाबले में खेले जाएंगे। डिफेंडर अमित रोहिदास को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। हरमनप्रीत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में टीम की कमान संभाली थी। पांच मैचों की सीरीज में टीम इंडिया को 1-4 से हार मिली थी। मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने टोक्यो ओलंपिक में टीम की कप्तानी थी। तब टीम इंडिया एतिहासिक कांस्य पदक जीती थी।

अलग-अलग कप्तान बना रहे ग्राहम रीड - भारत के कोच ग्राहम रीड टीम में अलग-अलग खिलाड़ियों को कप्तानी देने के लिए जाने जाते हैं। उनका मानना है कि इससे सीनियर खिलाड़ी ज्यादा जिम्मेदार होते हैं। अमित रोहिदास भी टीम की कप्तानी कर चुके हैं। विश्व कप टीम का चयन बेंगलुरु के साई सेंटर में दो दिवसीय ट्रायल के बाद किया गया। ट्रायल में 33 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। टोक्यो ओलंपिक में खेलने वाले गुरजंत सिंह और दिलप्रीत सिंह मुख्य टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन दोनों विश्व कप टीम के साथ स्टैंडबाय के रूप में रहेंगे।

भारत का शेड्यूल - विश्व कप भारतीय टीम अपना पहला मैच 13 जनवरी को राउरकेला के नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ खेलेगी। इसी मैदान पर टीम इंडिया पूल-डी में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी। इसके बाद भुवनेश्वर में वेल्स के खिलाफ अपना तीसरा मैच खेलेगी। नॉकआउट मैच 22 जनवरी से शुरू होंगे। 22 और 23 जनवरी को क्रॉसओवर मैच खेले जाएंगे। 25 जनवरी को क्वार्टर फाइनल और 27 जनवरी को सेमीफाइनल होगा। फाइनल और कांस्य पदक मैच 29 जनवरी को आयोजित होगा।

हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक और पीआर श्रीजेश।

डिफेंडर्स: जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरुण कुमार, अमित रोहिदास (उपकप्तान), नीलम संजीप।

मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, नीलकांता शर्मा, शमशेर सिंह, विवेक सागर प्रसाद, आकाशदीप सिंह।

न्यूज ब्रीफ

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी पर मेग लैनिंग बोलीं, तरोताजा होकर वापसी के लिए तैयार हूं

नई दिल्ली। मेग लैनिंग पांच महीने की अनुपस्थिति के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने शुक्रवार को एक घोषणा में कहा कि वह जनवरी 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी। महिलाओं के खेल में सबसे महान खिलाड़ियों में से एक मानी जाने वाली मेग ने व्यक्तिगत कारणों के चलते अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 में ऑस्ट्रेलिया को स्वर्ण पदक दिलाने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हो गई थीं। नतीजतन, वह डब्ल्यूबीबीएल और भारत में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से चूक गई। उन्होंने कहा, मैं पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए फिर से मैदान पर आने का इंतजार नहीं कर सकती। कभी-कभी आपको थोड़ा रूकना पड़ता है और खुद को समय देना होता है। निश्चित रूप से मुझे यही चाहिए था। पिछले छह महीनों ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मैंने अपने बारे में और मेरे लिए कौन और क्या महत्वपूर्ण है, इसके बारे में बहुत कुछ सीखा है। मेग ने कहा कि खेल से ब्रेक के दौरान, उन्हें खुद को समझने के महत्व की सराहना मिली। मैंने हमेशा खेल को दिल से खेला है। इस अनुभव ने मुझे इस बात की अधिक सराहना दी है कि कैसे खुलकर बात करना जो आपकी परवाह करते हैं, वास्तव में कठिन समय को आसान बना सकते हैं। मेग ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2014 में, 21 साल की उम्र में उन्हें टीम के कप्तान के रूप में नामित किया गया था। तब से, उन्होंने अपने नाम पर 135 जीत के साथ सभी प्रारूपों में 171 मैचों में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया है। उनके नेतृत्व में, ऑस्ट्रेलिया ने 2014, 2018 और 2020 टी20 विश्व कप, 2022 वनडे विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और कई एशेज जीत हासिल की। वह महिला क्रिकेट में टेस्ट में 31.36, वनडे में 53.53 और टी20 में 36.48 की औसत से एक प्रमुख बल्लेबाज भी रही हैं।

दिग्गज फुटबॉलर पेले के स्वास्थ्य में गिरावट, किडनी प्रभावित, अस्पताल में ही मनाएंगे क्रिसमस

साओ पाउलो। अस्पताल में कैंसर का इलाज करा रहे ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर पेले के स्वास्थ्य में गिरावट आई है जिससे उनकी किडनी और हृदय पर असर पड़ा है। अल्बर्ट एंस्टीन अस्पताल ने एक बयान में कहा कि 82 वर्षीय फुटबॉलर को विशेष देखरेख में रख गया है। उनके किडनी और गुर्दे प्रभावित हुए हैं। अस्पताल में हालांकि उनके छाती के संक्रमण के बारे में जानकारी नहीं दी है जो कोविड-19 के बाद बढ़ा है। सितंबर 2021 में उनका कोलोन ट्यूमर हटाया गया था। उसके बाद उनकी कीमोथेरेपी की गई है। उनकी बेटी केली नेसिमेंटो ने कहा है कि वह क्रिसमस के दौरान अस्पताल में ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि डाक्टरों का कहना है कि क्रिसमस में उनका अस्पताल में ही रहना उचित होगा। वह अस्पताल में ही क्रिसमस सेलिब्रेट करेंगे। पहले भी पेले को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब नियमित जांच के बाद वो बाहर आ गए थे। 82 वर्षीय पेले के कोलन (बड़ी आंत) से सितंबर 2021 में ट्यूमर हटाया गया था। उसके बाद से वह नियमित अस्पताल जाते हैं।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए इंग्लैंड की टेस्ट टीम की घोषणा, स्टुअर्ट ब्रॉड, मैथ्यू पॉट्स, डैन लॉरेंस की हुई वापसी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड, मैथ्यू पॉट्स और बल्लेबाज डैन लॉरेंस ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के दौरे के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टेस्ट टीम में वापसी की। दोनों टीमों के बीच अगले साल फरवरी में दो टेस्ट मैच होंगे। ब्रॉड अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड के पाकिस्तान के 3-0 के विजयी दौरे से चूक गए थे, जबकि पॉट्स पर विचार नहीं किया गया था। इस साल मार्च में वेस्ट इंडीज के दौरे पर टेस्ट टीम में आखिरी बार खेलने के बाद लॉरेंस की वापसी हुई है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली स्टोन भी अपने करियर को रफ्तार देना चाहेंगे। हाल ही में पाकिस्तान पर 3-0 की जीत में प्रभावशाली रहे मार्क वुड जनवरी में सभी प्रारूपों में पूरी तरह से ठीक होने के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट से ब्रेक लेंगे। ईसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि वुड के मार्च में बांग्लादेश का दौरा करने की उम्मीद है, जहां इंग्लैंड तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगा।

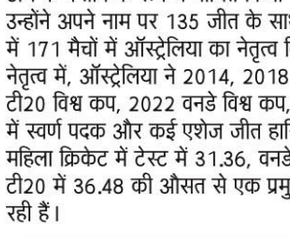

मीरपुर टेस्ट में भारत 80 रन से आगे

दूसरी पारी में बांग्लादेश 7/0, टीम इंडिया पहली पारी में 314 रन पर सिमटी

मीरपुर।

मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने पहली पारी के आधार पर 87 रन की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम 314 रन के स्कोर पर ऑलआउट हुई। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 93 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने 87 रन की पारी खेली। बांग्लादेश की ओर से ताइजुल इस्लाम और शाकिब अल हसन ने 4-4 विकेट लिए। जवाब में बांग्लादेश ने दूसरे दिन के स्टंप्स तक बिना विकेट खोए 7 रन बना लिए हैं। इस तरह भारत के पास अब भी 80 रन की बढ़त है। भारत की ओर से पंत और अय्यर के अलावा विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा ने 24-24 रन जोड़े। शुभमन गिल 20 और कप्तान केएल राहुल 10 रन बनाकर आउट हुए। पहले दिन बांग्लादेशी टीम पहली पारी में 227 रनों पर आउट हो गई।

पंत-अय्यर शतक से चूके, 159 की पार्टनरशिप - ऋषभ पंत ने अपना 11वां टेस्ट अर्धशतक जमाया। वे छठा शतक चूक गए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने 5वां अर्धशतक जमाया। वे दूसरा शतक चूक गए। दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 159 रनों की पार्टनरशिप हुई।

पहला सेशन ताइजुल इस्लाम के नाम रहा - दिन का पहला सेशन मेजबान टीम के गेंदबाज ताइजुल इस्लाम के नाम रहा। ताइजुल ने भारतीय टीम के टॉप-3 बल्लेबाजों को चलता कर दिया। उन्होंने कप्तान केएल राहुल (10), शुभमन गिल (20) और चेतेश्वर पुजारा (24) के विकेट लिए। लंच तक टीम इंडिया का स्कोर 86/3 रहा।

दूसरा सेशन : 140 रन बने, एक विकेट गिरा - दूसरा सेशन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। इसमें भारतीय बल्लेबाजों ने 140 रन बनाए। जबकि पहले सेशन में तीन विकेट चटकाने वाले बांग्लादेशी गेंदबाज विकेट के लिए तरसते नजर आए। सिर्फ एक सफलता तस्कीन अहमद को मिली। टी ब्रेक के बाद टीम इंडिया ने चार विकेट पर 226 रन था। इस सेशन में ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर का जलवा रहा।

तीसरा सेशन: 95 रन बने, 6 विकेट गिरे - इस सेशन में बांग्लादेशी गेंदबाजों का जलवा रहा। हालांकि, 95 रन भी बने। सेशन की शुरुआत टीम इंडिया के स्कोर 226/4 से हुई। शाम होते-होते भारतीय टीम 314 रन पर ऑलआउट हो गई। फिर दूसरी पारी में बांग्लादेश ने बिना विकेट गंवाए 7 रन जोड़े। उसने इस सेशन में 88 रन बनाने में आखिरी के 6 विकेट खो दिए। इनमें अर्धशतक बना चुके ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। पहले सेशन में अनुभवी टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (24) ने टेस्ट में 7 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उनके 7,008 रन हो गए हैं। पुजारा ने 167 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की है। पुजारा ने अपना नाम सचिन तेंदुलकर, राहुल द्राविड़, सुनील गावस्कर, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली, सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों के साथ जोड़ लिया है।

ऐसे गिरे भारत के विकेट

पहला: इस्लाम की बॉल केएल राहुल के पैड पर लगी। पहले तो अंपायर ने नॉटआउट दिया। ऐसे में बांग्लादेशी टीम ने रिव्यू लिया। दूसरा : गिल तैजुल की सीधी बॉल पर स्वीप शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन मिस कर गए और पैड पर लगी। तीसरा : पुजारा सीधी बॉल को डिफेंस करना चाह रहे थे, लेकिन शॉर्ट लेग में मोमिनुल हक ने शानदार कैच लिया। चौथा : लेंथ बॉल कोहली के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। पांचवां : पंत मेहदी हसन मिराज की गेंद पर विकेट के पीछे नुरुल अहमद के हाथों कैच आउट हुए। छठा : अक्षर बड़ा शॉट खेलना चाहते थे। लेकिन मिड विकेट बाउंड्री पर शान्तो ने कैच किए। सातवां : शाकिब अल हसन ने श्रेयस अय्यर को आउट कर दिया। आठवां : अय्यर के बाद अश्विन भी शाकिब की बॉल पर आउट हुए। नौवां : उमेश यादव को तैजुल इस्लाम ने लिटन दास के हाथों कैच कराया। दसवां : सिराज आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें शाकिब ने नुरुल अहमद के हाथों कैच कराया। पहले दिन भारत रहा था हावी बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, लेकिन दिन के तीसरे ही सेशन में टीम ने 227 रन बनाकर अपने सभी विकेट गंवा दिए। मोमिनुल हक ने सबसे ज्यादा 84 रन बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज फिफ्टी नहीं जड़ सका। मुश्फिकुर रहीम ने 26, लिटन दास ने 24 और ओपनर नजमुल हसन शान्तो ने 24 रन बनाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, जयदेव उनादकट, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश: जाकिर हसन, नजमुल हसन शान्तो, मोमिनुल हक, लिटन दास (विकेटकीपर), मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन (कप्तान), नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, ताइजुल इस्लाम, खालेद अहमद और तस्कीन अहमद।

एशियाई फुटबॉल पैनल ने रणनीतिक सुधारों को दी मंजूरी

क्वालालंपुर।

एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) की प्रतियोगिता समिति ने शुक्रवार को विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि, वित्तीय नियमों और प्रतियोगिताओं के लिए एक नए टायर थ्री प्रारूप के साथ क्लब प्रतियोगिताओं के लिए कई गेम-चेंजिंग सुधारों को मंजूरी दे दी, जिसमें रेलीगेशन और पदोन्नति शामिल होगी।

एएफसी ने कहा, 2009 में एएफसी चैंपियंस लीग में वृद्धि के बाद से पेश किए जाने वाले शायद सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में नए प्रतियोगिता प्रारूपों की शुरूआत, विदेशी खिलाड़ी की संख्या में वृद्धि और भाग लेने वाले क्लबों के लिए वित्तीय वितरण में वृद्धि शामिल है।

क्षेत्र भर के क्लब अब किसी भी राष्ट्रीयता के पांच विदेशी खिलाड़ियों की भर्ती कर सकते हैं और किसी भी राष्ट्रीयता के तीन और एएफसी क्षेत्र से एक के बजाय एक एएफसी सदस्य देश (5 प्लस 1) से भर्ती कर सकते हैं जिसे पहले अनुमति दी गई थी। नया कोटा 2023-24 सीजन के बाद लागू होगा।

एएफसी ने जानकारी दी, एएफसी क्लब प्रतियोगिताओं की गुणवत्ता और कद बढ़ाने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण निर्णय में, समिति ने विदेशी खिलाड़ी पंजीकरण पर प्रत्येक एमए के घरेलू नियमों को मान्यता देने और 2024/25 सीजन से विदेशी खिलाड़ी पंजीकरण कोटा हटाने पर भी सहमति व्यक्त की।

वर्तमान नियमों के अनुसार, प्रतियोगिता समिति द्वारा सभी निर्णयों को प्रभावी होने से पहले एएफसी कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित करना होगा।

एएफसी पैनल ने महाद्वीप के 76 भाग लेने वाले क्लबों के लिए टायर थ्री प्रतियोगिता को भी मंजूरी दे दी है। क्लबों को पहले पांच जोन के बजाय दो प्रमुख पश्चिम और पूर्व के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

एएफसी ने कहा, शीर्ष स्तर में कुल 24 भाग लेने वाले क्लब शामिल होंगे, जो एक लीग प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले पश्चिम और पूर्व क्षेत्रों में 12 टीमों में विभाजित होंगे। प्रत्येक क्लब अपने क्षेत्र के भीतर आठ अलग-अलग क्लबों के खिलाफ चार घर और चार बाहर मैच खेलेगा।

एशियाई क्लब फुटबॉल के दूसरे चरण में 32 प्रतिभागी क्लब चार-चार टीमों के आठ समूहों में विभाजित होंगे। क्लब ग्रुप स्टेज में राउंड-रॉबिन प्रारूप में घर और बाहर मैच होंगे, जिसमें शीर्ष दो टीम 16 के राउंड और क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के बाद के दौर में आगे बढ़ेंगे।

टीयर 3 में 20 भाग लेने वाले क्लब शामिल होंगे जो पांच समूहों में विभाजित होंगे। क्लब क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले शीर्ष आठ टीमों के साथ एक केंद्रीकृत प्रारूप में खेले जाने वाले सिंगल-लेग संबंधों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

सऊदी के रेगिस्तान में विंटर गेम्स की तैयारी: रेत में सालभर जमी रहेगी बर्फ... क्योंकि इसके बाद टूरिज्म से होगी कमाई

रियाद।

सऊदी अरब के रेगिस्तान में अब आप दिन में भी ठिठुरेंगे। यहां साल के 12 महीने बर्फ जमी रहेगी। एक कृत्रिम झील भी होगी और अत्याधुनिक सुविधाओं वाले महल जैसे घर भी होंगे। 60 वर्ग किलोमीटर में तैयार हो रहे इस स्कीइंग रिजॉर्ट में होटल्स के 3600 कमरे और 2200 घर होंगे। रेगिस्तान में पहाड़ों के बीच बर्फ से बन रहा यह स्वर्ग नियोम सिटी है और परियोजना का नाम है ट्रोजेना। यह अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर से 33 गुनी बड़ी होगी।

सऊदी अरब में होंगे एशियन विंटर गेम्स 2029 - कतर के बाद अब सऊदी अरब में एशियन विंटर गेम्स 2029 की तैयारी चल रही है। दरअसल, दोहा में फीफा वर्ल्ड कप के सफल आयोजन के बाद अरब देशों की अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं की आयोजन क्षमता पर किसी को शक नहीं रहा। फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन 18.19 लाख करोड़ रुपए में किया गया था। वहीं सऊदी अरब अपनी ट्रोजेना परियोजना पर दोगुने से ज्यादा 41.35 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसके 2026 तक तैयार होने की उम्मीद है। इसके 3 साल बाद 2029 में यहां एशियन विंटर गेम्स का आयोजन होगा। यहां साल भर स्कीइंग और दूसरे विंटर स्पोर्ट्स खेले जा सकेंगे। लोग यहां छुट्टियां मनाने भी आएंगे। इसे 6 जिलों में बांटा गया है।

टूरिस्ट्स के लिए 4 अलग-अलग मौसम होंगे - इन जिलों को एक्सप्लोर, डिस्कवर, गेटवे, वैली, रिलेक्स और फन नाम दिया गया है। जैसा कि नाम से ही साफ है कि इन अलग-अलग जिलों में अलग-अलग आकर्षण हैं और कोई भी अपने मूड के हिसाब से इनमें जा सकता है। इसमें एक वॉल्ट जोन भी होगा, एक तरह का वर्टिकल विलेज। इसमें रेस्त्रां और खरीदारी के लिए ब्रांडेड दुकानें होंगी।

आप 1500 से 2600 मीटर के पहाड़ों की ऊंचाई पर भी हैं, तो यहां तक तुरंत पहुंच सकते हैं। यहां 4 अलग-अलग मौसम तय किए गए हैं। सितंबर से नवंबर तक यहां आयुर्वेद से लेकर पंचकर्म के अलावा योग की भी व्यवस्था रहेगी। दिसंबर से मार्च तक यहां स्कीइंग, स्नो बोर्डिंग, आइस स्केटिंग, विंटर फैशन वीक, फिल्म व म्यूजिक फेस्टिवल आयोजित होंगे। मई से सितंबर तक एडवेंचर सीजन में माउंटेन क्लाइंबिंग, बाइकिंग, हाई एल्टीट्यूड ट्रेनिंग और एडवेंचर ट्राइथलॉन होगा। आर्ट फेयर्स, म्यूजिक एंड फूड फेस्टिवल और कल्चरल वीक का आयोजन भी होगा। तेल के बाद पर्यटन की अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की तैयारी दुनियाभर में वैकल्पिक ऊर्जा की बढ़ती मांग के बीच तेल पर निर्भरता कम होती जा रही है। ऐसे में सऊदी अरब अपने यहां पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है।

जोफ्रा आर्चर की 22 महीनों बाद क्रिकेट में वापसी: साउथ अफ्रीका दौरे की टीम में चुने गए; 2023 का आईपीएल भी खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की एक साल 10 महीनों बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी होने जा रही है। उन्हें साउथ अफ्रीका दौरे पर इंग्लैंड के 14 खिलाड़ियों की टीम में चुना गया है। आर्चर ने मार्च 2021 में भारत के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। यह एक टी-20 मैच था। इस वापसी ने उन्हें 2023 का आईपीएल खेलने के लिए भी उपलब्ध बना दिया। वह इंजरी के चलते लंबे समय तक क्रिकेट से दूर हो गए थे।

27 जनवरी से शुरू होगी वनडे सीरीज

जोस बटलर की कप्तानी में इंग्लैंड की टीम 27 जनवरी से साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे खेलेगी। सीरीज के 14 प्लेयर्स की लिस्ट में आर्चर का भी नाम है। उनके साथ हैरी ब्रूक, बेन डकेट, रीस टॉप्ले जैसे प्लेयर्स के नाम भी हैं। इंजर्ड लियाम लिविंगस्टन को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम में जो रूट को बाहर कर डेविड मलान को शामिल किया गया है। साथ ही टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर रहे आउट ऑफ फॉर्म जेसन रॉय को भी टीम में चुना गया है। इस सीरीज से पहले आर्चर साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग में एमआई केपटाउन की तरफ से 2 मैच खेलेंगे।

सर्जरी का इलाज करा कर टीम में लौटे

मार्च 2021 में आर्चर को कोहनी में चोट लगी थी। इस चोट के बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। इसके बाद उन्हें पीठ में खिंचाव महसूस होने लगा। इंग्लैंड क्रिकेट ने इसकी सर्जरी भी कराई। 2 सर्जरी के बाद पूरी तरह रिकवर होने में आर्चर को करीब 21 महीनों का टाइम लग गया।

उन्होंने इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे से पहले नवंबर में इंग्लैंड- के लिए 4 दिवसीय मैच भी खेला था। जिसमें उन्होंने कुछ ओवर्स बॉलिंग भी की थी। ऐसे में फिटनेस रिपोर्ट आने के बाद उनका सिलेक्शन किया गया है।

वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के हाईएस्ट विकेट टेकर

आर्चर 2019 की वर्ल्ड कप विनिंग इंग्लैंड टीम का हिस्सा भी थे। उन्होंने टूर्नामेंट में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 20 विकेट लिए थे। इंग्लैंड के लिए अब तक 17 वनडे में वह 30 विकेट ले चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 4.74 के इकोनॉमी रेट से ही रन दिए।

इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के साथ माना जा रहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में भी खेलते नजर आ सकते हैं। उन्हें पिछले ऑक्शन में मुंबई इंडियंस ने 8 करोड़ रुपए में खरीदा था। ऐसे में अगर आर्चर आईपीएल खेलते हैं तो वह जसप्रीत बुमराह के साथ बॉलिंग करते नजर आएंगे।

स्पैम मेल से परेशान बीसीसीआई

सिलेक्टर्स के लिए तेंडुलकर, धोनी और सहवाग के रिज्यूमे भी मिले; इंजमाम भी बनना चाहते हैं चयनकर्ता

मुंबई।

बीसीसीआई सीनियर टीम के लिए नेशनल सिलेक्शन कमेटी बनाने के प्रॉसेस में जुटी है। बोर्ड के लिए यह काम आसान नहीं है, लेकिन कुछ शरारती लोग इस मौके को भी मजाक के तौर पर ले रहे हैं। बीसीसीआई के अफसरों ने जब सिलेक्शन कमेटी के लिए आए एप्लिकेंट्स की खोज के लिए ईमेल बॉक्स चेक किया तो वो हैरान रह गए।

दरअसल, इस मेल बॉक्स में सचिन तेंडुलकर, महेंद्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग के नाम से भी रिज्यूमे भेजे गए थे। हद तो तब हो गई जब टीम इंडिया के सिलेक्टर बनने की रेस में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक का नाम भी मिला। हालांकि, यह सभी स्पैम मेल थे। लिहाजा इनकी कोई अहमियत नहीं थी।

सिर्फ मजाक की कोशिश - रिपोर्ट के मुताबिक- कुछ लोग स्पैम मेल के जरिए बोर्ड से मजाक करना चाहते थे और इन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

बीसीसीआई को अब तक करीब 600 ईमेल मिले हैं। इनमें से कुछ फेक ईमेल से भेजे गए हैं। इनमें ही मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंडुलकर, कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी और मुल्तान के सुल्तान वीरेंद्र के नाम से हैं। सबसे रोचक मामला तो पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और बेहतरीन बैटर इंजमाम उल हक का है। वैसे, इंजमाम पाकिस्तान टीम के चीफ सिलेक्टर रह चुके हैं। उस दौर में उन पर सिलेक्शन में भाई-भतीजावाद चलाने का आरोप लगा था। उनके भतीजे इमाम उल हक को पाकिस्तान टीम में शामिल किया गया था। इमाम अब तक टीम में हैं। बीसीसीआई की नेशनल सिलेक्शन कमेटी में चीफ सिलेक्टर के अलावा चार और मेंबर होंगे। इसके लिए पहले 10 नाम शॉर्ट लिस्ट किए जाएंगे। बोर्ड के एक अफसर ने कहा- कुछ लोग सिलेक्शन कमेटी के नाम पर मजाक कर रहे हैं। इससे हमारा वक्त बर्बाद होता है। हालांकि, हम अपना काम गंभीरता से कर रहे हैं और जल्द ही 10 नामों का एक पूल तैयार कर लेंगे। तीन मेंबर्स हैं। इनके नाम हैं- अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नायक। ये तीनों ही सिलेक्शन कमेटी का गठन करेंगे।

पुरानी सिलेक्शन कमेटी बर्खास्त - पिछले महीने टी-20 वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद बोर्ड ने पूरी सिलेक्शन कमेटी बर्खास्त कर दी थी। हालांकि, नई कमेटी चुने जाने तक इसके सदस्य अस्थायी तौर पर काम को अंजाम दे रहे हैं। देवाशीष मोहंती कोलकाता में हैं और वहां बंगाल-हिमाचल प्रदेश का मैच देख रहे हैं। पूर्व चयन समिति में चेतन शर्मा चीफ सिलेक्टर थे। चेतन के अलावा हरविंदर सिंह, सुनील जोशी और देवाशीष मोहंती इस सिलेक्शन कमेटी में थे। इनमें से कुछ 2020 तो कुछ 2021 में सिलेक्टर बने थे। आमतौर पर सीनियर सिलेक्शन कमेटी का कार्यकाल चार साल का होता है।

फाइनल के बाद अनुचित तरीके से मैदान में घुस गए थे सॉल्ट बेई, चूमी थी ट्रॉफी, फीफा की जांच शुरू

मुंबई। फीफा विश्व कप 2022 समाप्त हो चुका है, लेकिन इससे जुड़े विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब अर्जेंटीना की जीत के बाद सॉल्ट बेई और कई अन्य लोगों के मैदान में घुसने पर बवाल हो रहा है। फीफा ने इस बात की जांच भी शुरू कर दी है कि फाइनल मैच के बाद इन लोगों को मैदान के अंदर जाने की अनुमति कैसे मिल गई। फीफा विश्व कप के फाइनल में अर्जेंटीना की जीत के बाद सॉल्ट बेई मैदान में घुस गए थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मिलकर अर्जेंटीना की जीत का जश्न मनाया और ट्रॉफी को चूमते हुए भी देखे गए थे। उन्होंने कई खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचाई थी। इन तस्वीरों में वह उनके मेडल को चूमते और दांत में दबाए हुए भी दिख रहे हैं।

जब चाहें तब बुनें मनचाहा स्वैटर

नवम्बर का महीना आते ही ऊन और सलाइयां हाथों में दिखाई देने लगते हैं. कल्पना में तरहतरह के स्वैटरों के डिजाइन आते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम अपनी कल्पना के डिजाइन को मूर्त रूप नहीं दे पाते. आइए, हम आप की इस समस्या का हल करते हैं. बुनाई बहुत अच्छी थेरैपी है, जो चिंता को दूर कर एकाग्रता लाती है. बुनाई की इतनी विविधताएं हैं कि सही ज्ञान के अभाव में हम वही डिजाइन थोड़ाबहुत इधरउधर कर बना देते हैं. जैसे ड्रैस में डिजाइन का कोई अंत नहीं उसी तरह स्वैटर भी तरहतरह के डिजाइन के बनाए जा सकते हैं. यहां हम आप के लिए ले आए हैं कुछ उपयोगी जानकारी जिस पर अमल कर के आप बुनाई कला में पारंगत हो जाएंगी. हाथ के बने स्वैटर बुटीक में महंगे मिलते हैं. इसलिए क्यों न थोड़ी सी मेहनत कर के कम खर्च में घर पर ही स्वैटर बनाएं.

हमेशा वर्धमान, ओस्वाल आदि किसी अच्छी कंपनी का ऊन इस्तेमाल करें. बच्चों के लिए बेबी वूल लें ताकि स्वैटर नरम बनें. सस्ते के चक्कर में न पड़ें वरना मेहनत व्यर्थ हो जाएगी.

- ऊन हमेशा स्वैटर से ज्यादा लें. एक व्यक्ति के हाथों से बुनाई हो तो अच्छा रहता है. कई हाथों में जाने से कसावट में फर्क आ जाने से स्वैटर की सुंदरता बिगड़ जाती है.
- डिजाइन के अलावा आप केबल, साबूदाना पैटर्न, जिगजैग डिजाइन डाल कर स्वैटर को सुंदर बना सकती हैं.
- 5-6 तरह के स्वैटर खुद आसानी से बना सकती हैं. बस, थोड़े ध्यान और जानकारी की जरूरत है.
- स्वैटर पर अगर मोती, स्टोंस और नग लगा कर बनाएं तो स्वैटर बाजार के स्वक्टर जैसा लुक देगा. आप इस स्वैटर को किसी भी पार्टी में पहन कर जा सकती हैं.
- स्वैटर पर मोती लगाते समय हमेशा बारीक सूई का इस्तेमाल करें.
- नग या मोती लगाने के लिए स्वैटर के रंग का धागा इस्तेमाल करें.
- जब भी मोती या नग टांकें तो टांकने के बाद स्वैटर के अंदर की तरफ से धागे से अलग से बांध दें ताकि मोती खुलने न पाएं.
- आप इसी प्रकार डिजाइन में भी मोती, स्टोंस, सीपियां लगा कर स्वैटर को अलग रूप दे सकती हैं.
- ग्राफ वाला स्वैटर बनाते समय
- ग्राफ के द्वारा भी स्वैटर को सुंदर रूप दिया जा सकता है
- स्वैटर पर जिन रंगों का ऊन लगा रही हों, ग्राफ के डिजाइन में वहांवहां उसी रंग का इस्तेमाल करें. इस से स्वैटर बनाने में आसानी रहती है.

फेशियल रिजुवेनेशन तकनीकों से दिखें युवा

उम्र बढने के साथ चेहरे पर उम्र के निशान दिखने लगते हैं, हम चाहते हैं कि समय रुक जाए। समय तो नहीं रुक सकता लेकिन अनेक आधुनिक तकनीकों की मदद से हम इन उम्र के निशानों को दूर रख सकते हैं। फेशियल रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट यानी चेहरे का कायाकल्प युवा दिखने और त्वचा पर बढ़ती उम्र के संकेतों को टालने के लिए किया जाता है। चेहरे के रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट में प्रमुख रूप से कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट, टॉपिकल ट्रीटमेंट, सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट शामिल हैं।

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट चेहरे के फेशियल रिजुवेनेशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन इसके साथ ही इसमें साधारण सनस्क्रीन लगाना भी बहुत मदद करता है। चेहरे को उम्रदराजी से बचाने के लिए उचित यूवीए और यूवीबी सनस्क्रीन का उपयोग करने की सलाह भी दी जाती है क्योंकि इसका रेडिएशन टाइप 1 प्रोकोलेजन को कम कर देता है। इसके अलावा चेहरे पर हार्श डिटर्जेंट और साबुन और ज्यादा गर्म पानी के उपयोग से बचना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा ड्राई हो सकती है। कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट के बाद रोजमर्रा में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल त्वचा को युवा बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

टॉपिकल ट्रीटमेंट

फेशियल रिजुवेनेशन के लिए टॉपिकल एजेंट्स की पूरी सिरीज़ उपलब्ध है लेकिन इसका असर त्वचा पर दिखे, इससे पहले आपको काफी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इनमें विटामिन सी, ट्रेटीनोइंस, अल्फा हाइड्रॉक्सिल एसिड और विभिन्न एंटीजिंग रसायनों जैसे एजेंट होते हैं।

सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

सिस्टमिक एजेंट मूल रूप से वे होते हैं जो एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं और त्वचा को सूर्य से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इनमें विटामिन सी, विटामिन ई, कोनेजाइम क्यू, ग्रीन टीए मेलाटोनिन और सेलेनियम जैसे विभिन्न एजेंट शामिल हैं। टेस्टोस्टेरॉन और एस्ट्रोजेन जैसे हॉर्मोन भी त्वचा को जवां रखने वाले तत्व कोलेजन को बरकरार रखने में मदद करते हैं।

थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट की पूरी सिरीज़ है जिसमें आपकी स्किन को देखकर तय किया जाता है, कि कौन सा उपचार आपके लिए सही रहेगा। इसमें केमिकल पील्स, माइक्रोडर्माब्रेज़न, अंडर्मोलोजी, बोट्यूलिनम टॉक्सिन, ह्यूलूरोनिक एसिड फिलर्स, सॉफ्ट टिश्यू ऑग्मेंटेशन, लेजर, इंटेंस पल्स लाइटए नॉन एब्लेटिव आरएफए फ्रेक्शनल फोटोथर्मोलिसिस, एलईडी फोटोमोड्यूलेशन शामिल हैं।

केमीकल्स पील्स

पील त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक तकनीक है, जिसके जरिए धब्बेदार और सूरज से क्षतिग्रस्त त्वचा को सुधारा जाता है। इसमें बिना सर्जरी और दर्द के त्वचा की बाहरी परत से डेड स्किन को हटाया जाता है। यह प्रक्रिया त्वचा को एक समान रंगत देती है तथा दाग-धब्बों को कम करती है। त्वचा के विश्लेषण के आधार पर सही पील का चयन किया जाता है। आजकल ज्यादातर पील जेल के रूप में उपलब्ध हैं, इसलिए इनके दुष्प्रभाव की आशंका कम होती है। इंस्टा स्कल्प्ट की कॉस्मेटिक फिजीशियन डॉ. मंजरी पुराणिक का कहना है कि डर्मा पील के जरिए त्वचा की सामान्य समस्याओं का समाधान किया जा सकता है, जैसे कि- मुहांसे, पिगमेंटेशन, काले घेरे, झुर्रियां, टैनिंग, त्वचा की असमान रंगत और बनावट, इत्यादि। इस प्रक्रिया में लगभग 20 से 30 मिनट का समय लगता है जो त्वचा की संवेदनशीलता पर निर्भर है और इस प्रक्रिया को पूरा होने में 8 से 12 दिनों का समय लगता है। त्वचा और जरूरत के आधार पर पील्स मूल रूप से तीन तरह की होती हैं-

सुपरफीशियल पील्स

यह त्वचा की ऊपरी परत पर काम करता है और इसका निचली परतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है। इससे त्वचा तुरंत मुलायम और चमकदार हो जाती है। कुछ सुपरफीशियल पील त्वचा की निचली परत पर भी असर कर सकते हैं। सुपरफीशियल पील का उपयोग मुहांसों को कम करने, फोटो एजिंग, हाइपर पिगमेंटेशन रिजुवेनेशन (दमकती त्वचा) के लिए किया जाता है।

रोजमर्रा की ऐसी आदतें कि 40 की उम्र पर पछताना न पड़े

20 वर्ष की आयु वह आयु है, जब आप पढ़ाई के अंतिम सालों में होते हैं। ऐसे में सामने आपका करियर या तो अच्छी तरह से बना-बनाया दिखाई देता है या फिर कुछ समझ नहीं आ रहा होता है कि आगे करें तो क्या करें.... ऐसे में पेश हैं कुछ ऐसे सुझाव, ताकि आपका करियर तो अच्छा बने ही, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी आप ठीक रहें, ताकि जब आपकी उम्र 40 की हो जाए, तब आप यह न सोचें कि काश 20 की उम्र से हमने ऐसा किया होता........

जल्दी उठने की आदत

सूर्योदय से पहले यानी सुबह 5 बजे उठना स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसी तरह से सोने का सही समय है रात को 10.30 बजे का। ऐसा करने से आप पूरे दिन में अपने टाइम को इफेक्टिवली मैनेज कर सकते हैं। ऐसे में आपके पास पूरे दिन की तैयारी का भी खासा समय रहेगा।

प्रार्थना

प्रार्थना यानी प्रेयर किसी भी लक्ष्य के प्रति आपके निश्चय को बढ़ावा देती है। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप सिर्फ प्रार्थना ही करते रहें। आप अपने लक्ष्य के अलावा अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए भी प्रार्थना कर सकते हैं।

व्यायाम

रोजाना करीब 15 मिनट का व्यायाम करना आपके स्वास्थ्य को सही बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। व्यायाम का मतलब हैवी जिम नहीं है, लेकिन आपको सिंपल स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज या सुबह-सुबह जॉगिंग करना चाहिए। इसके बाद कुछ देर आपको ऐसी जगह मॉर्निंग वॉक करनी चाहिए जहां काफी पेड़-पौधे हों, क्योंकि इससे ऑक्सीजन की कमी से संबंधित समस्याएं कम होंगी।

सोशल मीडिया से दूरी

सीरियसली, अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना चाहते हैं तो आपको फेसबुक, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया से दूरी बनानी होगी। यह सभी साइट्स इस तरह से बनाई जाती हैं, ताकि यह लोगों को अपनी ओर खींच सकें। और यह कुछ और नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के युवाओं को उनके लक्ष्य से दूर करके डिप्रेशन पैदा करने का काम कर रही हैं।

स्टडी और टाइम मैनेजमेंट

अपने क्षेत्र की पढ़ाई के लिए आपको रोजाना कम से कम चार घंटे का समय रखना चाहिए। अगर आप चार घंटे पढ़ाई नहीं कर सकते तो रोज कम से कम 2 घंटे की पढ़ाई तो बनती ही है, अगर आप नहीं चाहते कि 40 की उम्र पर जाकर आपको पछताना पड़े।

गालियां न दें

कुछ भी हो जाए, किसी को गाली न दें। इस बात का पूरा ध्यान रखें, आप अपने अंदर एक नया इंसान पाएंगे।

दूसरों की सलाह लें

हमेशा दूसरों से सलाह लें, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप उससे सहमत भी हों और उसे मानें। कोई सलाह दे रहा हो तो उससे बहस न करें। सिर्फ वही करें जो आपको सही लगता हो।

सभी का आदर करें

अगर आप दूसरों का आदर करेंगे तभी आपको भी आदर मिलेगा। अपने से बड़ों की, अपने पैरेंट्स की रेस्पेक्ट तो सभी करते हैं, आप अपने से छोटों की भी रेस्पेक्ट करें।

ध्यान से सुनें

जब आप किसी व्यक्ति की बात सुन रहे हों तो कभी भी उसका स्टेटस देखकर उसके बारे में राय न बनाएं। वो जो कह रहा है, उसे सुनें।

तांबे के बर्तनों से एक नहीं अनेक हैं फायदे

धातुओं में सोना, चांदी के बाद तीसरे स्थान पर तांबा आता है। मगर गुणों में तांबा नंबर एक है। भले ही आज स्टील का बोलवाला है। चम्मच, कटोरी, गिलास, थाली, कलछी, पतीला, ट्रे आदि बर्तन रसोई घर की शान हैं। ये चमचमाते बर्तन दुकानों पर हाथों-हाथ बिकते हैं। दीवाली के दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। उस रोज बर्तनों की दुकानों पर भारी भीड़ होती है। आज से 60-70 वर्ष पूर्व रसोई में तांबे के बर्तन प्रयोग में लाए जाते थे। उन दिनों आज की अपेक्षा व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता था। वास्तव में तांबा स्वास्थ्य के लिए रामबाण है।

- विदेशों में हुए शोध से यह बात सामने आई है कि तांबा पेट के रोगों की अचूक दवा है।
- तांबे के बर्तन में पका खाना और तांबे के लोटे में रात्रि को रखा पानी प्रात- उठकर पीने से पेट के कृमि समाप्त हो जाते हैं तथा पेट से संबंधित रोग दूर हो जाते हैं।
- तांबा ऊष्मा का सुचालक है। इस धातु के पात्र में भोजन जल्दी पकता है और ईंधन की भी बचत होती है अर्थात् आम के आम गुठलियों के दाम वाली कहावत यहां चरितार्थ होती है।
- तांबे के पात्र में पकाए भोजन में तांबे का कुछ भाग हमारे पेट में जाता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
- तांबे के पात्र में रखे भोजन को हर ओर से समान ताप मिलता है। इससे भोजन का स्वाद बढ़ जाता है तथा यह अधपका नहीं रहता।
- इस धातु के पात्रों की अन्य धातुओं के पात्रों से अधिक मजबूती की गारंटी रहती है। इन बर्तनों का कई वर्षों तक उपयोग किया जा सकता है।
- तांबे के पात्रों में एसिड वाले पदार्थ पकाने से भोजन का जायका खराब हो जाता है। इसलिए अमलीय पदार्थों को तांबे के पात्र में नहीं पकाना चाहिए। कसैला स्वाद आपके भोजन का मजा किरकिरा कर सकता है।

इन जगहों के मजेदार खाने के साथ लें घूमने का मजा

आप घूमने फिरने की शौकीन हैं, जब भी मौका मिलता है अपने परिवार के साथ मनपसंद जगहों की सैर पर निकल पड़ती हैं। घूमने के साथ-साथ आपको जिस जगह जहां जा रही हैं, वहां पर मिलने वाले खास भोजन खान अच्छा लगता है, लेकिन चाह कर भी आप वहां के स्थानीय भोजन का स्वाद नहीं ले पाती हैं, इसका कारण जानकारी का अभाव है। आप जहां जा रही हैं, वहां पर कौन-से खास भोजन मिलते हैं और उन्हें कहां से खाना चाहिए की जानकारी इकट्ठी करके जायें, तो आपके घूमने का मजा दुगुना हो जायेगा आप खूबसूरत जगहों की सैर करने के साथ-साथ वहां के स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद भी ले सकती हैं।

मुंबई का वड़ा-पाव

इस मौसम में समुद्री जगहों पर घूमने का आनंद ही कुछ और होता है वहां पर मैदानी इलाकों की तरह कंपकंपाती सर्दी और कुहरे का सामना नहीं करना पड़ता है। अगर आप अपने परिवार के साथ मुंबई घूमने जा रही हैं, तो फिर वहां के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना न लें। भले ही आपको हर जगह भेलपूरी मिल जाती है, लेकिन मुंबई बीच पर मिलने वाली भेल का स्वाद ही कुछ अलग होता है। भेल के साथ-साथ वड़ा-पाव, उसल पाव, बॉम्बिल फ्राई, सैंडविच, फलूदा फ्रैंकीस का मजा लेना न भूलें। मुंबई के बीच के पास स्थित ढाबे और होटल में मिलने वाले सी फूड का स्वाद ही अलग होता है। आप बड़े-बड़े होटलों के बजाये छोटे रेस्टोरेंट और ढाबे पर खायें यहां मिलने वाले खाने का स्वाद ज्यादा अच्छा होता है।

बनारस की चाट

बनारस के घाट का पवित्र वातावरण, बनारसी साडि?ं, कांच की रंग-बिरंगी चूडि?ों के साथ वहां मिलने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद अनायास ही पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। आप अपने परिवार के साथ बनारस घूमने गई हैं, तो वहां से बनारसी साडि?ं खरीदने के साथ-साथ गंगा घाट और आस-पास मिलने वाले चाट और गोलगप्पे का स्वाद लेना न भूलें। जैसे गोलगप्पे यहां मिलते हैं और कहीं पर भी नहीं मिलते हैं। जाड़े में यहां पर दूध जलाकर राबड़ी बनाई जाती है, जिसे जलेबी के साथ परोसा जाता है अगर आप मीठा खाने के शौकीन हैं, तो सुबहे बनारस रेस्टोरेंट में इसे खाना न भूलें। नॉनवेजिटेरियन लोगों के लिए यहां पर होटल ललन, मदनपूरा में खासतौर पर चिकन टिक्का और अचारी मुर्ग मिलता है, जिसका स्वाद अद्भुत होता है।

दिल्ली का लाजवाब स्वाद

दिल्ली में घूमने की खूबसूरत ऐतिहासिक जगहों के साथ-साथ यहां का खाना भी लाजवाब है। दिल्ली में आपको कम से कम दाम में खाने की बेहतरीन चीजें मिल जायेंगी। चांदनी चौक के परांठे वाली गली में मिलने वाले परांठे बेहद मसहूर हैं। दुनिया भर से आने वाले पर्यटक इसका स्वाद लेना नहीं भूलते यहां पर आपको वेज और नॉनवेज परांठों की ढेरों वेरायटी मिलेगी। रमजान के मौके पर यहां पर खासतौर से नहारी या हलीम और कबाब का स्वाद लाजवाब होता है। दिल्ली के छोले-भठूरे और चाट, टिक्की, दही भल्ले, आलू की चटपटी चाट बेहद मसहूर है। ये सारी चीजें आपको हर जगह मिल जायेंगी दिल्ली घूमने आई हैं, तो इन सारी चीजों का स्वाद लेना ना भूलें।

अरुणाचल प्रदेश की तिब्बती डिश

अगर आप घूमने-फिरने के साथ-साथ अलग-अलग तरह के खाने की शौकीन हैं, तो फिर एक बार अपने परिवार के साथ अरुणाचल प्रदेश की सैर पर निकल जाईये यहां मिलने वाले खाने का स्वाद अद्भुत स्वाद होता है। यहां पर चावल से बनने वाली बीयर अपांग खास है। इसके अलावा तिब्बती डिश थुकपा यहां पर मिलने वाला खास व्यंजन है। यहां आपको मीट और मछली के साथ चावल ही खाने को मिलेगा। यहां बनने वाले व्यंजनों में चावल का इस्तेमाल खासतौर पर होता है।

नहीं भूलेंगे हैदराबादी बिरयानी

हैदराबाद में बनने वाले नॉन वेजिटेरियन व्यंजनों की अलग-अलग वेरायटी मसलन मुगलई, तुर्कीस और अरैबिक मिलती है। यहां मिलने वाले व्यंजनों का स्वाद मुंह में घुल जाने वाला होता है। हैदराबादी बिरयानी की धूम हर जगह है भले ही यह आपको हर जगह खाने को मिल जाये, लेकिन हैदराबाद में मिलने वाली, चिकन और मटन बिरयानी का स्वाद ही अलग है। बिरयानी के साथ-साथ यहां के खास व्यंजनों में हलीम पाया, हैदराबादी मरग है। यहां मिलने वाली कच्चे गोस्त की बिरियानी खास है।

आनंद की नगरी कोलकाता

खाने की जितनी वेरायटी आपको सिटी और ज्वॉय के नाम से मसहूर में मिलेगी अन्य कहीं मिलना मुस्किल है। फिर चाहे स्ट्रीट फूड हो स्वीट मीट हो या फिर अन्य व्यंजन यहां पर इसकी ढेरों वेरायटी मिलती है। ऐसा नहीं है कि यहां पर स्थानीय फूड की बहुतायत है यहां पर आपको चाइनीज, मुगलई, इटेलियन सभी तरह के व्यंजन रिजनेबल दाम में मिल जायेंगे। तिरेता बाजार में मिलने वाले तिब्बती फूड और चाइनीज फूड का स्वाद अद्भुत होता है। अगर आप कोलकाता की सैर पर निकली हैं, तो फिर विवेकानंद पार्क में मिलने वाले आलू फुचका और मित्रा कैफे में मिलने वाले कबीरजी कटलेट जरूर खायें। यहां पर अलग-अलग तरह के भरवां परांठे भी मिलते हैं, जो बेहद स्वादिष्ट होते हैं। सरसो में बनी कोलकाता की हिल्सा मछली और भेंटुकी फ्राई का स्वाद लेना न भूलें।

रेसिपी

बटाटा वड़ा

सामग्री

250 ग्राम आलू उबले, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच राई, 5-6 करीपत्ते, 2 बड़े चम्मच प्याज बारीक कतरा, 1 छोटा चम्मच अदरक व हरीमिर्च बारीक कटी, 1/4 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1 बड़ा चम्मच नीबू का रस ,1/2 छोटा चम्मच चाटमसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर ,2 छोटे चम्मच रिफाइंड औयल , 1 कप वड़ा पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1/2 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच तिल ,बटाटा फ्राई करने के लिए पर्याप्त रिफाइंड औयल , नमक स्वादानुसार

विधि

आलुओं को मोटामोटा फोड़ लें. एक नौनस्टिक कड़ाही में तेल गरम कर के जीरा, राई व करीपत्ते डालें. फिर प्याज, अदरक व हरीमिर्च डाल कर पारदर्शी होने तक भूनें. फिर हलदी पाउडर डाल कर आलुओं को भून लें. इस में नमक, मिर्च व नीबू का रस डालें. ठंडा कर के नीबू से थोड़े बड़े गोले बना लें. वड़ा पाउडर में पानी डाल कर गाढ़ा घोल बनाएं. इस में तिल और धनियापत्ती मिक्स करें. गरम तेल में प्रत्येक गोले को वड़ा पाउडर के घोल में लपेट कर गरम तेल में डीप फ्राई करें. बटाटा वड़े तैयार हैं.

लौकी- मटर शोरबा

सामग्री

लौकी 1 किलो, फ्रोजन मटर 1 कप, टमाटर (छिले) 3-4, बटर 2 बड़े चम्मच, दालचीनी 2 इंच, धनिया पाउडर 1 बड़ा चम्मच, सौंफ पाउडर ½ छोटा चम्मच, ताजी धनिया पत्तियां (कटी) पुदीने की पत्तियां (कटी) 1 छोटा चम्मच, कालीमिर्च पाउडर ङ्ग छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार,क्रीम ½ कप।

विधि

प्रेशर कुकर में बटर गरम करें। इसमें दालचीनी डालें जब इसकी खुशबू आने लगे तब इसमें लौकी और मटर डालकर 2 मिनट तक भूनें। अब सारी सामग्री (सिर्फ क्रीम छोड़कर) को एक-एक करके 2 मिनट के लिए भून लें। इसमें एक कप पानी डालकर कुकर को बंद करें और एक सीटी आने तक पकाएं। अब कुकर को ठंडा होने दें और सारी सामग्री बाहर निकालें। अब इसे छान लें और सूप निकाल लें झ इसमें क्रीम डालें और पुदीने की ताजी पत्ती के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)